जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 30 संख्याः 36 प्रभात उदयपुर, बुधवार 7 दिसम्बर, 2022 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

राजस्थान के नेताओं में सचिन पायलट लगातार राहुल गांधी के साथ पैदल चल रहे हैं और इस दौरान दोनों में लगातार चर्चा भी हो रही है। दूसरे दिन की यात्रा के दौरान राहुल गांधी सचिन पायलट के कंधे पर हाथ रखकर काफी देर तक चर्चा करते हुए नजर आए।

सोनिया गांधी 9 दिसम्बर को बच्चों के साथ जन्म दिन मनाने राजस्थान आ रही हैं

इसीलिए 9 दिसम्बर, भारत जोड़ो यात्रा के लिये अवकाश का दिन है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

झालावाड़ (राजस्थान), 6 दिसम्बर। सोनिया गांधी आगामी 9 दिसम्बर को अपना जन्मदिन अपने बच्चों के साथ मनाने के लिए पुत्री प्रियंका गांधी के साथ राजस्थान आ रही हैं।

सूत्र बताते है कि गांधी परिवार द्वारा "मिशन राजस्थान" को फायनल टच दिए जाने की उम्मीद है, जो कांग्रेस नेतृत्व के लिए सिरदर्द बन चुका है।

सूत्र कहते हैं कि राजस्थान में नेतृत्व परिवर्तन करने के लिए मूल रूपरेखा तय कर ली गई है और लम्बे समय से लम्बित

- गांधी परिवार, उस दिन रणथम्भौर जायेगा, साथ-साथ छुट्टी बिताने
- उसी दिन सोनिया गांधी, राहुल व प्रियंका, "मिशन राजस्थान" को "फाइनल टच" देंगे। यह माना जा रहा है कि, नेतृत्व परिवर्तन कार्यक्रम का मोटा-मोटी प्रोग्राम तो तय हो गया है और अब क्रियान्वयन कार्यक्रम की बारीकियां तय होंगी।
- जानकार सूत्रों का कहना है कि, राजस्थान के प्रभारी के पद पर रंधावा की पद नियुक्ति इसी कार्यक्रम के अन्तर्गत की गई है। रंधावा "नो नॉन्सैंस" नेता हैं पंजाब के, तथा अमरिन्दर सिंह को मु.मंत्री पद से हटाने में उनकी अहम भूमिका थी।
- गहलोत ने पूर्व प्रभारी अजय माकन को टारगैट बना लिया था, अतः संतुलन बनाए रखने की छवि को प्रदर्शित करते हुए रंधावा को नया प्रभारी बनाया गया है।
- रंधावा मंगलवार शाम को जयपुर पहुंच गये हैं, तथा कल से भारत जोड़ो यात्रा में शरीक होंगे।

राहुल गांधी पहले से ही कोटा में हैं और उम्मीद है कि तीनों ही रणथम्भौर जाकर एक-दूसरे के साथ समय बिताएंगे। इसीलिए राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोडो यात्रा में 9 दिसम्बर का अवकाश घोषित किया गया है।

इस निर्णय पर अब अमल करने का समय है। सूत्र कहते हैं कि अजय माकन के स्थान पर रंधावा को ए.आई.सी.सी. महासचिव नियुक्त किया जाना इसी योजना का हिस्सा माना जा सकता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पायलट के उत्साही समर्थक पोस्टर लगा रहे हैं

दूसरी ओर प्रशासन उन्हें उतारने में व्यस्त है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

झालावाड़ 6 दिसम्बर। एक पुरानी कहावत है कि तेंदुए पर बनी चित्तियां कभी नहीं बदलती।

यह कहावत अशोक गहलोत के लिए सही है जो सचिन पायलट की छवि

ये हरकतें उदयपुर में आयोजित चिन्तन शिविर के दौरान की गई कार्रवाईयों की यादें ताजा करती हैं जब गहलोत सरकार द्वारा सचिन पायलट के पोस्टर्स फाड़े गए थे।

जब बात सचिन पायलट की हो तो अशोक गहलोत स्वयं को भारी

- यह उदयपुर के चिन्तन शिविर की पुनरावृत्ति हो रही है, तथा वेणुगोपाल से शिकायत भी दर्ज कराई गयी है।
- राहुल गांधी कोटा में नहीं रुक रहे, कोटा के बाहर रुकेंगे।
- यह प्रोग्राम परिवर्तन मंगलवार को ही किया गया है।
- राहुल गांधी व गहलोत की बातचीत नहीं के बराबर ही हो रही है, यात्रा के दौरान, तथा अल्पाहार आदि के लिये रुकते समय।

खराब करने के काम में लगे हुए हैं।

भारत जोड़ो यात्रा 8 दिसम्बर की सुबह कोटा शहर में प्रवेश करेगी और सचिन पायलट के समर्थक उनके पोस्टर्स कोटा में चिपका रहे हैं, लेकिन अशोक गहलोत की सरकार पायलट के सभी पोस्टर्स को फाड़ने में व्यस्त है।

असुरक्षित पाते हैं।

सूत्र कहते हैं कि सचिन पायलट के पोस्टर हटाने और फाड़ने के सन्दर्भ में के.सी. वेणु गोपाल को शिकायत की गई है। अब वेणुगोपाल क्या करते हैं, यह तो भविष्य ही बताएगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी की यात्रा से जुड़ने के लिये भुगतान मिला?

सिने स्टार स्वरा भास्कर ने कहा, "हाँ भुगतान मिला, जनता की शुभकामनाओं व पीठ ठोकने से, और भुगतान अभी भी मिल रहा है"

-सुजीत चक्रबर्ती-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर। सिने स्टार भास्कर ने जब यह कहा कि मध्य प्रदेश में राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिये उन्हें कुछ मिला था तो भाजपा ईकोसिस्टम के ट्रॉलिंग दिल एक क्षण के लिये बल्लियों उछल गया। लेकिन अगले ही क्षण उनका मन बैठ गया, जब स्वरा ने कहा कि "मुझे वहाँ अनेकानेक लोगों का असीम सम्मान, अपार प्यार एवं अपनापन मिला, जिनमें ऐसे लोग भी शामिल थे, जो कांग्रेसी नहीं थे।

भाजपा, जो इस बात से व्याकुल और हताश है कि अपने-अपने क्षेत्र के बहुत सारे सितारे राहुल गांधी की इस यात्रा में जुड़ रहे हैं, ने दावा किया था कि उसने एक ऐसी ट्वीट खोजी है जो यह सिद्ध करती है कि राहुल गांधी की कांग्रेस इन लोगों को उनकी यात्रा में शामिल होने के लिये बड़ी मात्रा में पैसा दे रही है।

भाजपा ने कहा, बल्कि अशिष्टता-पूर्ण संकेत दिया कि सिने स्टार तो अच्छी खासी धनराशि की खातिर 15 मिनट का कोई भी स्लॉट देने के लिये तैयार हो जाते हैं।

भाजपा के आई.टी. प्रकोष्ठ ने तो

- भाजपा के आई.टी. सैल की बड़ी अटपटी स्थिति हुई इस कथन से, क्योंकि वह बार-बार कह रहा था कि, फिल्मी हस्तियों को भारी राशि दी जा रही है, यात्रा से जुड़ने के लिये।
- आई.टी. सैल ने आत्म रक्षा में कहा, "सिने स्टार तो होते ही हैं झूठे।"

सत्तर वर्षीय कलामर्मज्ञ अमोल पालेकर को भी नहीं बख्शा, जिनका सारी दुनिया सम्मान करती है।

वस्तुतः रिया सेन, पूजा भट्ट, रितेश देशमुख तथा अन्य ऐसी हस्तियों के "लाइक्स" तो राहुल गांधी को काफी पहले ही मिल गये थे लेकिन जब पालेकर यात्रा में शामिल हुये और राहुल की बाँह थामे हुये उनके साथ पैदल चले, तो भाजपा बुरी तरह हड़बड़ा गई।

और इसमें संदेह की कोई गुंजाइश ही नहीं थी कि भाजपा के सभी पूर्व युक्तियों और संकेतों की तरह, उसका प्रस्तावित शोर-शराबा, गीली फुलझड़ी की तरह, निरर्थक साबित हुआ। ऐसा तो होना ही था।

सही बात तो यह है कि बॉलीवुड की किसी भी हस्ती ने भाजपा के किसी भी निराधार आरोप का कोई जवाब नहीं दिया, उसे किसी प्रतिक्रिया लायक नहीं समझा। और इस प्रकार की अग्निपरीक्षा में बॉलीवुड खरा उतरा। यह बात उस समय साफ हो गई, जब टाइम्स टी.वी. पर एक वरिष्ठ महिला पत्रकार ने स्वरा का इन्टरव्यू लिया।

उन्होंने स्वरा से बहुत सारे सवाल पूछे, जैसे वे भारत जोड़ो यात्रा में क्यों शामिल हुई, उनके साथ पैदल चलते हुए उन्होंने क्या देखा, आदि-आदि। उनसे राहुल गांधी के बारे में भी प्रश्न किये गये।

और अन्त में, उस प्रश्न की बारी आई, जो इन्टरव्यू का सबसे अहम प्रश्न था, बल्कि जिसके कारण इन्टरव्यू लिया गया था। उनसे पूछा गया: भाजपा ने कहा है कि यात्रा में शामिल होने के लिये, कई फिल्मी सितारों को कांग्रेस बड़ी धन राशि दे रही है।" स्वरा भास्कर, क्या आपको आपका भुगतान मिल गया?"

स्वरा ने कहा, "हाँ, मुझे बहुत सारे लोगों जिनमें ऐसे भी हैं, जो कांग्रेसी नहीं हैं, का असीमित स्नेह, सम्मान एवं अपनत्व मिला!"

मेरे लिये यह एक पहेली है कि समाचार चैनल ने इन्टरव्यू के लिये स्वरा भास्कर को ही क्यों चुना। शायद इसलिये कि, इन तमाम सेलीब्रिटीज में, वे खुले एवं स्वतंत्र विचारों वाली कलाकार मानी जाती हैं। वे सी.ए.ए. की विरोधी तथा मोदी की नीतियों के खिलाफ हैं। लेकिन सत्य सदैव ही कल्पना/कहानी की अपेक्षा अजनबी/अपरिचित हुआ करता है।

स्वरा ने कहा कि उन्हें पारिश्रमिक मिला, और हवाई अड्डों पर अपरिचित लोगों से अब भी मिल रहा है, जो उन्हें "स्वरा" बने रहने के लिये तथा उन बातों को कह देने के लिये धन्यवाद दे रहे होते हैं, जिन्हें कहने में लोग डरते हैं लेकिन जिन्हें कहा जाना बहुत जरूरी है।

उन्हें "भुगतान मिला", उदाहरण के लिये, कॉफी शॉप पर काम करने वाले खालिद नाम के उस लड़के से, जिसने मुझे एक पत्र दिया और कहा: "आप नहीं जानती कि आप जैसे लोगों के कारण, हम भारत के मुसलमान स्वयं को कितना ज्यादा सुरक्षित महसूस करते हैं।" बस, यही मेरा भुगतान है।"

ये सेलिब्रिटीज राहुल के साथ क्यों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डॉ. पूनिया का राहुल गांधी से दूसरा सवाल

नई दिल्ली/जयपुर 6 दिसम्बर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने भारत जोड़ो यात्रा पर आए राहुल गांधी से दूसरा सवाल किया, उनका पहला सवाल था किसानों की कर्जामाफी कब होगी जो उन्होंने 2018

- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने भारत जोड़ो यात्रा पर राजस्थान आए राहुल गांधी से दूसरा सवाल किया कि, राजस्थान की जनता को अपराधों से मुक्ति कब तक मिलेगी?

में वादा किया था।

उन्होंने राजस्थान शांतिपूर्ण प्रदेश है, लेकिन कांग्रेस सरकार के शासन में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा विवाद हिंसक हुआ

कर्नाटक के वासियों ने महाराष्ट्र से आ रही बसों को रोका, पत्थर बाजी की

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर। भाजपा शासित दो राज्य-कर्नाटक एवं महाराष्ट्र एक बहुत छोटे से भूभाग, बेलागावी को लेकर आपस में लड़ रहे हैं तथा दोनों ही राज्य इस पर अपना दावा जता रहे हैं। मंगलवार को, सीमा के दोनों तरफ दोनों राज्य का झगड़ा जोर पकड़ गया तथा कन्नड़ प्रदर्शनकारियों ने उन बसों और ट्रकों पर पत्थर फैंके, जिनके रजिस्ट्रेशन नम्बर महाराष्ट्र के थे।

इससे पहले कि पुलिस इन कन्नड़ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेती, उन्होंने महाराष्ट्र से आने वाले वाहनों को रोका, तथा उनमें से कुछ को क्षतिग्रस्त

- विवाद छोटे से क्षेत्र बेलागावी से संबंध रखता है। यह क्षेत्र 1960 के दशक में राज्यों की सीमाएं निर्धारित करते हुए, कर्नाटक को दे दिया गया था, हालांकि, इस क्षेत्र की अधिकांश जनसंख्या मराठी है।
- शरद पवार ने धमकी दी कि, अगर महाराष्ट्र के वाहनों को हानि पहुंचाना जारी रहा तो, वो बेलागावी जाकर, आंदोलन का नेतृत्व करेंगे।
- कर्नाटक व महाराष्ट्र दोनों राज्यों में भाजपा की सरकार है।

भी कर दिया। लेकिन अब स्थिति नियन्त्रण में है, जबकि दोनों ही राज्यों के राजनेता एक-दूसरे पर भारी बयानबाजी कर रहे है। तथा बेलगावी पर

अपने-अपने दावों को दोहरा रहे हैं। दरअसल, बेलागावी के अधिकांश लोग मराठी-भाषी हैं, लेकिन 1960 के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

16 दिसम्बर को होंगे हाई कोर्ट बार चुनाव

जयपुर, 6 दिसंबर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने हाईकोर्ट बार के 16 दिसंबर को होने वाले चुनाव का रास्ता साफ कर दिया और इस मामले में चुनाव पर रोक लगाने की मांग करने वाली अपील को खारिज कर दिया है। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस वीके भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश बीसीआई व अधिवक्ता सुमेर

- राजस्थान हाई कोर्ट ने चुनाव रद्द करने की मांग करने वाली बी.सी.आई. की याचिका को खारिज कर दिया।

सिंह ओला की अपील को खारिज करते हुए दिए।

अपील में एकलपीठ के गत 11 अक्टूबर के आदेश को चुनौती दी गई थी। जिसमें एकलपीठ ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव प्रहलाद शर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'तू डाल-डाल मैं पात-पात'

पश्चिमी देशों ने रूस को आर्थिक दृष्टि से बांधने का प्रयास किया, रूसी ऑयल पर "प्राइस कैप" लगाकर, पर रूस ने ऑयल का उत्पादन घटाकर, विश्व की इकॉनमी को असंतुलित करने की धमकी दी

-अंजन राय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर। तेल का वैश्विक बाजार एक महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर रहा है क्योंकि रूस के तेल की कीमत पर यूरोपीय यूनियन (ई.यू.) द्वारा तय की गई सीमा आज से लागू हो रही है। ई.यू. ने रूस के तेल के लिए 60 डॉलर प्रति बैरल की कीमत तय की गई है। तेल की कीमतें करीब 80 डॉलर प्रति बैरल के आसपास हैं और ई.यू. द्वारा तय की गई कीमत वर्तमान कीमतों से अधिक कम नहीं है।

वैश्विक मंदी और सभी देशों की आर्थिक वृद्धि दर से कमी की गंभीर चुनौती के बीच यह कदम विश्व की अर्थव्यवस्था की संभावनाओं को और बिगाड़ सकता है। उभरती (अर्थ व्यवस्था और अन्य कमजोर देश और अधिक गंभीर अनिश्चितताओं का सामना कर सकते हैं।

- "प्राइस कैप" की बातचीत तो कई दिनों से चल रही थी, पर, इस बार सफल होती सी नज़र आ रही है, क्योंकि पश्चिमी देशों ने धमकी दी है कि, अगर कोई देश रूस के प्राइस कैप प्रतिबंध को तोड़ कर ऊंचे दाम पर तेल खरीदेगा तो उसे, ऑयल के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए आवश्यक सुविधाएं, जैसे इंश्यौरैंस, शिपिंग, ब्रोकरेज आदि, उपलब्ध नहीं कराई जायेंगी, जिन पर पश्चिमी देशों का स्वामित्व है।
- पश्चिमी देशों को आशा है कि, इन सुविधाओं के उपलब्ध न होने के भय से, कोई भी देश ऊंचे दाम पर रूस का ऑयल नहीं खरीदेगा, और रूस की आमदनी कम हो जायेगी, तथा रूस के पास यूक्रेन युद्ध चलाने के लिये पैसा नहीं बचेगा।
- पर, यह भी सच है कि, अगर रूस ने अपनी ऑयल की सप्लाई बंद कर दी अन्तर्राष्ट्रीय बाज़ार में तो, ऑयल उद्योग में भूचाल आ जायेगा, तथा ऑयल की कीमत आसमान छूने लगेगी।
- अगर अन्य ऑयल प्रोड्यूसर अपना प्रोडक्शन बढ़ा देते हैं तो यह भूचाल रोका जा सकता है। पर ऐसा होता नज़र नहीं आ रहा, क्योंकि अमेरिका के मित्र सऊदी अरब ने भी अमेरिका के दबाव के बावजूद ऑयल उत्पादन बढ़ाने से साफ इंकार कर दिया है।

यूरोप के कीमत तय करने के परिणामस्वरूप अब कोई भी ई.यू. की तय कीमत से अधिक पर रूस से तेल खरीदेगा। उसे तेल इंश्योरेंस, शिपिंग और ब्रोकरेज जैसी सम्बद्ध सेवाएं और सुविधाएं नहीं नहीं मिल पाएंगी। जो कि ऑयल की ग्लोबल डील का हिस्सा होती हैं। यदि रूस से तय कीमत से अधिक तेल खरीदा जाता है तो इससे अन्य देश के साथ तेल का सौदा एक तरह से असंभव हो जाएगा।

भारत ने घोषणा की है कि वह अपनी ऊर्जा जरूरतें पूरी करने के लिए डिस्काउन्ट रेट पर रूस का तेल खरीदना जारी रखेगा। इसका मतलब होगा कि तेल की खरीद की तय कीमत से कम पर होगी, या भारत को शिपिंग, इंश्योरेंस व अन्य सुविधाएं अपने-आप जुटानी होंगी।

ई.यू. और अमेरिका ने भारत पर दबाव डाला था कि वह रूस से तेल की खरीद में कमी करे। युद्ध की समाप्ति के बाद वर्तमान साल में चीन और भारत रूस के तेल के सबसे बड़े खरीदारों के रूप में उभरे हैं और उन्होंने अपने राजस्व को घाटे में जाने से बचाया है।

यूक्रेन में युद्ध छेड़ने और वहां के नागरिक ठिकानों पर मिसाइल हमले जारी रखने के कारण ई.यू. ने रूस को दण्ड देने के लिए तेल की कीमत तय करना प्रस्तावित किया है। पिछले कुछ समय से रूस के हमलों का केन्द्र बिन्दु यूक्रेन की इलैक्ट्रिसिटी और एनर्जी फैसीलिटीज़ रही हैं। इसका कारण यह है कि वह कड़ाके की ठण्ड के महीनों में यूक्रेन के नागरिकों को दण्डित करना चाहता है।

कीमत नियन्त्रण तेल की ब्रिकी से प्राप्त होने वाली रूस की आय को सीमित कर देगा। रूस अपनी बजट जरूरतों को पूरा करने के लिए तेल की ब्रिकी से प्राप्त होने वाली आय पर पूर्णतया निर्भर है। उसके तेल से प्राप्त राजस्व में भारी कमी होने से उम्मदी है कि इससे यूक्रेन में चल रहे सैन्य अभियान के लिए फण्ड जुटाने और युद्ध के खर्चे वहन करने की रूस की क्षमता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस विधायकों के इस्तीफों पर निर्णय क्यों नहीं?

जयपुर, 6 दिसंबर (का.सं.)। राजस्थान हाइकोर्ट ने कांग्रेस के 91 विधायकों की ओर से दिए इस्तीफों पर निर्णय नहीं करने पर विधानसभा स्पीकर डॉ. सी.पी. जोशी और सचिव को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस वी.के. भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड

- राजस्थान हाई कोर्ट ने विधानसभा स्पीकर डॉ.सी.पी. जोशी और सचिव को नोटिस भेज कर जवाब मांगा।

की जनहित याचिका पर दिए।

याचिका में कहा गया कि कांग्रेस के 91 विधायकों ने गत 25 सितंबर को विधानसभा स्पीकर को अपने इस्तीफे सौंपे थे। इसके बाद 18 अक्टूबर, 19 अक्टूबर, 12 नवंबर और 21 नवंबर को याचिकाकर्ता ने स्पीकर को प्रतिवेदन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

चापलूस आपको हानि पहुंचा कर अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहता है। –हरिऔध

चुनावी बॉण्ड पार्टियों को चंदा देने का लोकप्रिय जरिया बने

गरीबों का देश होते हुए भी भारत में होने वाले चुनाव जबरदस्त महंगे होते हैं। अनुमान लगाया गया है कि पिछले 2019 के लोकसभा आम चुनावों में 55 हजार से 60 हजार करोड़ रुपये चुनाव प्रचार के दौरान खर्च हुए जिससे वे दुनिया के सबसे महंगे चुनाव साबित हुए। मुद्रास्फीति को जोड़ें तो अब होने वाले चुनावों पर खर्च का अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है। चुनाव पर खर्च होने वाला पैसा कहां से आता है इस पर हमेशा चर्चा होती रही है। यह भी किसी से छुपा हुआ नहीं है कि चुनावों में काला धन और बिना हिसाब-किताब वाला पैसा बेतहाशा खर्च होता है। वोट के लिये पैसा बंटता है, सामान बंटता है। पार्टियां कहां से पैसा लाती हैं इस पर हमेशा सवाल उठते रहे हैं। चुनावी खर्च में पारदर्शिता लाने के लिये चुनाव आयोग ने राजनैतिक दलों को मिलने वाले पैसे का हिसाब मांगना ही नहीं शुरू किया बल्कि उसे सार्वजनिक किए जाने की व्यवस्था की। राजनैतिक दलों को मिलने वाला पैसा बैंकिंग चैनल से आये ताकि उसके काला धन होने की गुंजाइश न हो और वह विधिवत हो इसके लिये चुनावी बॉण्ड की व्यवस्था लागू की गई थी। इसके लिए 2017 के वित्त विधेयक में चुनावी बॉण्ड की घोषणा की गई थी तथा 29 जनवरी 2018 को इसकी अधिसूचना जारी कर उसे चलन में ला दिया गया। इसी के चलते राजनैतिक दलों की आमदनी का बड़ा जरिया अब चुनावी बॉण्ड हो गये हैं। देखने की बात यह है कि चुनावी बॉण्ड के जरिए राजनीतिक पार्टियों ने पिछले चार सालों में 10,000 करोड़ रुपये हासिल किये हैं। केंद्रीय वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के मुताबिक तब तक कुल 10,246 करोड़ मूल्य के कुल 18,779 बॉन्ड बेचे जा चुके थे। हिसाब लगाएं तो यह विशाल धनराशि केंद्र सरकार की कई बड़ी योजनाओं के कुल आवंटन के बराबर है। चुनाव सुधारों के लिए काम करने वाले एक गैर-सरकारी संगठन ने पार्टियों द्वारा चुनाव आयोग को दिए गये हलफनामों की जानकारी के आधार पर बताया है कि बीते एक साल में छह राष्ट्रीय राजनैतिक पार्टियों की कुल आमदनी में 2,300 करोड़ रुपये की बढ़त दर्ज की गई है। अब इलेक्टोराल बॉण्ड की नई 24 वीं किश्त पांच दिसंबर से शुरू हो गई है। इसमें कितना पैसा आया यह तो बाद में पता चलेगा। यह भी दिलचस्प बात है कि चुनाव नहीं होने पर भी राजनैतिक दलों को चंदे से कमाई होती रहती है। भारतीय स्टेट बैंक ने आरटीआई के जवाब में बताया कि एक से 10 जुलाई 2022 के बीच अलग-अलग पार्टियों ने 389.5 करोड़ मूल्य के 475 बॉण्ड भुनाये। यह ऐसे समय पर हुआ जब देश में न लोकसभा चुनाव थे और न किसी भी राज्य में विधानसभा चुनाव। अब जब दो राज्यों– गुजरात और हिमाचल प्रदेश में विधान सभा चुनावों के दौरान राजनैतिक दलों को इस तरह मिलने वाला दान कितना बढ़ गया होगा इसका अंदाज लगाया जा सकता है।

चुनावी बॉण्ड की योजना के तहत बॉण्ड पर खरीददार का नाम नहीं होता और उसे केवल राजनैतिक पार्टियां ही भुना सकती हैं। बॉण्ड एक प्रकार के प्रोमिसरी नोट हैं,यानी ये धारक को उतना पैसा देने का वादा करते हैं। बॉण्ड एक हजार, दस हजार, एक लाख, दस लाख और एक करोड़ की राशि में ही खरीदे जा सकते हैं। ये इलेक्टोरल बॉण्ड कोई अकेले, समूह में, कंपनी या फर्म या हिंदू संयुक्त परिवार के नाम पर खरीद सकता है। इन्हें खरीदने वाले का नाम गुप्त रहता है। ये बॉण्ड भुनाने के लिये सिर्फ उन्हीं पार्टियों को चंदे के रूप में दिये जा सकते हैं जो लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत पंजीकृत हैं और जिन्होंने पिछले लोक सभा या विधान सभा चुनावों में कम से कम एक प्रतिशत मत हासिल किए हों। इन बॉण्ड से दानदाताओं को जो गोपनीयता मिलती है, उसका मतलब यह भी है कि मतदाता यह नहीं जान पाते हैं कि किस व्यक्ति, कंपनी या संगठन ने किस पार्टी को और किस हद तक धन दिया है। इसीलिए चुनावी बॉण्ड का विरोध करने वाले विशेषज्ञों और ऐक्टिविस्टों का कहना है कि ये चुनावी फंडिंग में पारदर्शिता बढ़ाने की जगह घटाते हैं। इलेक्टोरल बॉण्ड लाए जाने से पहले, राजनीतिक दलों को उन लोगों का विवरण देना पड़ता था जिन्होंने 20,000 रुपए से अधिक का चन्दा दिया हो। चुनावी केन्द्रीय बजट में चुनावी बॉण्ड योजना की घोषणा में इस बात पर जोर दिया गया था कि इससे राजनीतिक दलों के वित्तीय पोषण और चंदे में पारदर्शिता आएगी। सरकार की दलील थी कि इससे चुनावी फंडिंग में काले धन का इस्तेमाल खत्म होगा और चुनाव लड़ने वाली पार्टी साफ धन का इस्तेमाल कर पायेंगी। सरकार ने इस कदम को क्रांतिकारी करार दिया था। मगर बॉण्ड का विरोध करने वालों का कहना है कि यह व्यवस्था जानने के अधिकार का उल्लंघन करता है और राजनीतिक वर्ग को जवाबदेही से बचाता है। पार्टियां चंदे का जो ब्यौरा चुनाव आयोग को देती हैं उनमें चुनावी बॉण्डसे मिली रकम तो बताती हैं किन्तु वे यह जानकारी नहीं देती कि वह किस व्यक्ति या संस्थान से उनके पास पैसा आया हैं। कुछ गैर सरकारी संस्थाओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिकाऐं दायर कर चुनावी बॉण्ड पर रोक लगाए जाने की मांग की है, लेकिन इन याचिकाओं पर सुनवाई तीन साल से लंबित है।

कई छोटे दलों का कहना है कि आमतौर पर लोग छोटे दलों को नकद में ही चंदा देते हैं और बॉन्ड की योजना की वजह से उन्हें चंदा मिलना कम हो जाएगा या बंद हो जाएगा। जब बजट में सरकार ने प्रति व्यक्ति नकद चन्दा देने की सीमा घटाई तो अधिकतर छोटे दलों ने सवाल उठाया था कि क्या इसका मकसद छोटे दलों को खत्म करना है। उनका तर्क था कि आमतौर पर लोग छोटे दलों को नकद में ही चंदा देते हैं।

सार्वजनिक हुए आंकड़े दिलचस्प तस्वीर सामने रखते हैं। भारतीय जनता पार्टी ने वित्त वर्ष 2019-20 में बिके इलेक्टोरल बॉण्ड के तीन चौथाई हिस्से पर कब्जा किया है। इस वित्त वर्ष में बेचे गए कुल 3,435 के बॉन्ड में से कांग्रेस को मात्र नौ फीसदी ही मिला है। कांग्रेस के खाते में 318 करोड़ रुपए गये। साल 2018-19 में बीजेपी को बॉण्ड के जरिए 1450 करोड़ रुपए मिले थे और कांग्रेस को 383 करोड़ रुपए मिले थे। इसी प्रकार इन बॉण्ड के जरिए बीजेपी की हिस्सेदारी 2017-18 वित्त वर्ष में 21 फीसदी से बढ़कर 2019-20 में 75 फीसदी हो गई है। बीजेपी को 2017-18 में कुल 989 करोड़ रुपए में से 210 करोड़ रुपए और 2019-20 में 3,427 करोड़ रुपए में से 2,555 करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं। बाकी दलों का हाल इस प्रकार है:– राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने बॉण्ड के जरिए 29.25 करोड़ रुपए जुटाए, टीएमसी ने 100.46 करोड़ रुपए, डीएमके ने 45 करोड़ रुपये, शिव सेना ने 41 करोड़ रुपये, आरजेडी ने 2.5 करोड़ रुपये और आम आदमी पार्टी ने 18 करोड़ रुपए बॉण्डके जरिए जुटाए। इस प्रकार हम देखते हैं कि केवल तीन साल के भीतर इलेक्टोरल बॉण्ड ने दानदाताओं को गुमनामी के साथ लगभग सभी प्रमुख राजनीतिक दलों धन देने का प्रमुख विकल्प दिया है। दूसरी तरफ पार्टियों के खर्च की तरफ ध्यान दें तो वहां भी दिलचस्प नज़ारा सामने आता है कि वे आने वाले पैसे को खर्च करने में किफायत बरतती नज़र आती हैं। बीजेपी ने अपनी 2410.08 करोड़ रुपये की आय में से सिर्फ 41.71 प्रतिशत यानी 1005.33 करोड़ रुपये खर्च किए बताए। वहीं कांग्रेस ने अपनी कुल आय में से 51.19 प्रतिशत, तृणमूल कांग्रेस ने महज 5.97 प्रतिशत और सीपीएम ने अपनी कुल आय का 75.43 प्रतिशत खर्च किया। दो विधानसभाओं के वर्तमान चुनावों में हुए खर्च का ब्यौरा आने के बाद ही पता चलेगा कि अब उनके पास कितनी बचत है। यह भी काम दिलचस्प बात नहीं है चुनावी बॉण्ड योजना पर चिंता जताने तथा उसकी कड़ी आलोचना करने वाली राष्ट्रीय पार्टियों ने भी चुनावी बॉण्ड के जरिये चंदा उगाया है। कई छोटे दलों का कहना है कि आमतौर पर लोग छोटे दलों को नकद में ही चंदा देते हैं और बॉन्ड की योजना की वजह से उन्हें चंदा मिलना कम हो जाएगा या बंद हो जाएगा। जब बजट में सरकार ने प्रति व्यक्ति नकद चन्दा देने की सीमा घटाई तो अधिकतर छोटे दलों ने सवाल उठाया था कि क्या इसका मकसद छोटे दलों को खत्म करना है। उनका तर्क था कि आमतौर पर लोग छोटे दलों को नकद में ही चंदा देते हैं। समाजवादी पार्टी, बीएसपी, टीएमसी तथा डीएमके समेत बड़े दल जैसे कांग्रेस और वाम दल अलग-अलग मौकों पर इलेक्टोरल बॉण्ड पर सवाल उठाते रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषक इस बात से सहमत नहीं हैं कि बॉण्ड से राजनीति स्वच्छ होगी। उनका मानना है कि जो भी दल सत्ता में रहेगा, उसके खाते में ही अधिक राशि जाने की संभावना हमेशा बनी रहेगी। राजनीति में चंदा देने वाले अक्सर बड़े कारोबारी, कॉरपोरेट घराने होते हैं, कई बार सरकार बदलने से इस बात की आशंका अधिक बढ़ जाती है कि क्या खास पार्टी को चंदा देने वाले को परेशान किया जा सकता है। राजनीति के जानकारों का कहना है कि हो सकता है कि सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार मोटे चंदे देने वालों पर दबाव डाल सकती है या फिर यह भी संभव है कि उन्हें परेशान भी कर सकती है। मगर यह भी सच है कि भारत के नागरिकों को पता नहीं चलता कि किसने किस पार्टी को कितना पैसा दिया है। पहले यह कानूनी व्यवस्था थी कि कोई कंपनी अपने नेट मुनाफे का साढ़े साथ प्रतिशत हिस्सा तक ही दान कर सकती थी। मगर बाद में सीमा की यह व्यवस्था हटा दी गई। कंपनियों को अपने लाभ और हानि के खातों में अपने राजनीतिक योगदान को प्रकट करने की बाध्यता नहीं है। महात्मा गांधी राजनीति में जो पवित्रता लाए थे वह उनके साथ ही चली गई। जब राजनीति सिर्फ राज करने के लिये रह गई हो तब कोई क्या करे।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

गैंगस्टर ग्रुप्स व माफिया बने शेखावाटी क्षेत्र के युवाओं के लिए अभिशाप

महावीर सिंह

आनंदपाल हत्याकांड व उसके बाद बने माहौल से तथा अब राजू ठेहट की हत्या से विभिन्न समाजों के लोगों को सबक लेना चाहिए। किसी ने हिसाब किताब बराबर के लिए ठेहठ की हत्या कर दी। आनंदपाल सिंह हो, देवा गुर्जर हो या कोई राजू ठेहठ सब एक से गैंगस्टर ही थे। हत्याएं की थी। सबका ऐसे ही अंत हुआ। गैंगस्टर्स अपनी जाति के लिए कोई मैडल नही जीतते हैं। अपितु समाज में बहुत से बच्चों को इस गैंगवार की गंदगी में धकेलते हैं। विभिन्न समाजों के लोग इनको हीरो मानें या समाज के पथभ्रष्टक, वह उनका अपना विवेक है।

गैंगस्टरस लोगों को भय दिखाकर अवैध धंधा करते है। इनको राजनैतिक सरंक्षण भी मिलता रहता है। उपयोग के बाद राजनेता इनको किनारे कर देते है।इसके बाद गैंगस्टर्स बारी-बारी ये आपसी वर्चस्व की लड़ाई में या पुलिस एनकाउंटर्स में निपटते रहते हैं।

विचारणीय प्रश्न यह है कि सीकर, झुंझुनू, चुरू, नागौर-डीडवाना क्षेत्र के किसानों के बेटों को अल्प आयु में अपराध की दुनिया में कोन लोग धकेल रहे है? क्या शराब माफिया, खान माफिया, ड्रग माफिया, डोडा-पोस्त माफिया, जमीन माफिया और इनको शह देने वाले राजनीतिज्ञ शॉर्ट तरीके से धन कमाने का लालच देकर इन निरीह गरीब किसानों के लड़को को इस खेल के रिंग में तो नही उतार रहे हैं?

गैंगस्टर्स की आपसी हत्याओं को लेकर बाजार बंद करवाने जैसे कदमों से बचा जाना चाहिए। वर्तमानं में शादियों का सीजन है। सैंकड़ों शिक्षकों की दशकों की तपस्या से सीकर शैक्षिक नगरी बना है। भय का माहौल शीघ्र खत्म किया जाना चाहिए।

किसी भी समाज के लिए आदर्श साहित्यकार, शिक्षक, लेखक, बुद्धिजीवी, कलाकार, सामाजिक कार्यकर्ता आदि होते है। गैंगस्टरों को आदर्श मानना किसी भी समाज के लिए कलंक समान है।

अगर किसी ने अपराध किया है, हत्या की है तो कानून के मुताबिक सजा मिलनी चाहिए। कानून के मुताबिक हत्यारों को सजा मिले इसके लिए दबाव बनाने के लिए धरना, जुलूस, प्रदर्शन व जनप्रतिनिधियों के माध्यम से सरकार तक अपनी बात पहुंचने के विकल्प मौजूद है।

बाजार बंद करवाना, हिंसा करना, शवों को लेकर बैठना उचित नहीं है। ऐसा करके ही विभिन्न समाजों के लोग गैंगस्टर्स को महिमा मंडित करते है। विभिन्न समाजों ने, अज्ञानतावश, अपराधियों को अपनी-अपनी जाति समुदाय के हिसाब से गैंगस्टर्स को अपना-अपना आइकॉन (हीरो) बना रखे है। पढ़ने वाली उम्र के युवा बच्चे अपने-अपने समाज के हिस्ट्रीशीटर अपराधियों की फोटो अपने मोबाइल में डालकर घूमते है। उनको कोई कहने डांटने वाला क्यों नही कि वे यह क्या कर रहे हो?

उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड के मामले में और ताराचंद कड़वासरा की हत्या में क्या अंतर है? राजस्थान की सरकार ने कन्हैया लाल के मामले में तुरंत कदम उठाते हुए मृतक कन्हैयालाल के दोनों बेटों को सरकारी नौकरी देकर व आर्थिक सहायता देकर परिवार को संभाला था। ताराचंद प्रकरण में भी उसके परिवार के दो योग्य जनों को नौकरी देनी चाहिए। उसके नाबालिग पुत्र, दो पुत्रियों की पढ़ाई की पूर्ण व्यवस्था करना चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता की चुनी हुई सरकार का कोई भी कदम समस्त नागरिकों के लिए बराबर होना चाहिए।

उपरोक्त सारे विचार, विभिन्न समाजों के लोगों ने, लोगों मिडिया पर डाल रखे है। सरकार को निष्पक्ष भाव से उन पर शीघ्रता से विचार करना चाहिए। भूमि विशेषत: शहरी भूमि कानूनों, माइनिंग से जुड़े कानूनों, शराब-डोडा-पोस्त ठेकों का ओर अधिक सरलीकरण कर, इनमें पारदर्शिता लाई जा सकती, अवैध धंदे कम किए जाकर, माफियों का प्रभाव कम किया जा सकता है।

महावीर सिंह,
पूर्व आईएएस

23वें जोधपुर पोलो सीजन की रंगारंग शुरुआत

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के तत्वावधान में महाराजा गजसिंह स्पोर्ट्स फाउण्डेशन पोलो मैदान, एयरफोर्स रोड, पाबूपुरा में आज से शुरु हुए 23वें जोधपुर पोलो सीजन में मंगलवार को उम्मेद भवन पैलेस कप अरीना पोलो (4 गोल) टूर्नामेंट की शुरुआत हुई। रॉयल बग्गी में बैठकर मैदान में पहुंचे मुख्य अतिथि अर्मेनिया व जॉर्जिया के हिज एक्सीलेंसी के.डी. देवल, आईएफएस अम्बेसडर ऑफ इण्डिया ने गेंद फेंककर मैच का शुभारंभ करवाया।

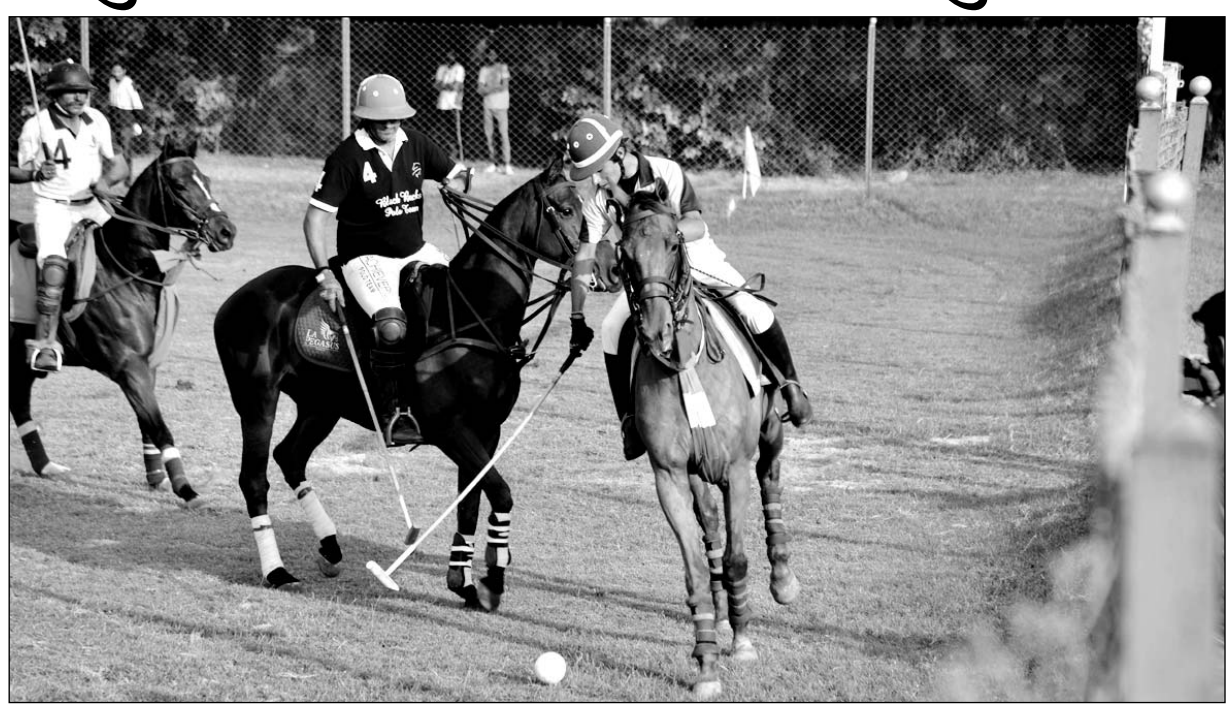

अर्मेनिया व जॉर्जिया के हिज एक्सीलेंसी के.डी. देवल, आईएफएस अम्बेसडर ऑफ इण्डिया ने गेंद फेंककर मैच का शुभारंभ करवाया।

■ **ब्लैक बक्स ने बालसमंद टीम को 11 के मुकाबले 15 गोल कर मैच जीत लिया**

मेहरानगढ बैण्ड व पाईप्स एण्ड ड्रम्स 1 मैक आईएनएफ 1 मद्रास आर्मी बैण्ड की सुमधुर सुर लहरियों के बीच मयूर चौपासनी स्कूल के विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे बैलून हवा में छोडकर 23वें जोधपुर पोलो सीजन की शुरुआत करवायी। मैच समाप्ति पर विजेता टीम के खिलाडियों को कर्नल उम्मेद सिंह ने मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया।

जोधपुर पोलो एवं इस्क्स्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के सचिव जंगजीत सिंह ने बताया कि टूर्नामेंट में आज दोपहर 3 बजे ब्लैक बक्स और बालसमंद के बीच अरीना पोलो मैच खेला गया जिसमें ब्लैक बक्स टीम ने तीन गोल की शुरुआती बढ़त के साथ खेलने मैदान में उतरी बालसमंद टीम को 11 गोल के मुकाबले 15 गोल कर 4 गोल के अन्तर से हराते हुए मैच जीत लिया। ब्लैक बक्स टीम के धनन्जयसिंह ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अकेले 13 गोल किए। साथी खिलाडी विदेशी मूल के एलन शॉन माइकल ने भी तीसरे व चौथे चक्कर में एक-एक गोल किया। मुकाबले में बालसमंद टीम की ओर से खेलते हुए टीम के पेपसिंह भलासरिया ने पहले चक्कर में एक व दूसरे व तीसरे चक्कर में दो-दो गोल किए। साथी खिलाडी मेयो के द्रोण शेखावत ने तीसरे व चौथे चक्कर में एक-एक गोल व मेयो के ही भूमिंजय सिंह ने चौथे चक्कर में एक गोल किया।

मैच के दौरान कर्नल उम्मेद सिंह, कर्नल गिरेन्द्र सिंह दाखां, जगत सिंह, डीएसपी चैनसिंह महेचा, डॉ. महेन्द्रसिंह राठौड, मृगेन्द्रसिंह भाटी, महेद्रपाल सिंह आदि पोलो प्रेमी उपस्थित थे।

भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पी-डॉ. अम्बेड़कर

यादरामसिंह यादव

■ **अमेरिका की कोलम्बिया यूनिवर्सिटी ने डॉ. अम्बेडकर को डॉक्टर ऑफ लाज की उपाधि दी**

भारत के संविधान को लिखने का श्रेय दलित पुत्र डॉ. भीमराव अम्बेडकर को जाता है। ह्यारा संविधान विश्व के सभी संविधानों की प्रमुख विशेषताओं को समेटते हुए नागरिकों को समानता और सह-अस्तित्व की गारण्टी देकर, भारत को प्रभुत्व सम्पन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य घोषित करता है।

24 मार्च, 1946 को आए कैबिनेट मिशन से बाबा साहब के विचार विमर्श के बाद संविधान सभा के लिए डॉ. अम्बेडकर भी निर्वाचित हुए। 29 अगस्त, 1947 को संविधान प्रारूप समिति बनी। जिसके चेयरमैन डॉ. अम्बेडकर को बनाया गया। 3 जून 1946 से संविधान सभा ही भारत की प्रथम संसद बनी।

29 अगस्त, 1947 को संविधान सभा ने स्वतंत्र भारत के संविधान मसौदा निर्माण समिति के नामों की घोषणा कर दी थी। जिसमें कि डॉ. अम्बेडकर को प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाया गया। सदस्यों में सर अल्लादी कृष्णास्वामी, सर बी.एन.राय, श्री सैय्यद एम. सादुल्लाह, सर एन. गोपालस्वामी आयंगर, डॉ. के.एम. मुंशी, सर बी.एल मित्रर तथा श्री डी.पी. खेतान चुने गये। बाद में प्रारूप समिति ने मित्रर की जगह श्री एन माधवराव तथा श्री डी.पी. खेतान की मृत्यु होने से खाली हुए स्थान पर श्री टी.टी. कृष्णामाचारी को चुना। इस प्रकार मसौदा समिति में कुल आठ सदस्य थे।

इसके बाद डॉ. अम्बेडकर भारत के संविधान प्रारूप निर्माण कार्य में पूरी तरह व्यस्त हो गये। 29 अगस्त 1947 से लगातार संविधान निर्माण के महति कार्य को बड़ी लगन, उत्साह एवं बुद्धिमता से दिन-रात करते रहे, तथा 16 फरवरी 1948 तक 171 दिन में संविधान का प्रारूप तैयार कर दिया। संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर 1949 को अन्तिम रूप से स्वीकार कर पास कर दिया गया तथा 26 जनवरी 1950 से लागू किया गया।

भारतीय संविधान की प्रस्तावना में घोषणा की गई है कि 'हम भारत के लोग, भारत को सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी' (42वें संविधान संशोधन 1976 में जोड़ा गया), धर्म निरपेक्ष, लोकतन्त्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतन्त्र प्रतिष्ठा और अवसर की समानता प्राप्त कराने के लिए और उन सभी में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता को सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर आज दिनांक 26 नवम्बर 1949 को इस संविधान को अंगीकृत अधिनियमित और आत्मर्पित करते हैं।

संविधान सभा में बहस का जवाब देने के लिए खड़े बाबा साहब ने कहा मैं केवल दलित जातियों के हितों के लिया आया था। हैरत हुई, जब मुझे संविधान की ड्राफ्टिंग कमेटी का चैयरमैन चुना गया। मैं असमंजस में पड़ गया कि आखिर इतनी बड़ी जिम्मेदारी मुझ पर क्यों डाली जा रही है। इस विचार से मेरा मन चिन्तित है कि क्या भारत की जनता, अपने मत, मजहब या स्वार्थ की अपेक्षा देश को अधिक महत्व देगी।। उन्होंने अपने चालीस मिनिट के सारगर्भित भाषण में भारत की समस्त जनता से स्पष्ट शब्दों में अपील की, कि सच्चे अर्थों में सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक रूप से जाति व्यवस्था को खत्म कर दो।

पूरी संविधान सभा जिसमें प्रधानमंत्री पं. नेहरू भी उपस्थित थे, ने शान्तिपूर्वक सुना और जब भाषण खत्म हुआ तो सभी सदस्यों ने तालियां बजाकर उनका आभार व्यक्त किया। डॉ. अम्बेडकर ने भारत की जनता को सावधान करते हुए कहा कि हम राजनीति में हम समान होंगे, परन्तु सामाजिक व आर्थिक जीवन में असमान होंगे। राजनीति में हम एक व्यक्ति एक वोट तथा इसकी एक वैल्यू को महत्व देंगे परन्तु सामाजिक व आर्थिक जीवन में हम एक व्यक्ति एक वैल्यू को अस्वीकार करेंगे। हमें जितनी जल्दी हो सके हमारी सामाजिक व आर्थिक असमानताओं को खत्म करना है, वरना जो वर्ग विषमताओं व अन्याय के शिकार होंगे वो इस लोकतंत्र रूपी महल को ध्वस्त कर देंगे।

संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्रप्रसाद ने प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. अम्बेडकर के कार्य से प्रभावित होकर संविधान सभा में बोले, डॉ. अम्बेडकर को कानून, समाजशास्त्र तथा आर्थिक क्षेत्रों में हमारे देश के इतिहास, मानव विज्ञान व संसार के संविधानों की उत्पत्ति व विकास के विशाल ज्ञान पर अधिकार है।

सर्वप्रथम संविधान सभा के विशेषज्ञ सर अल्लादी कृष्णास्वामी आयंगर के भाषण की इन पंक्तियों से करना चाहूंगा कि मेरे मित्र डॉ. अम्बेडकर ने जिस योग्यता और कुशलता के साथ संविधान को प्रस्तुत किया और प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने जो अथक परिश्रम किया उनके लिए मेरे मन में बहुत प्रशंसा भाव हैं। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि इतनी लगन, श्रद्धा एवं उत्साह से खराब स्वास्थ्य के बावजूद भी प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. अम्बेडकर ने जो कार्य किया है, उतना इस कमेटी के किसी भी सदस्य ने नहीं किया है। उन्होंने न केवल अपने चयन की सार्थकता को सिद्ध किया है बल्कि इस कार्य में चार चांद लगा दिये हैं। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने इतना कठोर श्रम किया एवं सावधानी बरती है उतनी कोई नहीं कर सकता।

11 जनवरी 1950 को बम्बई दलित जाति फैडरेशन ने डॉ. अम्बेडकर का स्वर्णपात्र में संविधान की प्रति भेंट करते हुए भारी सन्मान किया। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. अम्बेडकर ने कहा कि पिछले 20 सालों से सवर्ण हिन्दुओं तथा कांग्रेसी नेताओं ने मुझे मुस्लिम समर्थक, ब्रिटिश समर्थक तथा हिन्दु धर्म का विनाशक एवं स्वतन्त्रता विरोधी-नेता, कहकर निंदित किया है। मुझे आशा है कि मेरे संविधान के निर्माण कार्य से मुझे वे सही रूप में समझने में समर्थ होंगे।

5 जून 1952 को अमेरिका की कोलम्बिया यूनिवर्सिटी द्वारा संसार के सवोत्तम संविधान निर्माता डॉ. अम्बेडकर को डॉक्टर ऑफ लाज की उपाधि देकर सम्मानित किया गया। अमेरिका वासियों ने इससे पूर्व डॉ. अम्बेडकर को भारत का बुकरिटी-वाशिंगटन का सम्मान प्रदान किया था। डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर ने संविधान निर्माण की जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निभाते हुए सदियों से दलित शोषित वर्ग, जिसकी पीड़ा व दर्द को समझते थे, मानवीय अधिकार संविधान में दिलाये।

बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर को श्रद्धांजलि स्वरूप उनकी आदमकद प्रतिमा "संसद-भवन" नई दिल्ली के प्रांगण मे स्थापित की गयी। वर्ष 1990 में बाबा साहब को राष्ट्र की सेवाओं के लिए 'भारत रत्न' के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से उनके मरणोपरान्त उनकी पत्नी को देकर सम्मानित किया। डॉ. अम्बेडकर द्वारा किये गये देशहित में उनके महान कार्यों को कभी भुलाया ना जा सकेगा। भारत की जनता उनकी हमेशा के लिए ऋणी रहेगी।

यादरामसिंह यादव,
स्वतंत्र लेखक एवं पत्रकार

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 7 दिसम्बर, 2022

मार्गशीष मास, शुक्ल पक्ष, चतुरदशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2079, कृत्तिका नक्षत्र दिन 10:25 तक, सिद्ध योग रात्रि 2:54 तक, वणिज करण प्रात: 8:02 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-वृष, मंगल-वृष, बुध-धनु, गुरू-मीन, शुक्र-धनु, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग दिन 10:25 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग सम्पूर्ण दिन-रात है। भद्रा प्रात: 8:02 से रात्रि 8:50 तक है। आज चतुरथी तिथि में वृद्धि हुई है। आज चान्द पूर्णिमा व्रत, श्री दत्तात्रेय जयन्ती है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:42 तक, शुभ 11:00 से 12:18 तक, चर 2:54 से 4:11 तक, लाभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:07, सूर्यास्त 5:29

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। आवश्यक धन प्राप्ति में विलम्ब हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क
आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

कन्या
धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

कुंभ
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

सार-समाचार

रथ का स्वागत किया

उदयपुर, (कासं)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व की महत्वाकांक्षी रथ यात्रा जनाक्रोश यात्रा के तीसरे दिन उदयपुर ग्रामीण विधानसभा के दीनदयाल उपाध्याय मंडल में आवरी माता मंदिर से शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात आवरी माताजी मंदिर पर चौपाल के बाद यहां से यात्रा शुरू होते हुए सेंट्रल एरिया, गारियावास, पीपली चौक, हनुमान गली होती हुई गायरीयावास पर महिला मोर्चा द्वारा रथ का स्वागत किया गया और चौपाल की गई।चौपाल में महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष कविता जोशी, ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा, यात्रा प्रभारी जिनेंद्र शास्त्री, संयोजक अमृत मेनारिया ने संबोधित किया।उसके बाद यात्रा परशुराम चौराहा होते हुए टेकरी रोड पर पानेरियों की मादड़ी में पानी की टंकी के पास चौपाल की गई। यहां से पानेरियों की मादडी में प्रमुख मार्ग से होते हुए से. 5 गायत्री नगर कच्ची बस्ती सेटेलाइट हॉस्पिटल व से.6 में घूमते हुए हिरणमगरी थाने के पास युवा मोर्चा के द्वारा स्वागत किया गया एवं चौपाल की गई।

किरोड़ीलाल मीणा दिल्ली रवाना

उदयपुर, (कासं)। राज्यसभा सांसद डॉ किरोडी लाल मीना मंगलवार को दिल्ली रवाना हो गए। जहां वे बुधवार से राज्यसभा सांसद में भाग लेंगे। वे रविवार रात उदयपुर पहुंचे थे और सोमवार सुबह वे उदयपुर से सिरोही जिले के शिवंगज में हुई कार्तिक भील की हत्या के के बाद परिवार को न्याय दिलाने के लिए शिवगंज के निकले थे लेकिन उन्हें पिण्डवाडा से 15 किमी पहले मालेरा टोल पर भारी पुलिस बल की मौजूदगी में रोक दिया गया। इसके बाद वे पुनः उदयपुर आ गए और रात्रि विश्राम यहीं किया। आज वे यहां से दिल्ली के लिए रवाना हो गए। इससे पूर्व डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि मुझे सिरोही जाने से पहले टोल नाके पर पुलिस द्वारा रोकना गहलोत सरकार का फेलियर है। उन्होंने कहा कि मैं कार्तिक भील की हत्या के बाद उनके परिवार को न्याय मिले इसमें लिए जा रहा था। इसके साथ ही किरोड़ी ने कहा कि पूरे राजस्थान में जहां कहीं भी दिनदुखी, गरीब, असहाय पर अत्याचार होगा मैं वहां पहुंचूंगा।

प्रो. सारंगदेवोत कमिश्नर मनोनीत

उदयपुर, (कासं)। विश्व जल आयोग स्वीडन ने जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति प्रो. (कर्नल) एस एस सारंगदेवोत को आयोग की भारतीय शाखा का कमिश्नर मनोनीत किया है। प्रो. सारंगदेवोत द्वारा विश्व पर्यावरण और जल संरक्षण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के मद्देनजर विश्व जल आयोग के संस्थापक संरक्षक रमन मैग्सेसे पुरस्कार विजेता वाटरमैन डॉ. राजेंद्र सिंह ने बताया कि प्रो. सारंगदेवोत आने वाले समय में पर्यावरणीय समस्याओं, जल और बदली जलीय परिस्थितियों की दिशा में कार्य करेंगे। आयोग का मुख्य उद्देश्य भावी पीढ़ी के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और सुन्दर प्रकृति की सोच को मूर्त रूप प्रदान करना है। इस दिशा में विद्यापीठ की मेजबानी में 8 से 10 दिसम्बर तक विश्व जल सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन की तैयारियों के मद्देनजर मंगलवार को विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया।

अम्बेडकर की पुण्यतिथि मनाई

उदयपुर, (कासं)। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की पुण्यतिथि के अवसर पर भाजपा शहर जिला उदयपुर द्वारा कोर्ट चौराहा स्थित अंबेडकर जी की प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में विधानसभा नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, भाजपा शहर जिला अध्यक्ष रविंद्र श्रीमाली, जिला महामंत्री मनोज मेघवाल, ओबीसी मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष जगदीश सुथार, ऐसी मोर्चा प्रदेश मंत्री शैलेंद्र चौहान, भाजपा आईटी सेल प्रदेश सह संयोजक तुषार जिंदल, ऐसी मोर्चा जिला अध्यक्ष सत्यनारायण मोची, ऐसी मोर्चा जिला महामंत्री गोपाल सालवी, रोशन वसीटा, श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल अध्यक्ष विजय आहूजा, ऐसी मोर्चा पूर्व जिलाध्यक्ष रमेश जीनगर, प्रहलाद चौहान, बलवंत कुर्डिया, कैलाश निमावत, राजेश गवारिया, कनवर निमावत, अरुण सांवरिया, देवेंद्र परमार, कमलेश परमार, मुकेश जोशी, पार्षद देवेंद्र साहू आदि पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विद्यार्थियों का हिमोग्लोबिन जांचा

बांसवाड़ा, (निसं)।राजकीय आयुर्वेद औषधालय हेल्थ एवं वैलनेस सेंटर पिथापुरा की ओर से राउमावि थापडा में कक्षा दसवीं व ग्यारवी के विद्यार्थियों के लिए हिमोग्लोबिन जांच शिविर लगाया गया। शिविर में 65 छात्र-छात्राओं में रक्ताल्पता की जांच की गई वहीं स्टाफ ने भी अपना हिमोग्लोबिन चेक करवाया। आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ सौरभ गांधी ने बताया कि छात्रों की अपेक्षा छात्राओं में रक्ताल्पता अधिक पाई गई। शरीर में थकान रहना, चेहरे, नाखून और आंखों के रंग में फीकापन, सांस चढना, अनियमित मासिक धर्म रहना, शरीर में दर्द, भूख की कमी, सर दर्द आदि लक्षणों का होना ही शरीर में रक्त अल्पता की स्थिति को दर्शाता है। अतः उन्हें अपनी नियमित आहार में गुड, चना, हरी सब्जियां, ताजे फल, दूध, आंवला ऐसे पदार्थों को सम्मिलित करने की सलाह दी गई।

छात्रों को स्टेशनरी व स्वेटर बांटे

उदयपुर, (कासं)। सद्भाव सेवा फाउण्डेशन के तत्वावधान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चीरवा में संगोष्ठि आयोजित की गई और प्रतिभावन छात्र छात्राओं को स्टेशनरी एवं स्वेटर देकर प्रोत्साहित किया गया। फाउण्डेशन के अध्यक्ष ओम अग्रवाल ने कविताओं, कहानियों के जरिये बच्चों को अच्छे स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए बच्चों को पर्यावरण बचाने के विषय पर जानकारियां दी और बच्चों को स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण बचाने के लिए प्रयास करने हेतु प्रेरित किया। अग्रवाल ने अपने सम्बोधन में बच्चों से कहा कि चीरवा गांव के बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर, अध्यापक, वैज्ञानिक, व्यापारी, किसान बनकर न सिर्फ अपना बल्कि समाज व देश के विकास में अपना योगदान दे सकता है।

भारत लोकतंत्र की जननी, जी-20 देशों को बहुत उम्मीदें'

उदयपुर में जी-20 के ऑपरेशन विशेषाधिकारी मुक्तेश के. परदेशी ने पत्रकारों को संबोधित किया।

उदयपुर, (कासं)। जी-20 के ऑपरेशन विशेषाधिकारी मुक्तेश के. परदेशी ने कहा की जी-20 देशों के अलग-अलग ग्रुप की भारत में 200 से ज्यादा बैठके होंगी। दिल्ली में सितम्बर 2023 में भारत की अध्यक्षता में जी-20 प्राइम मिनिस्टर्स की बैठक होगी। जिससे पहले देश के हर राज्य में विभिन्न वर्किंग ग्रुप की बैठके चलेंगी। जिसका मुख्य उद्देश्य देश की नीति के साथ प्रदेश की संस्कृति को भी बढावा देना है। खास बात ये है कि इसका आगाज उदयपुर शहर से हो चुका है।

मुक्तेश परदेशी मंगलवार को यहां पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 13 से 16 दिसम्बर को डवलपमेंट वर्किंग ग्रुप की मीटिंग मुम्बई में और फाइनेंस ग्रुप की बेंगलुरू में 16 से 18 दिसम्बर तक होगी। इसके अलावा राजस्थान ऐसा प्रदेश होगाए जहां तीन बडे शहरों उदयपुर के बाद जोधपुर व जयपुर में भी इनके अलग-अलग ग्रुप की मीटिंग होगी। जी-20 की मेजबानी फिलहाल इमर्जिंग देशों मिल रही है जिसमें इंडोनेशिया के बाद भारत को मिली है।न्यूजीलैंड और मेक्सिको में भारत के राजदूत रहे परदेशी ने कहा कि जी 20 ऐसे समय हो रहा है जब दुनिया हमारी तरफ देख रही है। उन्होंने बताया की कोविड के समय न्यूजीलैंड का हॉस्पिटिलिटी सेक्टर बुरी तरह चरमरा गया था। वैक्सीन के लिए दुनिया हमारी तरफ देख रही थी।

न्यूजीलैंड में इलेक्ट्रोनिक वोटिंग सिस्टम नहीं है राजदूते रहते समय मुझे लोग पूछते थे कि भारत में ये कैसे संभव हो पाता है। ऐसे में जी20 देशों को भारत से बडी उम्मीद है।परेशी ने कहा की जी-20 देशो में भारत एक बड़ा मुल्क होने के साथ ही लोकतंत्रीय शासन व्यवस्था की जन्मस्थली भी है,यहाँ लोकतंत्र की जड़े मजबूत होने से जी-20 देशो की भारत से अपेक्षाएं भी अधिक है,इसलिए इस सम्मेलन का महत्व बढ़ जाता है।

उन्होंने कहा की जी-20 सम्मेलन एक जन आन्दोलन है,यह केवल डिप्लोमेटिक बैठक तक ही सिमित नही है। इस सम्मलेन के बड सम्मेलन भाग लेने वाले देशो के साथ हमारे रिश्ते और भी प्रगाढ़ होंगे और पर्यटन एवं व्यवसाय को गति मिलने के साथ ही आर्थिक एवं तकनिकी क्षेत्र में भी इजाफा होगा ।परदेशी ने बताया की बैठक में अधिकांश आर्थिक मुद्दों एवं विकास पर परस्पर सामंजस्य-समन्वय पर मंथन हो रहा है। उन्होंने बताया की देश के 20०मुख्य शहरो में यह सम्मेलन होगा, जिसके कारण उन शहरो का जी-20 शहरो में प्रचार ङ्क्तप्रसार होगा और यहाँ के पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इस प्रकार के और भी सम्मेलन देश में प्रस्तावित है जिसके कारण देश को एक नई दिशा मिलेगी।

जी-2० सम्मेलन को लेकर परदेशी ने कहा की इस में भाग ले रहे शेरपा उदयपुर की संस्कृति, स्थापत्य और राजसी आतिथ्य से अभिभूत है। इन सभी शेरपाओ को बुधवार को एतिहासिक कुंभलगढ़ किले और और रणकपुर के प्राचीन जैन मंदिरों की सैर करवाई जायेगी, ताकि वे देख सके की तत्कालीन हिन्दू राजाओ ने अन्य धर्म होने के उपरांत भी जैन धर्म को कितना आदर दिया और जैन मंदिरो का निर्माण करवाकर उनका संरक्षण कर अपनी धर्मिक सहिष्णुता का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि कुंभलगढ़ का किला भी अपनी स्थापत्य कला से शेरपाओ को आकर्षित करेगा।

संदेश यात्रा का किया स्वागत

उदयपुर, (कासं)। भारत सरकार के सांस्कृतिक मंत्रालय के संयोजन से विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी (राजस्थान प्रांत) द्वारा राजस्थान में 5० दिनों की संदेश यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में विवेकानंद संदेश यात्रा का उदयपुर पहुँचने पर आलोक संस्थान, से. 11 मेनरोड़ पर आलोक संस्थान के निदेशक डॉ. प्रदीप कुमावत के नेतृत्व में पुष्प वर्षा व आरती कर स्वागत किया।

सयोजक संजीव भारद्वाज ने बताया कि इस अवसर पर डॉ. प्रदीप कुमावत द्वारा रचित देश की पहली स्वामी विवेकानंद पर आरती का लोकार्पण किया गया।इस आरती को संगीत में संयोजन आलोक संस्थान के मनमोहन भटनागर ने किया। आलोक संस्थान की बालिकाओं द्वारा पुष्प वर्षा एवं सुंदर की प्रस्तुति द्वारा, छात्रों द्वारा बैण्ड द्वारा विवेकानंद यात्रा का स्वागत किया गया। इस अवसर पर डॉ. प्रदीप कुमावत ने सम्बोधित करते हुए कहा कि विवेकानन्द भारतीयता को पाश्चात्य में सही पहचाने दिलाने वाले पहले राजदूत थे। स्वामी विवेकानन्द के जीवन से बहुत कुछ सीखा जा सकता है।

अपहृत बालिका छह घंटे में दस्तयाब, आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। गोगुन्दा थाना पुलिस ने बालिका के अपहरण की सूचना के छह घटे में बालिका को दस्तियाब कर आरोपी को भी गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार पीड़ित राजपूतों का मोहल्ला गोगुन्दा निवासी मुकेश पुत्र सोहनलाल कहार भोई ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि 5 दिसंबर सायं मेरी बच्ची लाजवंती (5) जो मकान के बाहर चौतरे पर खेल रही थी एवं पत्नी मकान में काम कर रही थी। कुछ समय बाद बाहर देखा तो पुत्री के नहीं मिलने पर मुझे जानकारी दी। इस पर उसकी इधर-उधर तलाश की लेकिन पता नहीं चला। इसी दौरान पड़ोसी बच्ची हर्षिता वैष्णव (6) पुत्री पंकज वैष्णव ने लाजवंती को घर के बाहर से उठा कर रावले की तरफ ले जाने की जानकारी दी। इसकी सूचना मिलने पर जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया, पुलिस उप अधीक्षक भुपेन्द्रसिंह के सुपरविजन में गोगुन्दा थानाधिकारी यागेन्द्र व्यास के नेतृत्व में गठित दल ने मिले साक्ष्यों एवं परिजनों से की गई पूछताछ के आधार पर छह घंटे में अपहृत बालिका को दस्तियाब कर परिजनों सुपुर्द किया तथा आरोपी नाईयों का गुडा गोगुन्दा निवासी कालु गाडुलिया लौहार पुत्र खातु गाडुलिया लौहार को गिरफ्तार किया। बालिका को दस्तियाब करने एवं आरोपी को गिरफ्तार करने में कांस्टेबल नन्द किशोर गुर्जर, ओमप्रकाश, विशनोई, ओमप्रकाश चौधरी, रामस्वरूप की विशेष भूमिका रही।

गोगुन्दा थाना पुलिस ने बालिका के अपहरण की सूचना के छह घटे में बालिका को दस्तयाब कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

राजसमंद में केन्द्रीय संचार ब्यूरो की मल्टीमीडिया प्रदर्शनी आज से

उदयपुर, (कासं)। केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय, उदयपुर, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से ०7 से ०9 दिसम्बर तक गायत्री शक्तिपीठ, किशोरनगर (मंडा) राजसमन्द के हॉल में अमृतयात्रा (इंडिया एट 2047) तीन दिवसीय मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है।

केंद्रीय संचार ब्यूरो के सहायक निदेशक रामेश्वर लाल मीणा ने बताया कि केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न लोक-कल्याणकारी योजनाओं पर केंद्रित इस प्रदर्शनी में विभिन्न अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसमें वर्चुअल रियलिटी, मोशन गेम्स, ऑनलाइन क्विज, 360 डिग्री कैमेरा, सेल्फी मिरर आदि के माध्यम से दर्शकों को मनोरंजक और आकर्षक ढंग से विभिन्न योजानाओं की जानकारी दी जाएगी और भविष्य के प्रौद्योगिकी सम्पन्न भारत के दर्शन कराये जाएंगे। मीणा ने बताया कि इस प्रदर्शनी में वर्चुअल रियलिटी के माध्यम से दर्शक नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर अपनी जीवंत उपस्थिति महसूस कर पाएंगे। ऑनलाइन क्विज के माध्यम से दर्शक यहां लगाए गए टैबलेट पर क्विज में भागीदार हो सकते हैं। प्रदर्शनी के विभिन्न जोन में अलग-अलग विषयों और योजनाओं पर जानकारी प्रदर्शित की गई है। हर जोन में एक एलईडी टीवी लगा है, जिस पर उस विषय या योजना से सम्बन्धित फिल्मों का प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा यहाँ लगाए गए कैमरे के माध्यम से 360 डिग्री एंगल में दर्शक अपना वीडियो बना सकते हैं। सेल्फी मिरर के माध्यम से प्रधानमंत्री के साथ अपनी तस्वीर ले सकते हैं। इसके अलावा दर्शक मोशन गेम्स और फिजिकल एक्टिविटी में भी हिस्सा ले सकते हैं। मल्टीमीडिया प्रदर्शनी में आजादी के महानायक, राजस्थान के स्वतंत्रता सेनानी एवं प्रमुख घटनाओं के साथ-साथ एक भारत श्रेष्ठ भारत, महिला सशक्तिकरण, आयुष्मान भारत, भारतीय जनऔषधि परियोजना, स्वच्छ भारत मिशन, फिट इंडिया, अग्निपथ योजना, किसानों से सम्बन्धित योजनाएं, पोषण और मिशन इंद्रधनुष योजना, गतिशक्ति योजना, नयी शिक्षा नीति सहित केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं पर पैनल लगाए गए हैं। इस अवसर पर अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा।

सार-समाचार

ठगी करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के हिरणमगरी थाना पुलिस ने सरकारी नौकरी दिलाने का झासा देकर पीडित सोटवारा मुकन्दगढ जिला झुन्झनू हॉल सेक्टर 4 न्यू विद्यानगर राधाकृष्ण अपार्अमेंट निवासी कुलदीपसिंह पुत्र चौथमल ने रिपोर्ट दी कि वष्र 2019 में बीएसी पूर्ण करने के बाद नौकरी की आवश्यकता होने पर परिचित रायसिंह नगर जिला गंगानगर निवासी जगसीर गिल पुत्र जागीरसिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रायसिंहनगर में लेब टेक्निशियन के पद पर होने व नौकरी दिलाने का विश्वास दिलाया तथा अनेक युवकों को नौकरी दिलाने एवं उनके ज्वाईनिंग लैटर बताए। पीडित को इन्कम टेंक्स विभाग में इन्कमटेक्स इंस्पेक्टर पद के लिए 25 लाख रूपये देने की बात कही। विश्वास कर नकदी दे दी । जगसीर सिंह ने दिल्ली की विजयलक्ष्मी राठी के बारे में बताया तथा अन्य दोस्तों को नौकरी दिलाने के एवज में दो वर्ष में करीब 1 करोड़ 20 लाख रूपये का भुगतान किया। जगसीर सिह गिल व विजय लक्ष्मी राठी, द्रोपदी देवी व अन्य लोगो द्वारा आपस में मिलकर मेरे व मेरे अन्य दोस्तो को अच्छी नौकरी दिलाने का झांसा देकर हम से कुल०1 करोड 20 लाख रुपये हडप लिये। इस मामले में जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर ठाकुर चन्द्रशील, पुलिस उप अधीक्षक शिप्रा राजावत के सुपरविजन में हिरणमगरी थानाधिकारी रामसुमेर मीणा के नेतृत्व में गठित दल ने धोखाधडी के आरोपी खोखरावाली थाना समिचा कोठी श्रीगंगानगर निवासी विजयलक्ष्मी पुत्र हिमताराम राठी, खोखरावाली थाना समिचा कोठी श्रीगंगानगर निवासी द्रोपदी राठी पत्नी विजयलक्ष्मी बी हडसन लेन, गुरू तेग बहादुर नगर, नई दिल्ली निवासी संदीप सिडाणा पुत्र सुरेन्द्रपालसिंह तथा गाग लहरा संगरूर पंजाब निवासी सतगुरूसिंह पुत्र मैजर सिंह को गिरफ्तार किया।

अग्र भागवत कथा 8 से 10 तक

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिला अग्रवाल सम्मेलन संस्थान द्वारा अग्रकुल प्रवर्तक भगवान अग्रसेन जी की उदयपुर संभाग में पहली प्राण प्रतिष्ठा एवं पहली बार अग्र भागवत कथा का त्रिदिवसीय आयोजन 8 से 10 दिसंबर तक अग्रसेन नगर स्थित अग्रसेन भवन में होगी।उदयपुर जिला अग्रवाल सम्मेलन संस्थान के महामंत्री चंचल कुमार अग्रवाल ने बताया कि संभाग की पहली अग्रसेन भगवान की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा एवं पहली बार अग्र भागवत कथा के आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में चल रही है। पश्चिमी राजस्थान अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष श्री के के गुप्ता के सानिध्य में प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रकाश चंद्र अग्रवाल एवं उपाध्यक्ष मदन लाल अग्रवाल के मुख्य संयोजन में जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल के नेतृत्व में इस आयोजन को समस्त अग्र बंधुओं के लिए आयोजित किया जा रहा है।मुख्य संयोजक प्रकाश चंद्र अग्रवाल एवं मदन लाल अग्रवाल ने बताया कि भगवान अग्रसेन जी की प्रतिमा का निर्माण एवं प्राण प्रतिष्ठा अग्रवाल समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति श्री केदारनाथ खेतान ने अपने पूज्य माता पिता की स्मृति में कराया एवं इसकी प्राण प्रतिष्ठा उनके परिवार द्वारा की जा रही है। बुधवार को शाम 4 बजे से 6 बजे तक विद्वान पंडितों के सानिध्य में प्रतिष्ठा पूर्व विभिन्न नवाचारो का आयोजन किया जाएगा तत्पश्चात गुरुवार प्रात 8 बजे से 12.15 बजे तक भगवान अग्रसेन जी की प्रतिमा की भव्य प्राण प्रतिष्ठा अग्रसेन नगर स्थित अग्रवाल भवन में मंदिर परिसर में की जाएगी। इस हेतु श्री अग्रसेन नगर विकास समिति के द्वारा भगवान की स्थापना हेतु परिसर उपलब्ध कराया गया जहां पर मंदिर का निर्माण कर उसमें भगवान अग्रसेन जी की प्रतिमा की प्रतिष्ठा की जाएगी। जिला अग्रवाल सम्मेलन संस्थान के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि गुरुवार को प्रतिष्ठा के पश्चात दोपहर 3 से 4 बजे तक श्री अग्र भागवत कथा के प्रारंभ होने से पूर्व महिला समिति द्वारा भव्य कलश यात्रा अग्रसेन नगर मैं निकाली जाएगी।

शिविर में 15 यूनिट रक्तदान

डूंगरपुर, (निसं)। भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्माण दिवस के उपलक्ष्य में ब्लड बैंक सामान्य चिकित्सालय रक्तदान शिविर में कुल 15 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर आयोजक डॉ. प्रवीण कुमार बैरवा ने बताया कि शिविर का शुभारंभ प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ. महेश पुकार, अधीक्षक डॉ. महेन्द्र डामोर एवं आचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. वंदना सिंघल की उपस्थिति में हुआ। इस शिविर में पूर्व प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. कांतिलाल मेघवाल, डॉ. प्रतीक मीणा, डॉ. प्रवीण कुमार बैरवा, डॉ. ताराचंद ब्राहमि एवं अनिल त्यागी के अलावा मेडिकल कॉलेज में अध्ययनरत छात्रों के द्वारा रक्तदान किया गया। शिविर में डॉ. कल्पेश जैन, नर्सिग अधीक्षक राकेश अहारी, जिला नर्सिग कर्मचारी संघ के अध्यक्ष बंशीलाल कटारा, बच्चूसिंह बैरवा एवं कवित जोशी सहित कर्मचारी मौजूद रहे। शिविर में डॉ. प्रतीक मीणा, ब्लड बैंक पीआरओ पदमेश गांधी, पूनम राठौड, अनिल लबाना, अनिल त्यागी, अंजली पाटीदार, तारा यादव एवं मुकेश बलात द्वारा कार्य सम्पादित किया गया। शिविर में सभी रक्तदाताओं को ब्लड बैंक की और से सम्मान पत्र एवं डॉर्नर कार्ड प्रदान किये गये।

छात्रवृत्ति के आवेदन आमंत्रित

उदयपुर, (कासं)।मुस्लिम समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को रमा मेहता चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से वर्ष 2022-23 के लिए दी जाने वाली छात्रवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। संयोजक जाहिद मोहम्मद मंसूरी ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा इस बार उदयपुर तालीम तरबीयत फाउंडेशन को आवेदन प्राप्त करने के लिए अधिकृत किया है, ऐसे में सभी प्रतिभावान विद्यार्थी निर्धारित प्रारूप में अंतिम तिथि 15 दिसंबर तक आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन के लिए विद्यार्थी को वर्ष 2021-22 की वार्षिक परीक्षा में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने होंगे वहीं परिवार के मुखिया की वार्षिक आय 4 लाख रुपये से कम होनी चाहिए। इसके साथ ही विधवा/परित्यक्ता/तलाकशुदा, विकलांग माता पिता के पुत्र-पुत्री और अनाथ विद्यार्थियों को 6० प्रतिशत से अधिक अंकों से उत्तीर्णता में छूट दी गई है। आवेदक को किसी भी स्कूल-कॉलेज में अध्ययनरत होना अनिवार्य है और आवेदन संबंधित प्राचार्य से अनुशंसित होना चाहिए।

दर निर्धारण बैठक अब 9 को

उदयपुर, (कासं)। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक के निर्देशानुसार में जयसमंद वन्यजीव अभयारण्य में जिप्सी सफारी हेतु वाहनों के पंजीकरण एवं दर निर्धारण बैठक अब 8 दिसंबर के स्थान पर 9 दिसंबर को आयोजित होगी। मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) आर.के.खैरवा ने बताया कि स्थानीय स्टेक होल्डर्स के साथ यह बैठक सुबह 11 बजे चेटक सर्किल स्थित वन भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित की जाएगी। उन्होंने होटल एसोसिएशन, टूरिस्ट गाईड एसोसिएशन व ट्रेवल्स एसोसिएशन के सदस्यों व संबंधित स्टेक होल्डर्स को संशोधित दिनांक अनुसार बैठक में भाग लेने के निर्देश दिए है ताकि आगे की कार्यवाही की जा सके।

बहन से मिलने आए भाई की मौत

उदयपुर, (कासं)। बहन से मिलने आए भाई की अकाल मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार को शंभुपुरा निवासी सुशान्त (60)पुत्र कन्हैयालाल अपनी बहन को मिलने के लिए आया था। जहां उसकी तबीयत खराब होने पर परिजनों ने उसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जहां उसकी मौत हो गई।

जी-20 शेरपा बैठक में परदेशी पावणों पर चला राजस्थानी लोक संगीत का जादू

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में चल रहे चार दिवसीय जी-20 समिट के तीसरे दिन मंगलवार को सिटी पैलेस के माणक चौक पर सम्पूर्ण भारत के प्रमुख शास्त्रीय एवं लोक नृत्य की रंगारंग झलक परदेशी पावणों को प्रस्तुत की गई। 'सर्वेशं भारतः' शीर्षक पर आधारित इस प्रस्तुति के आरम्भ में प्रोजेक्शन मैंपिंग के माध्यम से भारत के विभिन्न पर्यटक स्थलों को रंग बिरंगी लेजर लाईट्स एवं मधुर संगीत के माध्यम से जीवंत किया गया।

भारत के शेरपा अमिताभ कांत ने पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित बेहतरीन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना की और राजस्थान सरकार का धन्यवाद ज्ञापित किया। उल्लेखनीय है कि शेरपा बैठक के मेहमानों को राजस्थान की समृद्ध संस्कृति से रूबरू कराने के उद्देश्य से 4 से 7 दिसम्बर तक पर्यटन विभाग द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए।

इस अवसर पर राजस्थान सरकार की मुख्य सचिव उषा शर्मा और प्रमुख शासन सचिव, पर्यटन विभाग, गायत्री राठौड़ भी उपस्थित रही। सांस्कृतिक कार्यक्रम में राजस्थानी पारम्परिक लोक नृत्य, भारतीय शास्त्रीय एवं लोक नृत्य का जादू चलाते हुए चरी, गैर एवं घूमर के अतिरिक्त तमिलनाडु का भरतनाट्यम, ओडिशा से ओडिसी, गोटीपुआ एवं मयूरभंज छाऊ नृत्य, केरल के मोहिनीअट्टम नृत्य की प्रस्तुति दी गई। इसके बाद कलाकारों द्वारा प्रस्तुत उत्तर प्रदेश के कत्थक नृत्य, मणिपुर का मणिपुरी, आंध्र प्रदेश काकुचिपुड़ी, केरल का कथकली, मणिपुर से पुंग चोलोम, गुजरात के गरबा, पंजाब के भांगड़ा नृत्य ने सभी का मन मोह लिया।

इसी क्रम में अगली प्रस्तुति असम के बगरुम्बा, गुजरात के डांगी, त्रिपुरा के होजागिरी, मध्य प्रदेश के बधाई और कश्मीर के कश्मीरी नृत्य ने सभी को भारत के समृद्ध सांस्कृतिक ताने बाने से सराबोर कर दिया। इसके अलावा राजस्थान के फैशन की भव्यता को पेश किया गया। राजस्थानी टैक्सटाईल की कालातीत निरंतरता के माध्यम से राज्य के लुभावने पारंपरिक एवं समसामयिक पहनावे को बेहद रोचक तरीके से पेश किया गया।

शेरपा बैठक में शामिल होने आए विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने शिल्पग्राम का भ्रमण किया।

- **शिल्पग्राम में शेरपाओं ने उठाया जमकर लुत्फ, कोई बैठा ऊंट पर तो किसी ने किया कच्ची घोड़ी डांस**

जी-20 की बैठकों के दौरान सभी शेरपा मंगलवार देर शाम शिल्पग्राम पहुंचे। सभी शेरपाओं ने शिल्पग्राम की कला संस्कृति का जमकर लुत्फ उठाया। प्रदेश व देश की गौरवशाली नृत्य व संगीत परम्पराओं को प्रदर्शित करती लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों को अन्य देशों से पधारे जी-20 शेरपा एकटक निहारते ही रह गए और मिट्टी व अन्य धातुओं से बनी विभिन्न सजावटी कलाकृतियों को देख अभिभूत हुए। इस दौरान ब्राजील के शेरपा ने कच्छी घोड़ी डांस किया वहीं कई अन्य शेरपा ऊंट पर बैठकर शिल्पग्राम का दौरा करते नजर आए। इस दौरान विदेशी अतिथियों ने यहां के लोक कलाकारों के साथ जमकर फोटो भी खिंचवाएं।

'बायर्स-सेलर्स मीट' का आयोजन

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में आयोजित हो रही जी-20 की प्रथम शेरपा बैठक के अंतर्गत जिले से चयनित उत्पादों के निर्यात प्रोत्साहन हेतु बायर्स-सेलर्स मीट का आयोजन मंगलवार को शिल्पग्राम, उदयपुर में किया गया। भारत सरकार द्वारा व्दम क्पेजतपबज व्दम च्तवकनबज योजना के तहत जिले में मार्बल एवं ग्रेनाइट उत्पाद का चयन किया गया है। इसमें उदयपुर मार्बल प्रोसेसर्स समिति एवं उदयपुर मार्बल एसोसिएषन के उद्यमियों द्वारा 25 स्टॉल पर विभिन्न प्रकार के मार्बल एवं ग्रेनाईट स्टोन एवं आर्टिकल्स का प्रदर्षन किया गया है।

इस अवसर पर जिला उद्योग केन्द्र की महाप्रबंधक मंजु माली ने बताया कि जी-20 कार्यक्रम के सभी शेरपाओं द्वारा प्रमुख मार्बल उद्यमियों से मिलकर मेवाड क्षेत्र से निकलने वाले मार्बल एवं ग्रेनाईट की विषेषताओं एवं मार्बल इनसे बनाए गए कलात्मक आर्टिकल्स एवं निर्यात संबंधी जानकारी ली गई। उन्होंने मार्बल वं ग्रेनाइट स्टोन्स एवं कलात्मक उत्पादों की सराहना की एवं निर्यात की अपार संभावना व्यक्त की।

शेरपाओं ने बताया कि उनके देशों में भारत के मार्बल्स, ग्रेनाइटस, मिनरल्स एवं कलात्मक आर्टिकल्स की बहुत ज्यादा मांग है।

भारतीय स्टेट बैंक State Bank of India

भारतीय स्टेट बैंक
शाखा-बड़ी सादड़ी, जिला-चित्तौड़गढ़, (राज.)

आधिपत्य सूचना परिशिष्ट-IV नियम 8(I) देखें

जबकि, अधोहस्ताक्षरकर्ता, **भारतीय स्टेट बैंक** का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(12) **और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 का सपठित नियम 3** के तहत् प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में ऋणग्रहिता (ऋणी/जमानती/बंधकर्ता) **श्री प्रभु लाल मेनारिया पुत्र श्री रामेश्वर लाल मेनारिया और श्री प्रभु लाल मेनारिया पुत्र श्री रामेश्वर लाल मेनारिया और श्रीमती दयावंती पत्नी श्री प्रभु लाल मेनारिया और श्रीमती कमला बाई पत्नी श्री कन्हैया लाल मेनारिया, अकाउंट नं. 38107456950, 38106998439** को मांगनी करते हुए, मांग सूचना पत्र दिनांकित **13/09/2022 को रूपये 12,94,757/- (बारह लाख चौरानवें हजार सात सौ सत्तावन रुपये) दिनांक 13/09/2022** तक व आगे का ब्याज एवं आकस्मिक खर्च/लागत सूचना-पत्र में उल्लेखित राशि को 60 दिनों के भीतर उक्त सूचना-पत्र की दिनांक/प्राप्ति दिनांक से लौटाने के लिये निर्गमित किया। ऋणग्रहिता (ऋणी/जमानती)के वह राशि लौटाने में विफल होने पर, ऋणग्रहिता को एतद् द्वारा सूचना-पत्र दिया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 की धारा के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) के अन्तर्गत उसको प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में, एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पति का आधिपत्य **दिनांक 01 माह दिसम्बर वर्ष 2022** को ग्रहण कर लिया हैं। "प्रतिभूत आस्तियों के मोचन के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ का ध्यान अधिनियम की 2002 की धारा 13 की उपधारा (8) के उपबंधों की ओर आकृष्ट किया जाता है।" ऋणग्रहिता (ऋणी/जमानती/बंधककर्ता) को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतया एतद् द्वारा संपति के साथ व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और संपति के साथ कोई व्यवहार **रूपयें 12,66,04/- दिनांक 01/12/2022** तक व आगे का ब्याज एवं आकस्मिक खर्चे/लागत के लिये भारतीय स्टेट बैंक के प्रभार के अध्यधीन होगा।

स्थावर सम्पत्ति का विवरण

श्रीमती दयावंती पत्नी श्री प्रभु लाल मेनारिया और श्रीमती कमला बाई पत्नी श्री कन्हैया लाल मेनारिया की आवासीय सम्पत्ति जो कि **आराजी नंबर 388/2, ग्राम कचूमारा, पोस्ट-भाथोली, तहसील-बड़ी सादड़ी, जिला-चित्तौड़गढ़ राजस्थान** में स्थित है। जिसमें भूमि, भवन ढ़ाचा आदि सभी सम्पत्ति के अभिन्न अंग है। **जिसकी माप लगभग 7356 वर्ग फीट है।**

चतु: सीमाऐं:	**पूर्व में :** आराजी नंबर -388/2 एवं रोड	**पश्चिम में :** श्री कमुदम चरण की भूमि
	उत्तर में : नाथू की भूमि	**दक्षिण में :** आराजी अन्य

दिनांक : 01/12/2022
स्थान : कचूमारा, बड़ी सादड़ी, चित्तौड़गढ़

प्राधिकृत अधिकारी
भारतीय स्टेट बैंक

साधु बनकर आए बदमाश ने महिला पर एसिड फैंका

महिला करीब एक किलोमीटर तक दौड़ती हुई घर पहुंची

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र में साधु बनकर आए बदमाश ने महिला पर पहले हमला किया और फिर एसिड फेंक दिया। महिला चिल्लाते हुए करीब 1 किमी तक दौडती हुई घर पहुंची। एसिड से महिला का चेहरा और शरीर का कुछ हिस्सा बुरी तरह झुलस गया। मामला मंगलवार सुबह 10 बजे का बताए जा रहा है।

सहायक पुलिस उपनिरीक्षक शंकरलाल ने बताया कि एसिड अटैक

- बदमाश ने पहले हमला किया फिर एसिड फैंका
- घटना को महिला के खेत पर ही अंजाम दिया है

एसिड अटैक में घायल महिला का अस्पताल में उपचार जारी है।

में 43 साल की जडाव देवी पत्नी शंकर गुर्जर झुलसी है। हॉस्पिटल जाकर महिला का बयान लिया गया है। घटना को महिला के खेत पर ही अंजाम दिया है। खेत उसके घर से करीब एक किलोमीटर दूर गांव से बाहर है। वहां सुबह के समय कोई नहीं था। उस समय महिला पर हमला किया गया। एसिड अटैक के बाद सुनसान रास्ते से चीखते-चिल्लाते हुए महिला गांव पहुंची। गांव के चौराहे पर बैठे ड्राइवर देवीलाल ने महिला को देखा। उसने लोगों और महिला के घरवालों को बुलाया। महिला का पति उसे महात्मा गांधी हॉस्पिटल में ले गया। फिलहाल महिला बर्न वार्ड में भर्ती है। एसिड अटैक क्यों किया गया, इसका कारण अभी सामने नहीं आया है। फिलहाल परिजनों की ओर से भी रिपोर्ट दर्ज नहीं करवाई गई है।

भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर घुसपैठिए को मार गिराया

तलाशी में पाकिस्तानी करेंसी, सिगरेट और माचिस मिली

श्रीगंगानगर, (कासं)। पाकिस्तान से भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश करते घुसपैठिए को बीएसएफ ने मार गिराया। मारने से पहले जवानों ने उसे आवाज लगाकर रूकने को कहा था, लेकिन वह आगे बढ़ता जा रहा था। उसके नहीं रूकने पर जवानों ने फायरिंग कर दी। घुसपैठिए की पहचान नहीं हो पाई है। फिलहाल पाक ने भी शव लेने से इंकार कर दिया है। मामला श्रीगंगानगर के श्रीकरणपुर से सटे बॉर्डर का है।

बीएसएफ जवानों को श्रीकरणपुर के गांव मांझीवाला के पास हरमुख पोस्ट पर घुसपैठिए की एक्टिविटी नजर आई थी। मृतक पाकिस्तान के किस इलाके का था या तारबंदी को पार कर कहां जा रहा था। इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। शव श्रीकरणपुर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। घुसपैठिए की तलाशी में दस रुपए की पाकिस्तानी करेंसी, एक सिगरेट की डिब्बी, एक छोटी रस्सी, माचिस, लाइटर आदि सामान मिला है। बीएसएफ ने इस बारे में पाक रेंजर्स के साथ फ्लेग मीटिंग की थी, लेकिन उन्होंने घुसपैठिया का शव लेने से इनकार कर दिया।

मामले की जानकारी पर बीएसएफ की 77वीं बटालियन के कमांडेंट अशोक कुमार, सैक्टर मुख्यालय से कमांडेंट राजन सूद,गुप्तचर शाखा से डिप्टी कमांडेंट रामसिंह यादव और अन्य अधिकारी जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने मौका देखा और वीडियोग्राफी भी करवाई। इसके बाद अफसर पूरा दिन हरमुख पोस्ट पर डेरा डाले रहे। पुलिस के एएसपी सुरेंद्रसिंह राठौड़ और एसएचओ बलवंतराम भी मौके पर पहुंचे।

रसद विभाग का अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

एसीबी की उदयपुर यूनिट ने आरोपी (गोल घेरे में) को गिरफ्तार किया।

उदयपुर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो उदयपुर इकाई ने निलंबित लाईसेंस की बहाली के एवज में परिवादी से दो हजार रूपये रिश्वत लेते रसद विभाग के अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

- निलम्बित राशन केन्द्र लाईसेंस के बहाली आदेश की कॉपी देने के एवज मे ली रिश्वत

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक भगवानलाल सोनी ने बताया कि एसीबी की स्पेशल यूनिट उदयपुर इकाई को परिवादी ने शिकायत दी कि निलम्बित राशन केन्द्र लाईसेंस के बहाली आदेश की कॉपी देने के एवज में कार्यालय रसद विभाग प्रथम के अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी हिरालाल मेघवाल दो हजार रूपये रिश्वत मांग रहा है। इस पर उदयपुर एसीबी के उपमहानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्र प्रसाद गोयल के सुपरविजन में एसीबी की स्पेशटल यूनिट उदयपुर इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया।

ब्यूरो के पुलिस निरीक्षक आदर्श कुमार के नेतृत्व में गठित दल ने मंगलवार को ट्रेप कार्यवाही करते हुए प्रोविजन स्टोर के सामने शौभागपुरा सुखेर निवासी हॉल जिला रसद विभाग प्रथम के अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी हिरालाल पुत्र केवला मेघवाल को एक हजार रूपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। इससे पूर्व आरोपी ने शिकायत सत्यापन के दौरान परिवादी से एक हजार रूपये वसूल कर लिए थे। ब्यूरो की टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है तथा उसके निवास स्थान पर तलाशी की जा रही है।

पाक बॉर्डर पर छुपे दुश्मन, हैलिकॉप्टर से पहुंचे जवान

बीकानेर, (कासं)। पाकिस्तान बॉर्डर के पास एक गांव पर दुश्मनों का कब्जा। हेलिकॉप्टर से जवानों की टुकड़ी उतरती है, दबे पांव उन घरों तक पहुंचते हैं, जहां दुश्मन छिपे हुए हैं। एक जोरदार बम धमाका और भरभराकर गिरता दरवाजा...। सैनिक अंदर घुसे और पलक झपते ही दुश्मनों को ढेर कर दिया। यह नजारा है भारत और ऑस्ट्रेलिया की सेनाओं के युद्धाभ्यास का। बीकानेर के सब महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में सैनिकों ने जॉइंट ऑपरेशन किया और दुश्मन के कब्जे से गांव को मुक्त कराया।

28 नवंबर से शुरू हुआ युद्धाभ्यास 11 दिसंबर तक चलेगा। दोनों देशों के जवान रेत के धोरों में छिपे दुश्मनों को इंटेलिजेंस की मदद से ढूंढने और उन्हें खत्म करने की प्रैक्टिस कर रहे हैं। इस युद्धाभ्यास को 'ऑस्ट्रो-हिन्द' नाम दिया गया। युद्धाभ्यास में महिला सैनिक भी बढ़-चढ़कर दमखम दिखा रही हैं। महिला सैनिकों ने एक-दूसरे को बताया कि युद्ध के मैदान में किस तरह कहर ढहा सकती हैं। दुश्मन की भनक लगते ही उस पर टूट पड़ने की जो कला ऑस्ट्रेलियाई जवानों ने बताई, वो काफी रोमांचक रही। सामने आए दुश्मन को पलक झपकते ही अपने हाथों से धूल चटाने वाली ऑस्ट्रेलियाई महिला जवानों ने मार्शल आर्ट की यह तकनीक भारतीय महिला सैनिकों को भी सिखाई।

- भारत-ऑस्ट्रेलिया के सैनिकों का युद्धाभ्यास; गांव के लोगों को मुक्त कराया
- ऑस्ट्रेलियाई महिला जवानों ने मार्शल आर्ट की तकनीक भारतीय महिला सैनिकों को भी सिखाई

दुश्मन को मारने के लिए जवान मार्शल आर्ट, कुश्ती जैसे खेल में भी दमखम दिखा रहे हैं। युद्धाभ्यास के दौरान एक्सपर्ट ने युद्ध की नई चुनौतियों और हथियार प्रणाली के बारे में एक-दूसरे को बताया। रेत के समंदर में ऑस्ट्रेलिया की सेना का यह पहला अनुभव है। महिला जवान दिनभर अभ्यास करने के बाद कई तकनीकी जानकारी जुटाने में भी व्यस्त रहीं। युद्धाभ्यास के दौरान सेना को सर्विलांस और इंटेलिजेंस सिस्टम से रूबरू कराया गया। कल्पना की गई कि एक गांव में दुश्मन छिपे हुए हैं। उन्होंने कुछ घरों पर कब्जा कर ग्रामीणों को बंधक बना लिया है। इस पर सेना ने हमले की रणनीति बनाकर ऑपरेशन शुरू किया। दोनों देशों के सैनिकों की टुकड़ी को दुश्मन के इलाके में हेलिकॉप्टर ध्रुव से उतारा गया। दोनों देशों के सैनिकों ने सटीक निशानेबाजी का अभ्यास भी किया। इस दौरान टैंक भी रेत के धोरों में दौड़ते हुए दिखे।

युद्धाभ्यास में दोनों देशों के सैनिक रोजाना सुबह जल्दी उठकर पांच किलोमीटर दौड़ और शारीरिक व्यायाम कर रहे हैं। भारतीय जवानों को ऑस्ट्रेलियाई जवानों ने सिग्नल्स के बारे में भी ट्रेनिंग दी।

कांस्टेबल भर्ती प्रोविजनल चयन सूची जारी

अजमेर, (कासं)। कान्सटेबल भर्ती परीक्षा 2021 में अंतिम रूप से चयनित 30 अभ्यर्थियों की प्रोविजनल चयन सूची जारी की गई है।

जीआरपी पुलिस अधीक्षक पूजा अवाना ने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों को आवश्यक मूल दस्तावेजों तथा दो-दो स्वयं प्रमाणित छायाप्रतियों के साथ 14 दिसम्बर को सुबह 7 बजे जीआरपी लाईन स्वामी कॉम्पलेक्स के सामने कचहरी रोड़ में उपस्थित होना होगा। इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी राजस्थान पुलि स की वेबसाईट, जीआरपी अजमेर कार्यालय के नोटिस बोर्ड अथवा टेलि फोन नम्बर 0145-2627984 से प्राप्त की जा सकती है।

व्यापारी की आंखों में मिर्च डाल 22 लाख रुपये लूटे

बीकानेर, (कासं)। कृषि उपज मंडी से घर लौट रहे मूंगफली व्यापारी की आंखों में मिर्च डालकर एक व्यापारी से 22 लाख रुपए लूट लिए। लिखमादेसर फांटे पर व्यापारी ने अपनी कार के शीशा जैसे ही नीचे किया बाइक पर सवार लुटेरों ने गाड़ी में मिर्च पाउडर फेंक दिया। इससे व्यापारी ने गाड़ी रोकी उसी दौरान लुटेरों में उससे रुपयों से भरा बैग छीन लिया। श्रीडूंगरगढ़ मंडी का व्यापारी भागीरथ नाथ सोमवार शाम को 6.30 बजे दुकान से अपने गांव लिखमादेसर लौट रहा था।

- श्रीडूंगरगढ़ मंडी से लिखमादेसर लौट रहा था व्यापारी

लिखमादेसर फांटे पर लुटेरे उसका इंतजार कर रहे थे। सरदारशहर रोड पर लिखमादेसर फांटे पर दो युवकों ने बाइक गाड़ी के आगे खड़ी कर दी।

भागीरथ ने युवकों से बात करने के लिए ड्राइवर साइड का शीशा नीचे किया तो मिर्च पाउडर भागीरथ की आंखों में फेंक दिया। भागीरथ नाथ कुछ समझ पाता उससे पहले युवकों ने रुपयों का बैग लपक कर गाड़ी से उठा लिया और फरार हो गए। भागीरथ के चिल्लाने पर ग्रामीण उसके पास पहुंचे और उसे लेकर हॉस्पिटल आए। वहां से उसे बीकानेर रैफर कर दिया। लूट की सूचना मिलते ही पुलिस ने लुटेरों को पकड़ने के लिए नाकेबंदी भी की लेकिन रात तक लुटेरे हाथ नहीं आए। श्रीडूंगरगढ़ व लिखमादेसर के बीच 20 किमी की दूरी है। व्यापारी श्रीडूंगरगढ़ से रवाना होने की सूचना लुटेरों के पास पहुंच गई। गिरधारी लाल महिया ने बताया कि कस्बे के व्यापारी सुरक्षित नहीं है और उन्होंने एसपी से गिरफ्तारी की मांग की।

महिला की चेन तोड़ बदमाश फरार

अजमेर, (कास)। अजमेर में डाक देने के बहाने बेल बजाकर महिला को बाहर बुलाने व बाद में गले से सोने की चेन तोड़कर स्कूटर सवार युवक फरार हो गया। महिला के बिजनेसमैन पति ने क्रिश्चयनगंज थाने में मामला दर्ज कराया है। जी ब्लॉक वैशाली नगर अजमेर निवासी रामप्रसाद गुप्ता पुत्र राधेश्याम (68) ने रिपोर्ट देकर बताया कि दोपहर को घर के मैन गेट पर एक लडका, जिसने ब्लू कलर की चैक शर्ट पहन रखी थी व गोल्डन कलर का हेलमेट अपने सिर पर लगा रखा था। वह आया और गेट बजाया तो पत्नी शशि गुप्ता गेट पर गई और पूछा क्या बात है। इस पर उसने डाक देने की बात कही। जब लिफाफा लेकर हस्ताक्षर करने लगी तो पत्नी के गले से सोने की चेन खींच ली और स्कूटर लेकर भाग गया।

उदयपुर के दरबार हॉल में चल रही जी20 प्रेसिडेंसी बैठक में तीसरे दिन समावेशी विकास, बहुपक्षवाद, ईंधन और उर्वरक, पर्यटन तथा संस्कृति और महिलाओं नेतृत्व वाले विकास के मुद्दे मुख्य आकर्षण रहे। भारत के शेरपा अमिताभ कांत ने इन विषयों पर विस्तार से जानकारी दी।

याचिका खारिज

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने उदयपुर स्थाई लोक अदालत को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए आदेश को यथावत रखते हुए बैंक को भुगतान करने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस विजय विश्नोई की अदालत में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की ओर से पेश याचिका पर सुनवाई करते हुए याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने अपने आदेश में माना कि उदयपुर स्थाई लोक अदालत की ओर से जारी आदेश वैध है आदेश में किसी प्रकार की अवैधानिकता नहीं है। प्रतिवादी ने मामले को लेकर उदयपुर स्थाई लोक अदालत में दावा किया, जहां से सुनवाई के बाद 2 मई 2022 को आदेश पारित किया कि बैंक प्रतिवादी को 72,500/- रुपए मय ब्याज 12 फरवरी 2020 से आज तक दो माह में भुगतान करें। कोर्ट ने माना की उदयपुर स्थाई लोक अदालत का आदेश उचित व वैधानिक है।

ममता बनर्जी ने दरगाह जियारत व पुष्कर सरोवर में पूजा-अर्चना की

ममता बनर्जी दरगाह दीवान जैनुअल आबेदीन से मिलने उनके घर पहुंचीं

अजमेर/ पुष्कर/ मदनगंज, (कासं)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने एक दिवसयी दौरे पर मंगलवार सुबह अजमेर पहुंची। सीएम बनर्जी को कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें किशनगढ़ एयरपोर्ट से अजमेर लाया गया। बनर्जी ने सूफी संत ख्वाजा साहब की दरगाह में सूफी परंपरा के अनुरूप दरगाह जियारत कर अकीदत के फूल और मखमली चादर पेश कर देश में अमन, चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। इसके बाद बनर्जी पुष्कर पहुंची, जहां उन्होंने पुष्कर सरोवर में पूजा अर्चना कर ब्रह्मा मंदिर में दर्शन किए। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अजमेर और राजस्थान की मीडिया से पूरी तरह से दूरी बनाए रखी और केवल पश्चिम बंगाल से आए मीडिया कर्मी से ही बातचीत की।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को दरगाह जियारत के समय दरगाह जियारत के दौरान दरगाह कमेटी और अंजुमन संस्था की ओर से उन्हें स्मृति चिन्ह दिए गए। खादिम मुकद्दस मोइनी ने ममता बनर्जी को चुनरी ओढ़ाई और दरगाह का तबरूक के रूप में सोहन हलुआ भेंट किया। जियारत के दौरान मुख्यमंत्री के साथ उनका प्रतिनिधिमंडल सहित कोलकाता नगरीय निकाय के मेयर एवं केबीनेट मंत्री फिरहाद हकीम, दरगाह कमेटी के नाजिम समी अहमद खान, सहायक नाजिम डॉ. मोहम्मद आदिल, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट भावना गर्ग, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विकास सागवान सीआईडी और जिला पुलिस का जाब्ता सुरक्षा के लिए दरगाह के अंदर और बाहर तैनात रहा। इससे पूर्व कलेक्टर अंश दीप और पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट ने किशनगढ़ एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया।

कुछ देर दरगाह में रुकने के बाद बनर्जी गरीब नवाज की दरगाह दीवान जैनुअल आबेदीन से मिलने उनके घर पहुंची। सीएम बनर्जी ने दरगाह दीवान के हालचाल पूछने के साथ ही कई विषयों पर चर्चा की। दरगाह दीवान से मुलाकात के बाद उन्हों मीडिया से बचते हुए सर्किट हाउस में लंच लिया, जहां से कुछ देर विश्राम के बाद वह पुष्कर के लिए रवाना हो गई। किशनगढ़ एयरपोर्ट पर उन्होंने केंद्र सरकार निशाना साधते हुए कहा कि

पुष्कर में ब्रह्मा मंदिर में दर्शन करने के बाद मंहत ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

- तृणमूल के राष्ट्रीय प्रवक्ता की गिरफ्तारी पर केंद्र सरकार पर साधा निशाना
- देश में कम्युनल हरमनी करना है तो दरगाह-पुष्कर जाना जरूरी : बनर्जी

केंद्र सरकार तृणमूल कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को परेशान कर रही है। तृणमूल के राष्ट्रीय प्रवक्ता साकेत गोखले की गिरफ्तारी को लेकर ममता बैनर्जी ने कहा कि वे अपना इलाज कराने के लिए जयपुर आए थे, जहां उन्हें जयपुर एयरपोर्ट पर उतरते ही गुजरात पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और अहमदाबाद ले गई। बनर्जी ने कहा कि गोखले ने मोरबी पुल हादसे पर प्रधानमंत्री के खिलाफ ट्वीट किया था। मोरबी पुल हादसा बड़ा कांड था। उन्होंने घटना की निंदा करते हुए साकेत को पर्याप्त इलाज की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी एक एजेंडे पर काम कर रही है, ऐसे में वह कुछ भी करने को तैयार है । इस तरह की गतिविधियां देश को बर्दाश्त नहीं होगी।

बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल और राजस्थान का अलग ही रिश्ता है। बंगाल में कई आईएएस और आईपीएस राजस्थान के ही रहने वाले है। कम्युनल हरमनी के खिलाफ वह अजमेर दरगाह और ब्रह्मा मंदिर पहुंचकर सांप्रदायिक सौहार्द का संदेश देने पहुंची है।

पुष्कर में उन्होंने सबसे पहले ब्रह्मा मंदिर के दर्शन के किए। सीएम ममता बनर्जी एंट्री प्लाजा मार्ग से ब्रह्मा मंदिर पहुंची। इसके बाद मुख्यमंत्री बनर्जी सरोवर के ब्रह्मघाट पर पहुंची, जहां उन्होंने मंत्रोचार के साथ पुष्कर सरोवर की पूजा अर्चना की। पवित्र सरोवर पर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच उन्होंने पुष्प अर्पित किए। ब्रह्मा मंदिर के गर्भगृह में भी पुजारियों ने उन्हें तिलक लगाकर आशीर्वाद दिया। ममता बनर्जी ने ब्रह्म घाट पर स्थित हवन कुण्ड में प्रज्वलित अग्नि की पूजा करने के उपरांत सरोवर का अभिषेक किया। यहां मंत्रोचारण के साथ स्थानीय पण्डितों ने पूजा सम्पन्न करवाई। घाट पर उपस्थित साधु संतो का भी आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री बनर्जी के पुष्कर यात्रा के दौरान सरोवर के ब्रह्मघाट के बाहर कुछ लोगों ने जय श्रीराम के नारे लगाए।

सांभर में गैस एजेंसी के पीछे पक्षी मृत मिले

सांभरझील, (निसं)। कस्बे में गैस एजेंसी के पीछे स्थित एक खेत के आस-पास विगत कुछ दिनों से पक्षियों के मरने का सिलसिला बना हुआ है। राजकीय शाकंभर महाविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष बाबूलाल यादव ने बताया कि उनके खेत के आस-पास अलग-अलग जगह पर विगत 5 दिनों से विभिन्न प्रजाति के पक्षी मृत पाए गए हैं।

पहले तीतर, कमेडी और अब अन्य प्रजातियों के पक्षियों के मरने से आस-पास के लोगों में चिंता व्याप्त हो रही है। इसकी सूचना कचरोदा स्थित वन विभाग के कार्मिक श्याम शर्मा को दी गई । इस मामले में वन विभाग के कार्मिक का कहना है कि मृत पक्षी किस वजह से मर रहे हैं यह तो सुबह वहां से सैंपल उठाकर इसकी जांच करने के बाद ही पता चल सकेगा। यह पर्टिकुलर

सांभर में गैस एजेंसी के आस-पास कई मृत पक्षी मिले।

किसी एक स्थान पर पाए गए हैं इसलिए हो सकता है कुछ जहरीला दाना पानी इनके खाने पीने में आ गया हो लेकिन अन्य संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

एम बी एम विश्वविद्यालय, जोधपुर

निविदा सूचना संख्या : EAC/03/2022-2023

विश्वविद्यालय परिसर में "Annual maintenance Contract of Civil work of various building (Repair and Renewal) at MBM University, Jodhpur हेतु खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 07.12.2022 से https://sppp.rajasthan.gov.in एवम् विश्वविद्यालय की वेबसाईट https://mbm.ac.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
निविदा प्रपत्र, नियम व शर्तें एवं https://sppp.rajasthan.gov.in एवं विश्वविद्यालय की वेबसाईट https://mbm.ac.in पर देखी जा सकती है।
UBN NO- MBM222WSOB00011
NB CODE. MBM2223A0011

मुख्य अभियंता

लग्जरी होटल और बंगले समेत 16 करोड़ रु. की संपत्ति का मालिक निकला सहायक लेखाधिकारी

सूचना सहायक भी बीएमडब्ल्यू कार-बाइक और करोड़ों की नकदी-ज्वैलरी की मालकिन

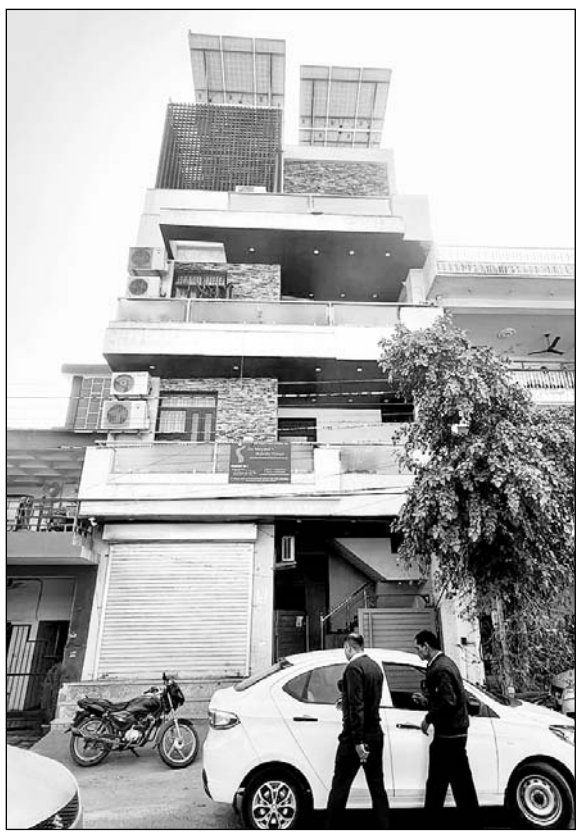

चित्रकूट वैशाली नगर स्थित दीपक गुप्ता का लक्जरी घर।

जयपुर स्थित होटल।

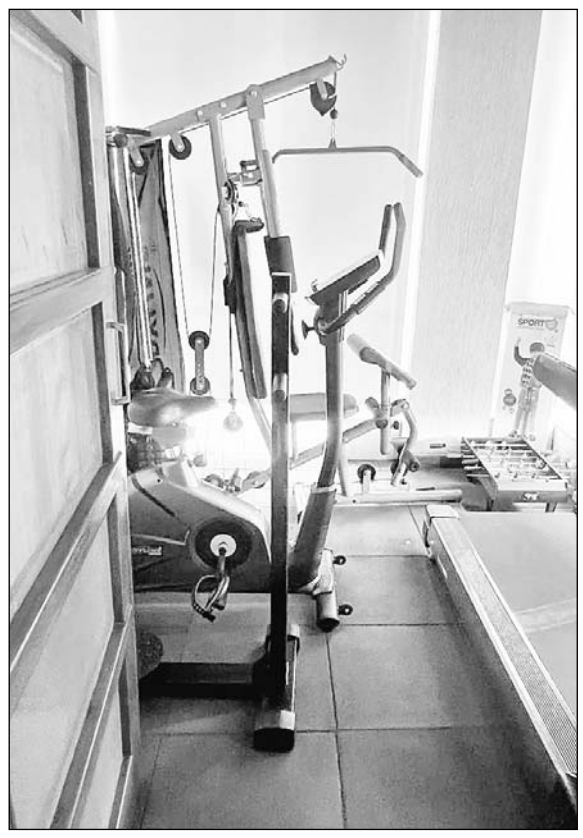

जयपुर स्थित जिम।

घर में बनाया हुआ आलीशान मिनी थियेटर।

प्रतिभा कमल के घर की तलाशी लेते एसीबी अधिकारी।

तलाशी के दौरान मिली सोने की घड़ियां व अन्य आईटम्स।

विदेशी नस्ल के कुत्ते और तोते घर में पाल रखे हैं।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर डिस्कॉम का सहायक लेखाधिकारी दीपक गुप्ता लग्जरी होटल व बंगले समेत 16.31 करोड़ रुपये की संपत्ति का मालिक निकला। मंगलवार को जब भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने उसके घर व होटल समेत पांच ठिकानों पर एक साथ दबिश दी तो यह खुलासा हुआ।

दीपक के वैशाली नगर में चार मंजिला घर पर 4-4 लाख रु. के दो विदेशी डॉग, होटल-बंगले का आलीशान इंटीरियर, दो मंजिला लिफ्ट, एक लाख रु. का अफ्रीकन तोता, महंगा होम थियेटर-मिनी जिम, 14 लाख की नकदी, 1 किलो सोना व 20 किलो चांदी, कई प्लॉट-फ्लैट, 2 सोने की घड़ी, म्युच्यूअल फंड के कागजात बरामद हुए, जो कि उसकी कमाई से 1200 प्रतिशत ज्यादा है। एसीबी के अधिकारी भी जब वैशाली नगर के चित्रकूट स्थित उसके घर पर दबिश देने पहुंचे तो महल जैसा इंटीरियर और आलीशान शान-ओ-शौकत देखकर दंग रह गए। बेशकीमती झूमर और घर के पंखे-लाइट, दरवाजे, 13 एयर कंडीशनर सभी सैंसर से चलते थे। लाईट वाला फव्वारा और महंगे कारपेट देखकर अधिकारियों की आंखें सन्न रह गई।

इसी तरह सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, योजना भवन में कार्यरत सूचना सहायक प्रतिभा कमल के घर समेत 2 ठिकानों पर एसीबी ने दबिश दी। यहां भी करोड़ों रुपये की अघोषित संपत्ति मिली। जिसे करीब साढ़े 6 करोड़ रुपये से ज्यादा माना जा रहा है। प्रतिभा कमल के जयपुर स्थित मकान से 22.90 लाख रु. नकद, 1.3 किलो सोना, 2 किलो चांदी, बीएमडब्ल्यू कार-बाइक समेत चार लग्जरी वाहन, परिजनों के नाम से 11 बैंक खाते, 12 से अधिक बीमा पॉलिसियां, एक-एक ऑफिस व फ्लैट, 7 दुकानें तथा 13 व्यावसायिक और आवासीय भूखंड़ों के कागजात बरामद हुए। इसके अलावा उसके घर और ऑफिस से महंगे लेपटॉप और डेस्कटॉप मिले है। यह कुल संपत्ति प्रतिभा की आय से करीब 1300 प्रतिशत ज्यादा है।

एसीबी महानिदेशक बी. एल. सोनी ने बताया कि एसीबी इंटेलिजेंस इकाई द्वारा डवलप की गई सूचना पर एसीबी जयपुर की यूनिट ने दोनों अधिकारियों के ठिकानों पर यह छापेमार कार्रवाई की। दोनों अधिकारियों के घर व अन्य ठिकानों पर करोड़ों रुपये और अन्य संपत्तियां मिली है, जिसके बारे में पूछताछ की जा रही है।

एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी के निर्देशन में एसीबी की कई टीमें दोनों अधिकारियों के ठिकानों पर छापे मार रही है। फिलहाल दोनों अधिकारियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति रखने का मामला दर्ज कर लिया गया है। दोनों से एसीबी के अधिकारी पूछताछ करने में जुटे हैं।

दीपक गुप्ता

- एसीबी ने जयपुर डिस्कॉम के एएओ दीपक गुप्ता और सूचना सहायक प्रतिभा कमल के घर व अन्य ठिकानों पर छापा मारा
- दीपक के पास 14 लाख की नकदी, एक किलो सोना व 20 किलो चांदी तथा होटल-बंगले, प्लॉट-फ्लैट, म्युच्यूअल फंड समेत 16.31 करोड़ की अघोषित आय उजागर हुई, जो कि उसकी कमाई से 1200 प्रतिशत ज्यादा है।
- प्रतिभा के घर पर 22.90 लाख नकद, 1.3 किलो सोना व 2 किलो चांदी, बीएमडब्ल्यू कार-बाइक समेत चार लग्जरी वाहन, 7 दुकान, फ्लैट-ऑफिस और 13 प्लॉट्स के कागजात बरामद हुए। जो कि उसकी आय से करीब 1300 प्रतिशत ज्यादा है।

प्रदेश में तीन नए करोना संक्रमित मिले मंगलवार को

- यह संक्रमित केवल जयपुर में पाए गए हैं, जबकि अन्य जिलों कोई भी नया मरीज सामने नहीं आया है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में मंगलवार को केवल तीन ही नए करोना संक्रमित मिले हैं। वहीं इस बीच 7 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 55 रह गए हैं। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

प्रदेश में मंगलवार को केवल जयपुर में ही 3 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इनमें सांगानेर इलाके में 1, जबकि दो अन्य का पता गलत मिला है। वहीं आज जयपुर के अलावा किसी भी जिले में नया संक्रमित नहीं पाया गया है। हालांकि इससे पहले सोमवार को अजमेर और राजसमंद में 2 रोगी मिले थे। प्रदेश में आज 4265 जांचे की गई है। उधर राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 7 संक्रमितों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 55 रह गए हैं। राजधानी जयपुर में भी आज 4 मरीजों के रिकवर होने से अब 31 एक्टिव केस बचे हैं। प्रदेश में मंगलवार को भी करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि राज्य में अब तक इस बीमारी से 9653 लोगों की मौत हो चुकी है।

सार-समाचार

'सत्यापन के अभाव में नहीं रुके पेंशन'

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर जिले में सामाजिक सुरक्षा योजना से जुड़ी पेंशन योजनाओं के प्रकरणों का सत्यापन 31 दिसंबर तक होना सुनिश्चित किया जाए, सत्यापन के अभाव में लाभार्थी के पेंशन परिलाभ नहीं रुकने चाहिए। ये कहना है जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित का। मंगलवार को कलक्टर ने वीसी के माध्यम से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। जिसमें उन्होंने अधिकारियों को कहा कि डोर टू डोर संपर्क कर भौतिक सत्यापन करवाया जाए। वीसी में कलक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत आशा सहयोगिनियों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से ई-केवाईसी करवाने और योजना के तहत ज्यादा से ज्यादा लोगों को पंजीकृत करवाने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने उपखण्ड अधिकारियों को जल जीवन मिशन योजना के तहत आ रही समस्याओं के जल्द निस्तारण के लिए निर्देशित किया। इस दौरान कलक्टर राजपुरोहित ने कहा कि घर घर औषधी योजना के तहत 1 जुलाई, 2023 में जयपुर जिले में 22 लाख से ज्यादा पौधारोपण सुनिश्चित किया जाना है इसके लिए आगामी 7 दिनों में पौधारोपण के लिए स्थान चिह्नित किये जाएं। वीसी में कलक्टर ने परित्यक्ता महिलाएं एवं दिव्यांग तथा अन्य वर्गों के पात्र लाभार्थियों को पालनहार योजना से जोड़ने के निर्देश दिये, साथ ही उन्होंने पालनहार योजना के तहत प्रति पंचायत 40 से कम पंजीकरण होने पर विकास अधिकारियों और सीडीपीओ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

रेलवे पटरियों पर मिला युवक का शव

जयपुर (कासं)। गांधी नगर रेलवे स्टेशन परिसर में पटरियों पर युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। युवक का शव मिलने की सूचना पर जीआरपी थाना सीआई सतपाल सिंह मौके पर पहुंचे। युवक की पहचान यूपी देवरिया निवासी राजकुमार के रूप में हुई, लेकिन शव की स्थित देख कर मामला संदिग्ध होने पर पुलिस ने एफएसएल की टीम को मौके पर बुलाया। मौके पर पहुंची एफएसएल की टीम ने क्राइम सीन से ब्लड और मृतक के फिंगर प्रिंट लिए। मृतक के शरीर पर किसी भी प्रकार के चोट के निशान नहीं हैं। शरीर में केवल सिर पर चोट लगी हुई हैं। मौके पर अत्यधिक खून भी नहीं निकला हुआ। जिसके चलते पुलिस को मामला संदिग्ध दिखाई दे रहा हैं। जीआरपी पुलिस ने बताया कि मृतक की जेब से मिले आधार कार्ड पर लिखे पते पर सम्पर्क किया गया हैं। मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दी गई है। उसके परिजन उत्तरप्रदेश से जयपुर के लिए रवाना हो गए है। परिजनों के आने तक शव को एसएमएस मोर्चरी में रखवाया गया है। मामला संदिग्ध लगा है, इसलिए एफएसएल की टीम से भी राय ली जाएगी। शव का पोस्टमार्टम मृतक के परिजनों के आने के बाद मेडिकल बोर्ड से कराया जाएगा। जिससे पता चल सकेगा कि मौत की सही वजह क्या थी। परिजनें से भी इस संबंध में पूछताछ होगी।

सांसद बोहरा ने ली अफसरों की बैठक

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर सांसद रामचरण बोहरा ने आज वन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर जयपुर लोकसभा क्षेत्र में वन विभाग से सम्बंधित विभिन्न मुददो पर चर्चा कर निर्देश दिए। सांसद बोहरा ने जयपुर संसदीय क्षेत्र के मुहाना गाँव मे वन विभाग की 207.0600 हैक्टेयर भूमि पर स्मृति वन की तर्ज पर वन गाँव/सेंचुरी पार्क विकसित करने की अपनी पुरानी माँग को भी दोहराया। बैठक मे उपस्थित भारतीय वन सेवा के अधिकारी (आई.एफ.एस.) कपिल चंद्रावल को सांसद बोहरा ने जयपुर संसदीय क्षेत्र मे वन विभाग से जुड़ी सभी लम्बित परियोजनाओं को समयबध्द रूप से पूर्ण किये जाने के निर्देश दिए।

न्यायिक कर्मियों का सामूहिक अवकाश जारी

जयपुर, (का.सं.)। न्यायिक अधिकारी के घर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सुभाष मेहरा के आत्मदाह से जुड़े मामले में कर्मचारियों का बीते 18 नवंबर से चला आ रहा सामूहिक अवकाश मंगलवार को भी जारी रहा। इस दौरान कर्मचारियों ने कोर्ट परिसर में रेली निकालकर नारेबाजी की। वहीं न्यायिक कर्मचारी संघ के महामंत्री सतबीर सिंह का आमरण अनशन 15 दिन भी जारी रहा। कर्मचारियों ने मंगलवार को सद्बुद्धि यज्ञ किया और सुंदरकांड का पाठ कर दिवंगत कर्मचारी श्रद्धांजलि दी। गौरतलब है कि एनडीपीएस मामलों की विशेष कोर्ट में पदस्थापित कर्मचारी सुभाष मेहरा ने 10 नवंबर को न्यायिक अधिकारी के घर की छत पर आत्मदाह कर लिया था।

झण्डा दिवस पर दी बधाई

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने सशस्त्र सेना झण्डा दिवस (7 दिसम्बर) के अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। राज्यपाल ने इस मौके पर सभी जवानों, पूर्व सैनिकों, उनके परिजनों और समस्त देश-प्रदेश वासियों को बधाई दी है।

18 साल से अधिक आयु वालों का मतदाता सूची में नाम सुनिश्चित हो : राजोरिया

जयपुर, (का.सं.)। मतदाता लोकतंत्र का सबसे मजबूत स्तंभ है इसलिए हर एक पात्र व्यक्ति का मतदाता सूची में नाम अनिवार्य रूप से पंजीकृत होना चाहिए। ये कहना है जयपुर संभाग की रोल ऑब्जर्वर एवं राजफैड की प्रबंध निदेशक उर्मिला राजोरिया का। राजोरिया ने मंगलवार को जयपुर जिले के सिविल लाइन्स, मालवीय नगर और सांगानेर विधानसभा क्षेत्रों का दौरा किया।

इस दौरान राजोरिया ने विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा की। उन्होंने बूथ पर बीएलओ को समस्त प्रकार के लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण करने और हर पात्र नागरिक का मतदाता सूची में नाम सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। राजोरिया ने बीएलओ को मुख्य रूप से युवा मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करवाने के निर्देश दिये।

एम.एल.मेहता मेमोरियल ओरेशन आज

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान सरकार के पूर्व मुख्य सचिव एवं प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता, स्वर्गीय एम.एल. मेहता को श्रद्धांजलि के तौर पर 7 दिसंबर को एम. एल. मेहता मेमोरियल ओरेशन का आयोजन किया जा रहा है। एम.एल. मेहता मेमोरियल फाउंडेशन की ओर से एचसीएमआरआईपीए, जयपुर में आयोजित किया जाने वाला यह आठवां ओरेशन है।

संजय बाजार में साप्ताहिक हाट बाजार के लिए लाईसेंस की जानकारी मांगी

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि संजय बाजार में लगने वाले साप्ताहिक हाटबाजार के लिए क्या फुटकर दुकानदारों को लाईसेंस जारी किया गया है। इसके अलावा यहां अतिक्रमध और वर्षों से लंबित डक्टिंग प्रोजेक्ट के लिए क्या किया जा रहा है। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश संजय बाजार व्यापार विकास समिति की याचिका पर दिए। इसके साथ ही अदालत ने मामले में हाटबाजार दुकानदारों के संगठन को मामले में इंटरवीनर बना लिया है।

समिति की ओर से अदालत को बताया गया कि संजय बाजार की स्थापना करीब पांच दशक पहले की गई थी। यहां अवैध साप्ताहिक हाटबाजार लगाने के चलते स्थानीय दुकानदारों को परेशानी होती है। वहीं अतिक्रमण होने के चलते चारदीवारी में होने के बावजूद भी यह बाजार पिछड़ा हुआ है। समिति के अधिवक्ता विमल चौधरी ने कहा कि पूर्व न्यायाधीश वीएस दवे और न्यायाधीश इंद्रसेन इसरानी की कमेटी ने बाजार के विकास के लिए डटिंग प्रोजेक्ट तैयार किया गया था, लेकिन इस पर अब तक भी काम शुरू नहीं हुआ है। बाजार में लोगों की ओर से खरीदी गई बेशकीमती दुकाने के लिए अब ग्राहक तक नहीं मिल रहे हैं। वहीं फुटकर दुकानदारों की ओर से कहा राज्य सरकार ने स्ट्रीट वेंडर्स के लिए कानून बनाकर उनके हिक सुरक्षित किए हैं। याचिकाकर्ता ने अधूरे तथ्यों के साथ जनहित याचिका दायर की है। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने इस संबंध में राज्य सरकार से जानकारी मांगी है।

भाजपा जन आक्रोश यात्रा 18 हजार किलोमीटर से अधिक दूरी तय कर चुकी : राजेन्द्र राठौड़

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेश कार्यालय पर उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि भाजपा द्वारा जन आक्रोश यात्रा राजस्थान के सभी जिलों और 200 विधानसभाओं में गांव, ढाणी व शहरों में चौपाल व नुक्कड़, यात्रा एवं सभाओं के माध्यम से जनता की आवाज बनकर कांग्रेस सरकार के चार वर्ष के कुशासन के बारे में आमजन भागीदारी निभा रहे हैं व सरकार के खिलाफ आक्रोश है। भाजपा की जन आक्रोश यात्रा 18 हजार किलोमीटर से अधिक दूरी तय कर चुकी है, शिकायत पेटिका में कांग्रेस सरकार के खिलाफ 28 हजार से ज्यादा शिकायतें आमजन से मिली है।

राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान में चल रही कांग्रेस को जोड़ नहीं पाएगी। यह जन आक्रोश यात्रा सूक्ष्म स्तर पर चल रही है, जिसका लक्ष्य राजस्थान के दो करोड़ लोगों तक पहुंचने का है। आज राजस्थान की इस दुर्दशा के लिए उत्तरदायी गहलोत सरकार है। दूसरी ओर नकली हिंदुत्व की बात करने वाले राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान में कांग्रेस जोडो की कृत्रिम यात्रा बनती जा रही है। राजस्थान में राहुल गांधी की यात्रा जिन जिलों से गुजर रही है सिर्फ वही पर नई सड़कें, बिजली व पानी का प्रबंध इत्यादि कार्य किए जा रहे हैं और बड़े-बड़े मैदानों के समतल और अथाह सरकारी धन का दुरूपयोग कर सजाया जा रहा है, मेरा मुख्यमंत्री से प्रश्न है ये सारा पैसा कहां से आ रहा है। जहां से राहुल गांधी की यात्रा गुजर रही है उन जिलो क्षेत्रों की पूर्ति के लिए दूसरो जिलो की बिजली की आपूर्ति को रोक राहुल गांधी की यात्रा मार्ग में पडने वाले जिलों के स्थानों की पूर्ति की जा रही है।

- 'इस दौरान कांग्रेस सरकार के खिलाफ 28 हजार से ज्यादा शिकायतें मिल चुकी हैं'
- 4 सालों के कुशासन को राहुल के सामने ले जाने वाले आमजन को किया जा रहा है गिरफ्तार : जितेन्द्र गौठवाल

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र में बेरोज़गारों को रोजगार देने का वादा किया इन युवाओं को रोजगार देना तो दूर बल्कि आज लगभग 32 लाख बेरोजगार युवाओं को गहलोत सरकार से रोजगार की आशा है तथा संविदाकर्मियों को नियमित करने का वादा किया वर्तमान में संविदाकर्मियों द्वारा नियमित करने को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। राठौड़ ने कहा कि आज राजस्थान में अपराध और अपराधी दोनों बेकाबू हो गए हैं, इसकी बानगी राजस्थान के सीकर जिले में एक बेटी को अपने पिता की हत्या होने पर भरे बजार में जमीन पर सिर रखकर रोने को मजबूर हुए। राठौड ने कहा कि राजस्थान की इस भष्ट सरकार को उखाड फेंकने के संकल्प के साथ भारतीय जनता पार्टी जन आक्रोश यात्रा निकाल रही है, जिसके परिणाम स्वरूप आक्रोश यात्रा शिकायत पेटिका में लगभग 28 हजार शिकायते मात्र 2 दिनों में लोगों ने डाली है मात्र दो दिनों में इतनी शिकायतों का आना निश्चित रूप से दर्शताा है कि 2023 में भाजपा की तीन चौथाई बहुमत के साथ सरकार बनेगी।

वही भाजपा प्रदेश मंत्री एवं पूर्व संसदीय सचिव जितेन्द्र गौठवाल नें प्रेस वार्ता में कहा कि कांग्रेस की भारत जोडो यात्रा प्रदेश सरकार द्वारा जनता की आवाज को बलपूर्वक दबाया जा रहा है, आम जनता सवाईमाधोपुर जिले में हो रहे कुशासन की शिकायत राहुल गांधी से करना चाह रही है लेकिन प्रदेश सरकार द्वारा लोगों को चिन्हित कर उनकी गिरफतारी की जा रही है। ऐसा राज्य सरकार इसिलिए कर रही है यदि आम जनता राहुल के सामने शिकायत लेकर गए तो गहलोत सरकार के 4 सालों के कुशासन की पोल खुल जाएगी।

सार-समाचार

जुआ खेलते 14 डिटेन, नकदी जब्त

बांसवाड़ा, (निसं)।पुलिस थाना राजतालाब ने खाटवाडा क्षेत्र में मुखबीर की सूचना पर एक मकान में ताश के पत्तों पर जुआ खेलने वाले 14 लोगों को डिटेन कर 54 हजार 800 रुपये जब्त किये हैं। थानाधिकारी रामरुप मीणा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना के निर्देशानुसार शहर में अवैध रुप से जुआ-सट्टा खेलने वालों के खिलाफ विशेष अभियान के तहत कार्यवाही की जा रही है। थानाधिकारी ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि मोईनुद्दीन उर्फ बापु निवासी गौरख ईमली के खाटवाडा स्थित मकान में दस-पन्द्रह लोग ताश के पत्तों से जुआ खेल रहे हैं। सूचना विश्वसीय होने पर थानाधिकारी जाप्ते के साथ जिसमें हेड कांस्टेबल, नेपाल सिंह, हेड कांस्टेबल विशाल सिंह, कांस्टेबल कृष्णपाल सिंह, योगेन्द्र सिंह, इन्द्रजीत सिंह,शंकरलाल,शैलेन्द्र सिंह, जयवर्धन सिंह, जयंतीलाल, महिला कांस्टेबल रोहिणी, डिम्पल, चालक कांस्टेबल गोविन्द तथा डीएसटी जाप्ते के हैड कांस्टेबल रमेश, आबिद खान, कांस्टेबल महेन्द्र, बदेसिंह, नरेश व किशनलाल ने बीती रात लगभग तीन बजे मकान को घेरकर दरवाजा खुलवाया तो 13 लोग ताश के पत्तों पर रुपये का दाव लगाकर जुआ खेलते मिले। पुलिस ने ताश के पत्ते एवं 54 हजार 8०० रुपये जब्त किये तथा 13 आरोपियों तथा मकान मालिक के विरुद्ध कार्यवाही की। अग्रीम जांच सहायक उपनिरीक्षक नटवरलाल कर रहे हैं।

डोडा चूरा व शराब सहित चालक पकड़ा

डूंगरपुर, (निसं)। अवैध शराब और मादक पदार्थ डोडा चुरा तस्करी के खिलाफ बिछीवाडा थाना पुलिस की बडी कार्यवाही की। ट्रक ट्रेलर में भरकर 3 लाख का डोडा चूरा और 50 हजार की अंग्रेजी शराब के साथ चालक को गिरफ्तार कर लिया है। थाना अधिकारी बिछीवाडा ने बताया कि सोमवार शाम को गुजरात चुनाव के मद्देनजर गुजरात सीमा पर स्थित रतनपुर चौकी पुलिस ने नाकेबंदी के दौरान एक ट्रक ट्रेलर को रोक चालक से ट्रेलर में सामान के बारे में पूछताछ की मुखबीर सूचना के अनुसार इसी ट्रक ट्रेलर से भारी मात्रा में मादक पदार्थ और अंग्रेजी शराब तस्करी की जाने की सूचना होने पर ट्रक ट्रेलर की गहनता से तलाशी ली गई जिसमें ट्रेलर में सफेद पाउडर से भरे कट्टे नजर आए और उन कट्टों को हटाकर देखा तो उसके नीचे अंग्रेजी शराब से भरी बोतलों के 6 कार्टून नजर आए साथ काले और सफेद कट्टो में डोडा चुरा भरा पाया गया। चालक से मौके पर पूछताछ में चालक ने अपना नाम मंगलाराम नाई निवासी सदर थाना जिला बाडमेर होना बताया। पुलिस ने 14० किलो डोडा चुरा और 6 कार्टून अंग्रेजी शराब कब्जे में लेकर चालक के खिलाफ आवश्यक कानूनी धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और पुलिस मामले की जाँच में जुट गई है।

जिला कलेक्टर ने की समीक्षा

डूंगरपुर, (निसं)। जिला कलक्टर लक्ष्मीनारायण मंत्री ने मंगलवार को मिशन बुलंदी, पढेंगा डूंगरपुर. बोलेगा डूंगरपुर-बढेगा डूंगरपुर, नवाचार प्रोजेक्ट की ईडीपी सभागार में शिक्षा विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा की। उन्होंने पूर्व प्रोजेक्ट में नव समायोजन करते हुए पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि इस नवाचार का मुख्य उद्देश्य बच्चों में पढने के प्रति जिज्ञासाए अभिव्यक्ति कौशल विकास,विश्लेषणात्मक प्रवृत्ति का विकास के साथ-साथ सर्वांगीण विकास करना है। उन्होंने कहां कि वर्तमान समय में बच्चों में पुस्तकों को पढने की प्रवृत्ति कम होती जा रही हैए बच्चों में जिज्ञासु प्रवृत्ति उत्पन्न हो इसके लिए आवश्यक है कि वह अपनी रुचि की पुस्तकें अधिक से अधिक पढें। साथ ही उस ज्ञानार्जन का विश्लेषण करने तथा उसको अभिव्यक्त करने का कौशल भी विकसित होना आवश्यक है। ऐसे में मिशन बुलंदी को आधार बनाकर बच्चों के विकास के लिए इस नवाचार को पूरी टीम के साथ ऊर्जा और सकारात्मकता से क्रियान्वयन किया जाएगा।

होमगार्ड स्थापना दिवस मनाया

डूंगरपुर, (निसं)। होमगॉर्ड स्थापना दिवस के उपलक्ष में मंगलवार को गृह रक्षा प्रशिक्षण केंद्र, डूंगरपुर स्थापना दिवस बडे हर्षोल्लास के साथ मनाया समादेष्टा राजेंद्र कुमार जांगिड ने झंडा फहराया गया। सलामी ली और प्लाटून द्वारा सलामी दी गई। तत्पश्चात समादेष्टा द्वारा राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री, गृहमंत्री एवँ अन्य का पत्र वाचन किया। महिला-पुरुष सदस्यों द्वारा पारम्परिक वेशभूषा मे रंगा रंग प्रस्तुति प्रदर्शित की। पारम्परिक गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किए। पारम्परिक वेशभूषा की प्रतियोगिता रखी गई। सबसे भिन्न वेशभूषा में शंकरलाल को प्रशंसा पत्र दियाए रक्त दाताओं को भी प्रशंसा पत्र दिया गया। कानून व्यवस्था ड्यूटी में दीपक शर्मा, सादेकिन जमान को प्रशंसा पत्र दिया गया। टर्न आउट में गोपालसिंह, श्रीमती मीना एवं श्रीमती सरला को भी प्रशंसा पत्र दिया गया। कार्यक्रम की समाप्ति पर कार्यालय द्वारा अल्पाहार वितरित किया गया। ललितसिंह द्वारा स्वैच्छा से अपनी ओर से भी अल्पाहार वितरित किया। पीसी रणछोड लाल कटारा द्वारा आभार प्रकट किया एवं राहुल कलासुआ द्वारा धन्यवाद दिया।

शिविर में 21 यूनिट रक्तदान

डूंगरपुर, (निसं)। लॉयन्स क्लब डूंगरपुर एवं एचडीएफसी बैंक ने संयोजन में जनरल हॉस्पीटल, डूंगरपुर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में कुल 21 यूनिट रक्तदान हुआ। यह कार्यक्रम ब्लड बैंक से डॉ. वंदना सिंगल व डॉ. प्रतीक मीणा की देखरेख में किया गया। जिसमें लॉयन्स क्लब से विवेक दोशी, दीपक जैन, रोशन दोशी, सिद्धार्थ मेहता, डॉ. कल्पेश जैन, अभिषेक पंचाल आदि सदस्य एवं एचडीएफसी बैंक से दीपक वसीटा, पुष्पेंद्र सिंह झाला, जीतेंद्र पटेल, प्रकाश यादव वह टीम उपस्थित रहे।

अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, 34 जने घायल

कानोड़/उदयपुर (निसं)। खेड़ी के पास अनियंत्रित होकर टैक्टर ट्रॉली पलटी खा गया जिसमें सवार होकर सामाजिक कार्यक्रम भाग लेने जा रहे महिला पुरुष, बच्चे व बुजुर्ग 34 जने घायल हो गये। 7 गम्भीर घायलों का उदयपुर रेफर किया गया तो वहीं अन्य 27 घायलों का कानोड़ सीएचसी में उपचार किया गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घोड़ो का खेड़ा निवासी सभी

■ **कानोड़ के निकट खेड़ी चौराहा के पास हुआ हादसा**

लोग खाना खेड़ा बलीचा में एक सामाजिक कार्यकम में शामिल होने के लिये रवाना हुए थे जो की आकोला ग्राम पचायत के खेड़ी गांव के पास सड़क पर टैक्टूर अनियंत्रित होकर पलटी खा गया जिससे उसमें सवार महिला पुरुष,बच्चे व बुजुर्ग घायल हो गये घटना की सूचना मिलते ही हेड कांस्टेबल लक्ष्मण लाल मय जाब्ता पुलिस मौके पर पहुंची तथा घायलों को कानोड़ सीएचसी में 108 व निजी वाहनों से लाया गया जहां पर चिकित्सा

घायलों का कानोड़ सीएचसी में उपचार किया गया।

टीम ने उपचार किया गया। सात घायलों को उदयपुर रेफर किया गया तथा अन्य घायलो का कानोड़ सीएचसी में उपचार हुआ। वहीं कानोड़ पुलिस ने टैक्टूर ट्रॉली को मौके से कानोड थाने लाया गया तथा डाईवर मौके से घटना के बाद फरार हो गया।घटना की जानकारी मिलने पर तहसीलदार योगेष वैष्णव, डिप्टी रविन्द्र प्रताप सिंह, भीण्डर थानाधिकारी मुकेश कुमार सहित पुलिस व प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थन का जायजा लेकर सीएचसी में घायलों से मिले तथा रिपोर्ट बनाकर उच्चाधिकारीयो को भेजी गई जिससे घायलो को आर्थिक सहायता मिल सके। उदयपुर जिला कलेक्टर ने भी चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को घायलों का जल्द इलाज करने तथा उदयपुर रेफर हुए घायलों के उपचार के लिये जिला मुख्यालय पर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

एसडीआरएफ जवानों को मिला जल पुलिस का अनूठा अनुभव

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में आयोजित हो रहे जी-20 शेरपा सम्मेलन में एस.डी.आर.एफ. राजस्थान की रेस्क्यू टीमें देश-विदेश के गणमान्य अतिविशिष्ट व्यक्तियों एवं शेरपाओं के पिछोला झील स्थित होटलों में आयोजित विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय बौद्धिक कार्यक्रमों के दौरान वी.वी.आई.पी. सिक्यूरिटी को ध्यान में रखते हुए आकस्मिक आपदा राहत एवं बचाव कार्या हेतु कम्पनी कमाण्डर राकेश कुमार के नेतृत्व में मुस्तैदी से 8-8 घंटे की तीन-तीन पारियों में डयूटी दे रही है।

एस.डी.आर.एफ. की इन रेस्क्यू टीमों को पहली बार इनके सामान्य कार्य आपदा राहत एवं बचाव के साथ-साथ राज्य की जल पुलिस के रूप में भी अभिनव अनुभव हो रहा है। एस.डी. आर. एफ. डिप्टी कमाण्डेन्ट गणपति महावर (प्रशासन एवं रेस्क्यू ऑपरेशन) के अनुसार प्रत्येक रेस्क्यू टीम में 1 हैड कानि. प्रभारी तथा शेष 8 कानि. गण में 2 बोट चालक, 2 डीप डाईवर (गोताखोर) तथा 4 रेस्क्युअर तैराक जवानों को शामिल किया गया है।

रेस्क्यू बोट के अंदर आवश्यक उपकरण जैसे लाईफबॉय, लाईफ जेकेट,हेलमेट,दूरबीन,डीप डाइविंग सेट,वायरलेस सेट,ड्रेगन लाईट तथा रेस्क्यू बोट रिपेयरिंग किट आदि उपकरणों को रखा गया है। एस.डी.आर.एफ. राजस्थान का गठन देश की एन.डी.आर.एफ. तथा उतराखंड की एस.डी.आर.एफ. बटालियन की तर्ज पर मुख्यमंत्री की बजट घोषणांतर्गत वर्ष 2013 में राजस्थान पुलिस के एक महत्वपूर्ण दक्ष एवं प्रशिक्षित बल के रूप में प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाओं से निपटने हेतु किया गया है।

एसडीआरएफ के जवानों को राजस्थान पुलिस के सामान्य कानि के आधारभूत प्रशिक्षण के अतिरिक्त देश के विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण संस्थानों एवं अर्ध सैनिक बलों जैसे आई.टी.बी.पी. सी.आर.पी.एफ. बी.एस.एफ. एवं देश के समुद्रतटीय राज्यों पंश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र एवं गुजरात राज्य के द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों से विशिष्ट आपदा राहत एवं बचाव प्रशिक्षण प्रदान कराये जाते है।

मेले में आकर्षक प्रस्तुतियां दी

कपासन, (निसं)। सरपंच संघ की ओर से ग्राम पंचायत दोवनी में विकास कार्यों में पंचायत समिति से पूर्ण सहयोग करवाया जाएगा उक्त विचार सरपंच संघ के अध्यक्ष प्रकाश चौधरी ने मेले में आर्केस्ट्रा कार्यक्रम में व्यक्त किए। ग्राम पंचायत दोवनी में वानरमूर्ति स्थापना के उपलक्ष्य में आयोजित मेले के दूसरे दिन रंगारंग आर्केस्टा पंकज यादव एंड हरियाणा पार्टी ने आकर्षक गानों की अपनी प्रस्तुतियां दी, जिसपर दर्शक झूम उठे। दोवनी में आर्केस्ट्रा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एवं सरपंच संघ के अध्यक्ष प्रकाश चौधरी थे। अध्यक्षता ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर ओम प्रकाश रायपुरिया ने की विशिष्ट अतिथि पंचायत समिति विकास अधिकारी, कार्यक्रम प्रबंधक विष्णु कुमार,संतोष हेल्थ सुपरवाइजर, कनिष्ठ लिपिक देशबंधु जोशी आदि थे।

विद्यालय का निरीक्षण किया

डूंगरपुर, (निसं)। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी डूंगरपुर भेमजी खांट ने मंगलवार को राउमावि चक महुडी का निरीक्षण किया। सीबीईओ खांट ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे जीवन में एक लक्ष्य निर्धारित कर उसे प्राप्त करने की दिशा में सतत प्रयत्नशील रहें। उन्होंने कहा कि जीवन मे सफलता के लिए कोई शॉर्टकट नहीं है अपितु कडी मेहनत एवं पक्के इरादों से ही इसे प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने संस्कारों के संवहन पर भी जोर दिया एवं छात्रों को विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। इससे पूर्व उन्होंने अतिरिक्त कक्षाओं का अवलोकन एवं विद्यालय का निरक्षण किया तथा स्टाफ बैठक में श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम प्राप्ति के लिए शिक्षकों को संबलन दिया। प्रारंभ में संस्था प्रधान कुसुमलता जैन ने स्वागत किया। प्रथम सहायक राजकुमार खराडी ने विद्यालय गतिविधियों की जानकारी दी। संचालन ऋतिका कोठारी ने किया एवं आभार वीरेंद्र सिंह बेडसा ने जताया। इस अवसर पर चंदनसिंह राजावत, प्रकाशचंद्र आमलिया सहित शिक्षक उपस्थित थे।

नियमित कर्मचारी का दर्जा दिलाने की मांग

डूंगरपुर, (निसं)। भारतीय ट्रेड यूनियन केंद्र ब्लॉक झौथरी का सम्मेलन देवीलाल डामोर, जसोदा रोत, जसोदा परमार, कन्या रोत की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। ब्लॉक सम्मेलन की शुरुआत सीटू के ध्वजारोहण ब्लॉक अध्यक्ष जसोदा रोत ने किया।

ब्लॉक सम्मेलन में मुख्य वक्ता विमल भगोरा ने कहां कि वर्तमान की केन्द्र सरकार ने 44 वे श्रम कानून को निरस्त कर, चार लेबर कोड लागू करना चाहती है, श्रमिक संगठनों को कमजोर किया है। देश भर के मजदूर आन्दोलन के कारण लागू नही कर पाई। केन्द्र सरकार मजदूर आन्दोलन को कमजोर करने के लिए विभाजनकारी नीतियो को बढावा दे रही है,वो मजदूर एकता को साम्प्रदायिक, जातिगत नीतियो से कमजोर कर रही है। सम्मेलन को देवीलाल डामोर, सीटू जिला सचिव भीमचंद कोटेड, आदिवासी नेता गंगाराम आमलिया, किसान नेता शंकर अहारी, रामलाल कलासुआ आदि ने

भारतीय ट्रेड यूनियन केन्द्र ब्लॉक झौथरी के सम्मेलन को देवीलाल डामोर ने सम्बोधित किया।

संबोधित किया। इसके पश्चात सर्वसम्मति से 17 सदस्यों की ब्लॉक कमेटी का चुनाव हुआ, जिसमें ब्लॉक अध्यक्ष देवीलाल डामोर, उपाध्यक्ष जसोदा रोत,पूंजी लाल डामोर, अनिता रोत, महासचिव बंशीलाल खराडी, संयुक्त सचिव मंजू आमलिया, कन्या रोत, कोषाध्यक्ष अरूणा गमेती, संगठन सचिव गीता पलात, प्रचार सचिव जसोदा परमार, सदस्य कमला सीमलवाडा गीता कटारा, चम्पा डामोर आदि चुने गये।

सार-समाचार

आयुष्मान स्वास्थ्य मेले का आयोजन

देवगढ़, (निसं)। भीम उपखंड क्षेत्र अंतर्गत ठाम पंचायत मंडावर में आयुष्मान स्वास्थ्य मेले का आयोजन सरपंच प्यारी कुमारी चौहान के सानिध्य में भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र पर किया गया।मेले में पांच पंचायत क्षेत्र कुशलपुरा, बरार, ठिकरवास, हामेला की वेर व मंडावर के 110 रोगियों का पंजीयन किया गया। जिसमें बीपी शुगर के 52, परिवार नियोजन के 6, टीबी सैंपल के 2 सहित कई रोगियों की जांच की गई। सरपंच प्यारी कुमारी ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी के लिए ठामीणों को संचार के विभिन्न माध्यमों से संपर्क में रहना चाहिए जिससे आमजन तक सीधी जानकारी मिल सके। सरकार आमजन के स्वास्थ्य, शिक्षा व अन्य आवश्यकताओं के प्रति प्रतिबद्ध हैं। स्वस्थ्य तन में स्वस्थ्य मन का निवास होता है। इस अवसर पर स्वास्थ्य कल्याण केंद्र से भारती , सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी अशोक सिंह, सुनील बडोला, आंगनवाडी कर्मी लक्ष्मी देवी, प्रेमलता, हेमलता, शायर, मंजू व अनुराधा, ग्राम विकास अधिकारी भगवान सहाय मीना, पटवारी भैरुलाल मीना, कृषि पर्यवेक्षक अशोक खींची, वार्डपंच चुन्ना सिंह,गिरिराज सिंह, नेत सिंह, राजेंद्र सिंह, मेघ सिंह आदि उपस्थित थे।

डोडियार बने प्रदेश उपाध्यक्ष

बांसवाड़ा, (निसं)। भारतीय किसान मजदूर यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष की सहमति से प्रदेश अध्यक्ष सत्यप्रकाश पटेल ने अरविंद डोडियार को प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। ग्राम पंचायत माकोद के ग्रामीणों ने ढोल बाजो के साथ डोडियार का स्वागत किया। इस अवसर पर डोडियार ने यूनियन के सभी प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए किसानों को आर्थिक व शैक्षणिक योग्यता में वृद्धि करके बदलते हुये जमाने के साथ कदम से कदम मिला के चलने का आव्हान किया। डोडियार ने कहा कि जनजाति क्षेत्र में पढाई व रोजगार की दिशा बदलनी होगी। वर्तमान में चिकित्सा और टेक्नोलॉजी की पढाई में बेहतर भविष्य की संभावना ज्यादा है इसलिये युवाओं को मान्यता प्राप्त संस्थान से योग्यता व रूची के अनुरूप कोर्स का चयन करना चाहिये। उन्होंने किसानो ओर ग्रामीणों को ऑर्गेनिक खेती का महत्व बताया व इसके दैनिक प्रयोग के लाभ बताये। खेमराज डोडियार ने कहा कि समाज सभी को अपना फर्ज ईमानदारी से निभाया जाय तो आने वाली हर मुश्किल से आसानी से विजय प्राप्त की जा सकती है। सामाजिक कार्यकर्ता व पूर्व वार्ड पंच शंभू लाल डोडियार ने अरविन्द डोडियार का स्वागत करते हुये कहा कि युवा देश की आवाज है तो देश व समाज के विकास के लिये युवाओं को महत्वता को समझना होगा। सभा मे नाथी देवी, खेमराज डोडियार, कमल डोडियार, लाल, पूर्व सरपंच वनिता देवी, सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

मदन पथिक विहार का उद्घाटन आज

राजसमंद, (निसं)। मदन मुनि महाराज की प्रथम पुण्य तिथि पर घोडाघाटी में गुरुवार को नवनिर्मित मदन पथिक विहार धाम का उद्घाटन संतों के सान्निध्य में किया जाएगा। पथिक विहार महामंत्री लक्ष्मीलाल बडाला, कोषाध्यक्ष नेमीचंद धाकड ने बताया कि महाश्रमण प्रवर्तक मदन मुनि महाराज की प्रथम स्मृति दिवस पर गुरुवार को श्रमणसंघ के महामंत्री सौभाग्य मुनि महाराज के शिष्य उपप्रवर्तक कोमल मुनि महाराज नव दीक्षित हर्षित मुनि एवं उपप्रवर्तक विनय मुनि श्वागीश, उपप्रवर्तक गौतम मुनि आदि ठाणा, पंडित रितेश मुनि तथा उप प्रवर्तिनी विजयप्रभा विध्या आदि संत-साध्वी मंडल एवं सैंकडों श्रावक-श्राविकाओं की नवनिर्मित मदन पथिक विहार का महाश्रमण मदन मुनि की प्रथम पुण्य तिथि पर आयोजित गुणगान समारोह के आयोजन के साथ लाभार्थी परिवारों व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी एवं विधानसभा प्रतिपक्ष नेता गुलाबचन्द कटारिया की मौजूदगी में किया जाएगा।

विद्यार्थियों ने जी-20 बैठक में लिया भाग

बांसवाड़ा, (निसं)। बीआईएचएम के प्रशिक्षणार्थियों ने उदयपुर में आयोजित जी-20 बैठक में भाग लिया। प्रशिक्षणार्थियों को ओडीसी प्रशिक्षण द्वारा इसके लिये चयनित किया गया। यह बांसवाडा का पहला कॉलेज है जिसके प्रशिक्षणार्थी जी-20शेरपा मीट में सपोर्ट सर्विस के रुप में मदद कर रहे हैं। जनजाति क्षेत्र के लिये यह गौरव की बात है कि जी-20 शेरपा मीट में इस जनजाति क्षेत्र के विद्यार्थी भाग लेते हुए विश्व पटल पर क्षेत्र का नाम ला रहे हैं। कार्यक्रम में भारत के साथ कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, फ्रांस, जर्मनी आदि के प्रशिक्षणार्थी भाग ले रहे हैं जिससे बांसवाडा का नाम पर्यटन क्षेत्र में जुडता जा रहा है। बीआईएचएम के निदेशक डॉ. प्रियंका कटारा एवं हिमांशु कटारा ने बताया कि इस मीट में भाग लेने वाले जिले के विद्यार्थियों में रोहत गुप्ता, अर्जुन टेलर, प्रकार अहारी, विक्रमदास, नारायण भील, सुनी प्रितम पंड्या आदि शामिल हैं।

जन आक्रोश रैली गामडी अहाडा पहुंची

डूंगरपुर, (निसं)। जन आक्रोश यात्रा विधानसभा डूंगरपुर के गंगेश्वर मंडल के भुवनेश्वर से रवाना होकर कनबा, संचिया, नवल श्याम, करौली, ओडा बडा, भेहणा, जेलाना, रातापानी होते हुए गामडी अहाडा पहुंची जहां रात्रि विश्राम होगा। कांग्रेस के इन 4 सालों के राज में लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है वर्तमान परिस्थितियों में लूटपाट पत्थरबाजी एबिजली की कटौती एबिजली के बिलों में भारी बढोतरी, महिला अत्याचार एबेरोजगारों के साथ में अन्याय एसंविदा कर्मियों को स्थाई नहीं करना, आंगनवाडी कर्मियों के साथ अन्याय जैसे ज्वलंत मुद्दों पर जनता में भारी आक्रोश है। बैठक में जिला महामंत्री धनपाल जैन, पूर्व जिला प्रमुख माधवलाल वरहात, मंडल अध्यक्ष धर्मवीरसिंह चौहान ललित जोशी, परेश गमेती, बालशंकर मनात सरपंच करौली,हितेश, गौतम साद सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

सरपंच की सतर्कता ने अजगर से बचाई एक परिवार की जान

राजसमंद,(निसं)। पसुन्द ग्राम पंचायत स्थित खेतों की भागल में एक परिवार के घर में करीब 7 फीट लम्बा अजगर घुस गया। जिस पर घर में मौजूद महिला व उनके बच्चे डर से परेशान होने लगे। घर में अजगर घुस आने की सूचना मिलते ही सरपंच अयन जोशी तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग को सूचना दी। सूचना पर वन विभाग से वनपाल नैनाराम, वन्यजीव प्रेमी नवीन गहलोत पीपरडा, होमगार्ड कमलेश कीर, घनश्याम पूर्बिया व मदन बैरवा मय टीम मौके पर पहुंचे। जहां सरपंच जोशी ने उन्हें स्थिति से अवगत करवाया।

वन्यजीव प्रेमी नवीन गहलोत ने अजगर का मूंह पकडकर उसे काबू में कर लिया। उसके बाद टीम की मदद से उसे एक बोरी में डालकर वन विभाग को सुपुर्द कर दिया गया। जहां से अजगर को पुनः सुरक्षित जगह जंगल में छोडा गया। सरपंच जोशी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए ग्रामवासियों को हर स्थिति में उनके साथ मौजूद रहने का

राजसमंद के पसूंद के खेतों की भागल स्थित घर में घुसे अजगर को वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू किया।

वादा किया। परिवार ने सरपंच जोशी को धन्यवाद दिया। इसके बाद तासोल रोड पर स्थित एक मार्बल फैक्ट्री में पैंथर पाए जाने की सूचना मिलने पर वनविभाग की टीम के साथ सरपंच जोशी मौके पर पहुंचे और वन विभाग के अधिकारियों के साथ मौका मुआयना कर पैंथर को पकडने की प्रक्रिया शुरू करने का निवेदन किया। जिस पर वन विभाग अधिकारियों ने हर संभव मदद करने का कहा। जोशी ने जनप्रतिनिधि के अपने दायित्व साबित करते रहते हैं।

दो स्वर्ण व 2 कांस्य पदक जीते

राजसमंद, (निसं)। हाल ही बिकानेर सम्पन्न हुई राज्य स्तरीय पॉवर लिफ्टिंग चैम्पियनशीप में दो गोल्ड व दो कांस्य कुल 4 मेडल राजसमंद के वेट लिफ्टरों ने अपने नाम किए। टीम प्रशिक्षक सुरेश चरनाल ने बताया कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में गणपत गुर्जर ने 12० किग्रा. वर्ग में 51० किग्रा. वनज उठाकर गोल्ड मेडल जीता। 84 किग्रा. वर्ग में हर्षी बोल्या ने 315 किग्रा. वजन उठाकर गोल्ड मेडल जीता।

अपूर्वा सनाढ्य ने 72 किग्रा वर्ग में 2०० किग्रा. वेट लिफ्टिंग कर कांस्य पदक जीता व दिव्यांशी कुमावत ने 57 किग्रा. वर्ग में 19० किग्रा. वेट लिफ्टिंग कर कांस्य पदक जीता। सभी विजेता खिलाडियों के राजसमंद आने पर जिला शिक्षा अधिकारी बालमुकुन्द एवं जिला पॉवर लिफ्टिंग संघ अध्यक्ष भगवत सिंह गुर्जर की ओर से उपरना ओढाकर सम्मानित किया गया। इस दौरान शारीरिक शिक्षक मुकेश पालीवाल जवाहर चौधरी, ओमप्रकाश कलोसिया, राजेश गुर्जर, मुकेश कुमावत, हरिभगवान कुमावत, मनीष गुर्जर, दल प्रभारी बिशन शर्मा, शंकर ठाकुर, विमला सालवी, आशीश पालीवाल सहित वरिष्ठ नागरिक एवं टीम प्रशिक्षक सुरेश चरनाल मौजूद थे।

डॉ. अम्बेडकर के सिद्धांतों पर चलने का लिया संकल्प

राजसमंद, (निसं)। डॉ. भीमराव अंबेडकर का नाम देश में अग्रणी स्थान पर है। उनके किए गए को हम सभी को हमेशा याद रखना चाहिए एवं उनके आदर्शों को हम सभी को आत्मसात करना चाहिए। यह विचार भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह बारहठ ने भीमराव अम्बेडकर के 67वें निर्वाण दिवस पर भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की ओर से जिला मुख्यालय के 1०० फीट रोड स्थित अम्बेडकर सर्कल पर आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम के दौरान अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए व्यक्त किए।

इस दौरान पूर्व विधायक बंशीलाल खटीक, भाजपा उपाध्यक्ष अशोक रांका, नगर मंडल अध्यक्ष सुभाष पालीवाल, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष जवाहरलाल जाट, महिला मोर्चा जिला महामंत्री विशाखा तिवारी, नगर मंडल महामंत्री राजकुमार अग्रवाल, लक्ष्मण मौर्य, अनिल खटीक, युवा मोर्चा जिला महामंत्री ललित खींची, युवा मोर्चा नगर मंडल अध्यक्ष आकाश सहलोत, अनुसूचित जाति मोर्चा जिला उपाध्यक्ष

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा कार्यकर्ताओं ने डॉ. भीम राव अम्बेडकर के 67वें निर्वाण दिवस पर पर पुष्पांजलि अर्पित की।

जगदीशचंद्र पहाडिया, नगर मंडल अध्यक्ष नारायणलाल रैगर, पार्षद उत्तम खिंची, मेवालाल खटीक, अशोक खटीक आदि मौजूद थे।भीमराव अम्बेडकर के 67वें निर्वाण दिवस पर जिला मुख्यालय सौ फीट रोड स्थित अम्बेडकर सर्कल पर कई लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित कर मौन रख डॉ. अम्बेडकर के सिद्धांतों पर चलने का संकल्प लिया। अतिथि के रूप में भीम सेना जिलाध्यक्ष ईश्वर पहाडिया और पूर्व जिला प्रभारी प्रिंस कमालिया, लक्ष्मण सांवरिया मौजूद थे। भीम सेना के कार्यकर्ताओं ने सौ फीट रोड अम्बेडकर सर्कल स्थित अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

हमें भविष्य के बारे में सोचना होगा और मैं कोरियाई टीम के साथ रहूंगा या नहीं। मैं आराम करूंगा। मुझे उन्हें (खिलाड़ियों को) उनके द्वारा किए गए हर काम के लिए धन्यवाद देना होगा। उन्होंने हमें अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है। मुझे उनका प्रबंधक होने पर बहुत गर्व है।

- पाउलो बेंटो

दक्षिण कोरिया के मैनेजर, ब्राजील से हार के बाद।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मिशेल स्वेपसन

लेग स्पिनर मिशेल स्वेपसन को उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ता जब भारत दौरे के लिए टीम का चयन करेंगे तो उपमहाद्वीप की परिस्थितियों में उनके अनुभव पर भी गौर किया जाएगा। यह 29 वर्षीय स्पिनर 2017 में ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ भारत दौरे पर आया था। उन्हें श्रीलंका और पाकिस्तान में भी खेलने का अनुभव है। स्वेपसन ने कहा,"एक चीज जो मुझे अपने प्रतिद्वंदी खिलाड़ियों पर बेहतर बनाती है वह है उपमहाद्वीप में चार टेस्ट मैच खेलना। मुझे पाकिस्तान और श्रीलंका में खेलने का अनुभव है और उम्मीद है कि चयन के समय मेरे इस अनुभव पर गौर किया जाएगा।"

क्या आप जानते हैं ?... टैस्ट मैच में लगातार पगबाधा आउट होने का रिकॉर्ड न्यूजीलैण्ड के डब्लू वाटसन के नाम है। वाटसन सात पारियों में लगातार पगबाधा आउट हुए थे।

मोरक्को पहली बार विश्व कप के क्वार्टरफाइनल में पहुंचा

पेनल्टी शूटआउट में स्पेन को 3-0 से हराकर किया उलटफेर

दोहा 06 दिसंबर। मोरक्को ने विश्व कप फुटबॉल इतिहास में पहली बार क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया है। उसने प्री-क्वार्टर फाइनल में 2010 की चैंपियन टीम स्पेन को पेनल्टी शूटआउट में हरा दिया। स्पेन की टीम लगातार दूसरी बार प्री-क्वार्टर फाइनल में हार गई। पिछली बार उसे रूस ने पेनल्टी शूटआउट में ही हराया था।

निर्धारित 90 मिनट तक एक भी गोल नहीं होने के बाद मैच एक्स्ट्रा टाइम में पहुंच गया। एक्स्ट्रा टाइम के समाप्त होने के बाद स्कोर 0-0 ही रहा। फिर मैच का नतीजा पेनल्टी शूटआउट से हुआ। मोरक्को के लिए पेनल्टी शूटआउट में अब्देलहमीद साबिरी, हाकिम जिएच और अशरफ हकीमी ने गेंद को गोलपोस्ट में भेजा। उसके लिए बद्र बेनउल गोल पेनल्टी शूटआउट में चूक गए। वहीं, स्पेन के लिए पाब्लो सराबिया, कार्लोस सोलर और सर्जियो बुस्केट्स चूक गए। तीनों गेंद को गोलपोस्ट में नहीं भेज सके। इस तरह मोरक्को ने पेनल्टी शूटआउट में स्पेन को 3-0 से हरा दिया।

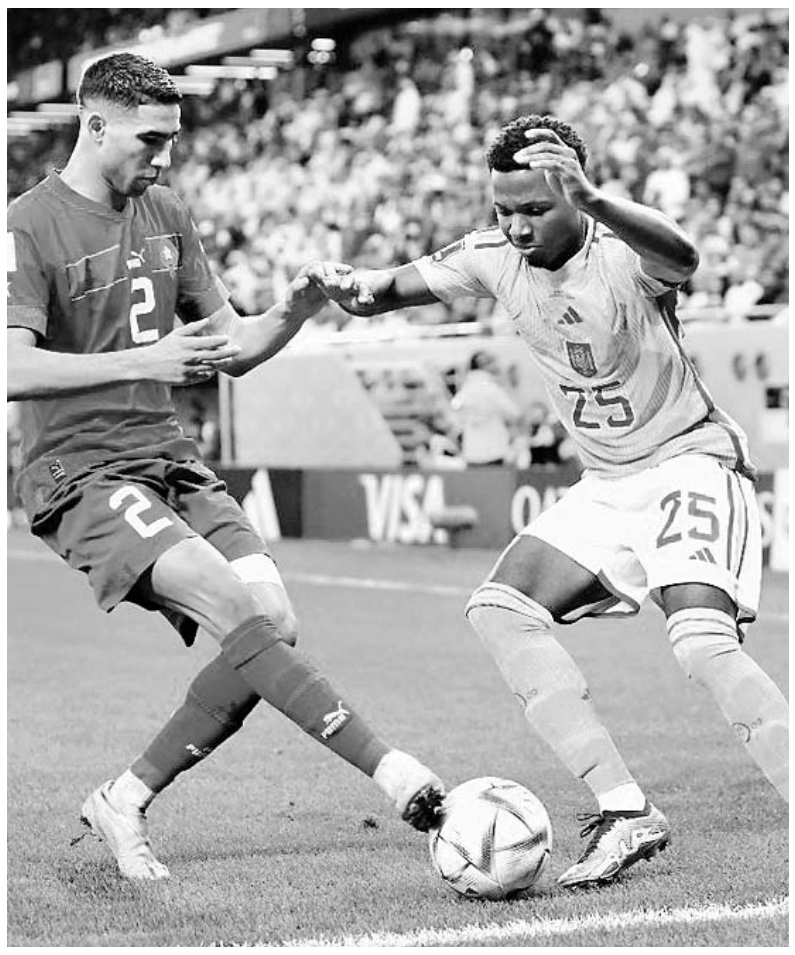

आईसीसी महिला वनडे प्लेयर रैंकिंग में साइवर तीसरे स्थान पर

दुबई, 06 दिसंबर। इंग्लैंड की बल्लेबाज नेट साइवर ने आईसीसी महिला रैंकिंग में एक पायदान ऊपर चढ़ कर तीसरे स्थान पर कब्जा जमाया है।

एंटीगुआ में वेस्ट इंडीज के खिलाफ आईसीसी महिला चैम्पियनशिप (आईडब्ल्यूसी) श्रृंखला के पहले मैच में इंग्लैंड को विजय द्वार पर ले जाने में सफर साइवर अब अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान से महज एक कदम की दूरी पर है। साइवर के बेहतरीन 90 रन की पारी की बदौलत इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 142 रन से जीत हासिल की थी। उन्हे प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था वहीं डैनी व्याट 68 रन और विकेटकीपर एमी जोंस तीन पायदान की छलांग लगाकर 18वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड ने चैंपियनशिप का अपना पहला मैच जीता और प्रत्येक चार मैचों के बाद अंक तालिका में वेस्टइंडीज के साथ बराबरी पर है। गेंदबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के ऑफ स्पिनर चार्ली डीन एक पायदान ऊपर 18वें स्थान पर पहुंच गई जबकि कप्तान हीथर नाइट आठ स्थान की छलांग लगाकर 87वें स्थान पर पहुंच गई। वेस्ट इंडीज के कप्तान हेले मैथ्यूज 32 गेंदों में 34 रन बनाकर शीर्ष क्रम में एक पायदान ऊपर 17वें स्थान पर हैं। तेज गेंदबाज चिनले हेनरी 59 रन देकर तीन विकेट लेकर पांच पायदान की छलांग लगाकर 41वें स्थान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच श्रृंखला के पहले दो मैचों में प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए आईसीसी महिला टी20ई खिलाड़ी रैंकिंग में, अमेलिया केर 27 और 46 रन के स्कोर के साथ बल्लेबाजों के बीच 13 पायदान ऊपर 27वें स्थान पर है।

दक्षिण कोरिया को रौंद ब्राजील क्वार्टरफाइनल में

दोहा 06 दिसंबर। पांच बार की चैम्पियन ब्राजील ने सोमवार को यहां दक्षिण कोरिया पर 4-1 की शानदार जीत दर्ज कर फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। उसने पहले हाफ में ही चार गोल दाग दिये।

विनीसियस जूनियर ने शानदार फिनिश के साथ ब्राजील को आगे रखा और पेनल्टी स्पॉट से नेमार ने बढ़त को दोगुना कर दिया। दक्षिण कोरिया के लिए खेलने आये स्थानापन्न खिलाड़ी पाइक सेनघो के आने से पहले रिचर्डसन और लुकास पाक्वेटा ने इस अन्तर को और बढ़ा दिया।

ब्राजील शुक्रवार (9 दिसंबर) को एजुकेशन सिटी स्टेडियम में क्रोएशिया से भिड़ेगा और इस मुकाबले में सेमीफाइनल में उसकी जगह दांव पर होगी।

इस मुकाबले के बाद दक्षिण कोरिया ,जो 2002 के बाद पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की उम्मीद कर रहा था, टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

ब्राजील को बढ़त लेने में सिर्फ सात मिनट का समय लगा क्योंकि रफिन्हा ने नेमार को बायपास करने से पहले किम जिनसू को सही बाइलाइन पर एक तेज़ रन के साथ पकड़ा और विनीसियस से गिर गया। रियल मैड्रिड के फॉरवर्ड ने एक टच लिया और उसके बाद शांति से टॉप फार कार्नर में शॉट लगाया।

किम मून ने रिचर्डसन को बूट से काट दिया और रेफरी क्लेमेंट टरपिन ने वीडियो सहायक रेफरी से परामर्श करने के बाद मौके की ओर इशारा किया। नेमार ने अपनी स्पॉट-किक को निचले दाएं कोने में घुमाने से पहले गोलकीपर किम सेउंगग्यू को चकमा दे दिया।

हीचन 16वें मिनट में दक्षिण कोरिया के लिए 25 गज की ड्राइव के साथ स्कोर करने के करीब पहुंच गए जिसे एलिसन ने अपने दाहिने हाथ से दूर कर दिया। लेकिन ब्राजील के डिफेंस के लिए यह असहजता का दुर्लभ क्षण था। दक्षिण अमेरिकी दिग्गज अपने तेजतर्रार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर थे और उनके तीसरे गोल को संभवत: टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ में से एक के रूप में याद किया जाएगा।

मार्क्विनहोस और थियागो सिल्वा के बीच एक चालाक आदान-प्रदान से पहले रिचर्डसन ने अपने सिर पर गेंद को संतुलित करके उत्कृष्ट नियंत्रण दिखाया। इसके बाद रिचर्लिसन गोल दाग दिया। ब्राजील पूरे मैच के दौरान खेल पर छाया और कई बार ऐसा लगता था कि वे विरोधियों के साथ खिलवाड़ कर रहे है।

टिटे के पुरुष तब और आगे बढ़ गए जब नेमार ने विनीसियस की बाएं ओर खाली जगह देखी और 22 वर्षीय पाक्वेटा के लिए पार किया, जिसने पहली बार निचले कोने में प्रयास किया।

ब्राजील के पास पहले हाफ के अंत में अपनी बढ़त बढ़ाने के कई मौके थे, लेकिन खराब फिनिशिंग और शायद आत्मसंतुष्टि के कारण उसे निराश होना पड़ा।

सोन ह्युंगमिन, जो पहले हाफ में बमुश्किल दिखाई दे रहा था, दूसरे हाफ की शुरुआत में एक गोल वापस खींचने के करीब पहुंच गया।

ब्राजील की शुरुआती तीव्रता समाप्त होने के बाद दक्षिण कोरिया ने मौके बनाना शुरू कर दिया। इंग हीचन ने एलिसन से दूरी से कम ड्राइव के साथ एक शानदार बचाव किया, इससे पहले पाउलो बेंटो की टीम ने 76 वें मिनट में सेन्धो के माध्यम से ब्राजील की रक्षा को तोड़ दिया। मिडफील्डर, इंग इनबीओम के लिए 65वें मिनट में आधे वॉली पर 25-गज के प्रयास के साथ कैसिमिरो की हेड क्लीयरेंस पर अटक गया, जिसने एलिसन के लिए बचाव का कोई मौका नही छोड़ा।

आईसीसी के प्लेयर ऑफ मंथ के उम्मीदवारों की सूची में आदिल और बटलर

दुबई, 06 दिसम्बर। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर और आदिल राशिद को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने नवंबर 2022 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के लिये आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ के उम्मीदवारों की सूची में शामिल किया है। आईसीसी द्वारा मंगलवार को जारी नवंबर 22 के उम्दा खिलाड़ियों की सूची में बटलर और आदिल के अलावा पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीद शाह अफरीदी का नाम भी शामिल है। हाल ही में संपन्न टी-20 विश्व कप में जोस बटलर की शानदार कप्तानी की बदौलत इंग्लैंड को विजेता बनने का गौरव हासिल हुआ था वहीं आदिल राशिद असरदार गेंदबाजी के लिये प्लेयर ऑफ द मंथ के उम्मीदवारों की सूची में शामिल हुये। विश्वकप जीतने से चूकने के बावजूद पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी ने अपनी खतरनाक स्विंग से बल्लेबाजों को खासा परेशान किया। आईसीसी महिला खिलाड़ी ऑफ द मंथ श्रेणी में, तीन सलामी बल्लेबाजों ने द्विपक्षीय क्रिकेट में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद नवंबर पुरस्कार के लिए अपना दावा पेश किया। पाकिस्तान की सिदरा अमीन प्लेयर ऑफ़ द मंथ अवार्ड्स में नामांकित हुयी। उन्होने लाहौर में आयरलैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया वहीं आयरलैंड की गेबी लेविस का नाम भी शॉर्टलिस्ट पर रखा गया है।

आदित्य मित्तल भारत के 77वें ग्रैंडमास्टर बने

चेन्नई, 06 दिसंबर। आदित्य मित्तल स्पेन में चल रहे एक टूर्नामेंट के दौरान भारत के 77वें शतरंज ग्रैंडमास्टर बने। मुंबई के सोलह वर्षीय खिलाड़ी ने ग्रैंडमास्टर बनने के लिए जरूरी तीन मानदंड पहले ही हासिल कर लिये थे और स्पेन में चल रहे एलोब्रेगेट ओपन टूर्नामेंट के छठे दौर के दौरान उन्होंने 2,500 ईएलओ अंक का आंकड़ा पार कर लिया। उन्होंने स्पेन के शीर्ष खिलाड़ी फ्रांसिस्को वैलेजो पोंस के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ खेलकर यह उपलब्धि हासिल की। ग्रैंडमास्टर बनने के लिए खिलाड़ी को तीन ग्रैंडमास्टर मानदंड को हासिल करने के अलावा लाइव रेटिंग में 2,500 ईएलओ अंकों को हासिल करने की जरूरत होती है। मित्तल ने सर्बिया मास्टर्स 2021 में अपना पहला ग्रैंड मास्टर मानदंड हासिल किया। इसके बाद उन्होंने एलोब्रेगेट ओपन 2021 में अपना दूसरा और फिर सर्बिया मास्टर्स 2022 में अपना तीसरा ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल किया। वह एलोब्रेगट ओपन में अब तक पांच अंक हासिल कर पांच अन्य खिलाड़ियों के साथ संयुक्त रूप से तालिका में शीर्ष पर है। भरत सुब्रमण्यम, राहुल श्रीवास्तव, वी प्रणव वी और प्रणव आनंद के बाद मित्तल 2022 में ग्रैंडमास्टर खिताब हासिल करने वाले पांचवें भारतीय हैं।

दृष्टिबाधित टी20 विश्वकप में भारत की विजयी शुरूआत

नई दिल्ली 06 दिसंबर। सुनील रमेश और दीपक मलिक के शतकीय प्रहारों की मदद से भारत ने दृष्टिबाधित टी20 विश्वकप के मुकाबले में नेपाल को 274 रनों से हराकर अपने अभियान का आगाज शानदार तरीके से किया। मंगलवार को खेले गये अन्य मैच में श्रीलंका ने आस्ट्रेलिया और बांग्लादेश ने दक्षिण अफ्रीका को हराया।

रोनाल्डो से 21 करोड़ डॉलर में अनुबंध की पेशकश

मैड्रिड, 06 दिसंबर। मैनचेस्टर यूनाइटेड छोड़ने वाले 37 वर्षीय फुटबाल स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो को सऊदी अरब के एक क्लब ने 21 करोड़ डॉलर सालाना वेतन देने की पेशकश की है।

यह अनुबंध राशि मौजूदा साल में किसी भी खिलाड़ी को मिलने वाले वेतन की तुलना में दो गुने से अधिक है। इससे पहले मुक्केबाज कैनेलो अल्वारेज़ को 84 मिलियन डालर सालाना और एनएफएल क्वार्टरबैक मैथ्यू स्टैफ़ोर्ड ने 72 मिलियन डालर की धनराशि अर्जित की है।

सऊदी प्रो लीग (एसपीएल) को दुनिया की शीर्ष फुटबॉल लीगों में से एक नहीं माना जाता है, लेकिन अल नासर - कथित तौर पर रोनाल्डो को लेने वाली

टीम, सऊदी अरब के अधिक सफल क्लबों में से एक है। वास्तव में, टीम नौ प्रीमियर लीग खिताब, छह किंग्स कप, तीन क्राउन प्रिंस कप, तीन फेडरेशन कप और दो सऊदी सुपर कप जीतकर इस समय लीग में दूसरे स्थान पर है। क्लब सऊदी की राजधानी रियाद में स्थित है।

पांच बार चैंपियंस लीग विजेता और 819 गोल के साथ शीर्ष स्कोरिंग अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी रोनाल्डो के साथ अनुबंध करने में कई क्लबों ने अपनी इच्छा का इजहार किया है मगर स्टार फुटबालर ने किसी भी अफवाह का खंडन नहीं किया है। रोनाल्डो फीफा विश्व कप 2022 के लिए दक्षिण कोरिया के खिलाफ टीम के अंतिम ग्रुप चरण के खेल से बाहर होने के बाद नाराज हो गये थे। दक्षिण कोरिया ने शुक्रवार को पुर्तगाल को 2-1 से हराया था।

प्रणय बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के ग्रुप-ए में

नयी दिल्ली, 06 दिसंबर। साल के अंत में अपना पहला टूर्नामेंट में खेल रहे एचएस प्रणय को बुधवार से शुरू होने वाले बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में ओलंपिक चैम्पियन डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन, जापान के कोडाई नारोका और चीन के लू गुआंग जू के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। प्रणय बैंकॉक में समाप्त होने वाले विश्व टूर फाइनल्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एकमात्र खिलाड़ी है और उनका इरादा साल के आखिरी टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का होगा।

पेरू पैरा बैडमिंटनः मनदीप ने विश्व चैंपियन को हराया, नेहल ने जीते दो स्वर्ण

नयी दिल्ली, 06 दिसंबर। मनदीप कौर ने फाइनल में विश्व चैम्पियन ओक्साना कोजिना को हराकर उलटफेर किया जबकि नेहल गुप्ता ने दो स्वर्ण पदक हासिल किए जिससे भारत लीमा में समाप्त हुई पेरू पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में 14 पदक जीतने में सफल रहा। भारतीय टीम ने इस प्रतियोगिता में कुल मिलाकर छह स्वर्ण, एक रजत और सात कांस्य पदक जीते।

पिछले महीने तोक्यो में पैरा विश्व चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में कोजिना से हारने वाली मनदीप कौर ने महिलाओं के एसएल3 में 21-11, 21-11 से जीत दर्ज करके खिताब हासिल किया और यूक्रेन के खिलाड़ी से बदला भी चुकता किया। भारतीय खिलाड़ी ने बाद में कहा," मैंने ओक्साना को हराने के लिए ही विशेष रुप से इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था और मुझे खुशी है कि मैंने उससे बदला चुकता कर दिया।"

मनदीप कौर ने इसके अलावा महिलाओं के युगल और मिश्रित युगल में क्रमश: रजत और कांस्य पदक जीते। मनदीप और केली एडिथ एरी एस्क्लांते महिला युगल फाइनल में पारुल परमार और वैशाली पटेल से 17-21 19-21 से हार गईं। इस बीच 17 वर्षीय गुप्ता ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए पुरुष एकल एसएल3 और पुरुष युगल एसएल3-एसएल4 में स्वर्ण पदक जीते। गुप्ता ने पहले ब्राजील के योहान ब्रेनो के साथ जोड़ी बनाकर रेन्जो डिकेज़ बेनसेस मोरालेस और पेड्रो पाब्लो डी विनेता की स्थानीय जोड़ी को युगल में 21-16,21-13 से हराया। इसके बाद उन्होंने फ्रांस के मैथ्यू थॉमस को 21-16, 21-14 से हराकर एकल खिताब जीता।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में तैयारियों को परखेगी हरमन ब्रिगेड

कोलकाता, 06 दिसंबर। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2023 से पहले कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम नौ दिसम्बर से आस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में अपनी तैयारियों को परखेगी।

'वीमेन इन ब्लू' की निगाहें आईसीसी महिला टी20 विश्व कप पर टिकी हैं, लेकिन पहले ऑस्ट्रेलिया का सामना करना होगा, जिसने भारत को 2020 के विश्व कप के फाइनल में हराया था। दोनों टीमें चैंपियनशिप और टी20 सीरीज की प्रबल दावेदार हैं। पांच मैचों की टी20 सीरीज नौ दिसंबर से शुरू हो रही है और यह दोनों टीमों के लिए एकदम सही तैयारी होगी क्योंकि वे अगले साल की शुरुआत में होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के लिए लय हासिल करने की कोशिश करेंगी।

एशिया कप 2022 के दौरान स्टार स्पोर्ट्स के शो 'फॉलो द ब्लूज' पर हरमनप्रीत ने कहा मेरे लिए, सभी खिलाड़ियों को एक साथ रखना बहुत महत्वपूर्ण है। मेरा मानना है कि सभी को अपने विचार साझा करने चाहिए और समान महत्व के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। मुझे पता है कि कुछ खिलाड़ी टीम के लिए अच्छा कर सकते हैं, लेकिन आपको अभी भी अपने अन्य खिलाड़ियों की ज़रूरत है जो टीम के साथ हैं जिनके साथ भी समान व्यवहार करने की आवश्यकता है।

खराब फॉर्म में चल रहे धवन की निगाह स्वीप शॉट में महारत हासिल करने पर

मीरपुर, 06 दिसंबर। पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे अनुभवी भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन अगले साल स्वदेश में होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारियों के तहत स्वीप शॉट और रिवर्स हिट पर काम कर रहे हैं। धवन पिछले नौ मैचों में केवल एक अर्धशतक बना पाए हैं और विश्व कप से पहले इस 37 वर्षीय बल्लेबाज का टीम में स्थान खतरे में लगता है। बांग्लादेश श्रृंखला के लिए टीम में शामिल नहीं किए गए शुभमन गिल को विश्वकप में कप्तान रोहित शर्मा के साथ पारी का आगाज करने के लिए प्रबल दावेदार माना जा रहा है। भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने बांग्लादेश के खिलाफ बुधवार को होने वाले दूसरे वनडे से पहले धवन के साथ विशेष अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया।

ऋषिकेश कानिटकर सीनियर महिला बल्लेबाजी कोच नियुक्त

मुंबई, 06 दिसंबर। ऋषिकेश कानिटकर को सीनियर महिला क्रिकेट टीम का बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। कानिटकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नौ दिसंबर से मुंबई में शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 सीरीज से टीम के साथ जुड़ेंगे। महिला टीम के पूर्व मुख्य कोच रमेश पोवार, बीसीसीआई के पुनर्गठन मॉड्यूल के हिस्से के तौर पर पुरुष क्रिकेट में स्विच करेंगे और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में शामिल होंगे।

कानिटकर ने कहा सीनियर महिला टीम के नए बल्लेबाजी कोच के रूप में नियुक्त किया जाना एक सम्मान की बात है। मुझे इस टीम में जबरदस्त संभावनाएं दिख रही हैं और हमारे पास युवाओं और अनुभव का अच्छा मिश्रण है। मेरा मानना है कि यह टीम आगे की चुनौती के लिए तैयार है। हमारे पास कुछ बड़ी प्रतियोगिताएं आ रही हैं और यह टीम के लिए और बल्लेबाजी कोच के रूप में मेरे लिए रोमांचक होने वाला है।

पोवार ने कहा एनसीए में अपनी नई भूमिका के साथ, मैं भविष्य के लिए प्रतिभाओं को तैयार करने में मदद करने के लिए अपने वर्षों के अनुभव को आगे बढ़ाने की कोशिश करूंगा। मैं खेल और बेंच स्ट्रेंथ के विकास के लिए वीवीएस लक्ष्मण के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।

एनसीए प्रमुख लक्ष्मण ने भारत के पूर्व स्पिनर का स्वागत करते हुए कहा पोवार की उपस्थिति एनसीए की स्थापना में विशेषज्ञता लाएगी। हमें यकीन है कि वह अपनी विशेषज्ञता और अनुभव को राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में लाएंगे।

बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला में बने रहने के लिए भारत को दूसरे एकदिवसीय में बड़े खिलाड़ियों से उम्मीद

मीरपुर, 06 दिसंबर। भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे एकदिवसीय में बुधवार को यहां मैदान में उतरेगी तो इस करो या मरो के मैच में उसे बड़े खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

बांग्लादेश ने लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रृंखला के पहले मैच में आखिरी विकेट के लिए 50 से अधिक रनों की अटूट साझेदारी कर शानदार जीत दर्ज की। भारतीय गेंदबाज पुछल्ले बल्लेबाजों को आउट करने में विफल रहे लेकिन टीम को उनसे ज्यादा निराश शीर्ष क्रम के दिग्गज बल्लेबाजों ने किया।

भारतीय टीम ने पिछली बार 2015 में बांग्लादेश में द्विपक्षीय श्रृंखलाखेली थी जब महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में टीम तीन मैचों की श्रृंखला 1-2 से हार गई थी और एकमात्र जीत तीसरे मैच में मिली थी। स्पिनर शाकिब अल हसन और मेहदी हसन मिराज एक बार फिर भारतीय बल्लेबाजों पर 11 से 40 ओवर के बीच शिकंजा कसे रखते हैं तो शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में इतिहास खुद को दोहरा सकता है।

इस दौरान लोकेश राहुल को छोड़कर सभी भारतीय बल्लेबाजों ने संघर्ष किया। राहुल ने 70 गेंदों पर 73 रन की पारी खेली।

वनडे विश्व कप में अभी भी 10 महीने बाकी हैं लेकिन यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि भारतीय टीम का दृष्टिकोण क्या होगा। भारतीय टीम पिछले कुछ समय से बेखौफ होकर बल्लेबाजी करने की बात कर रही है लेकिन इस योजना को कम मैचों मे ही आजमाया गया है।

मीरपुर की पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी नहीं थी, लेकिन यह इतनी बुरी भी नहीं थी कि इसमें सिर्फ 186 रन बनाये जाये।

इस श्रृंखला के लिए शुभमन गिल और संजू सैमसन जैसे युवाओं को आराम देने का तत्कालीन चयन समिति का निर्णय चौंकाने वाला रहा है। चयनकर्ताओं के पूर्व अध्यक्ष चेतन शर्मा द्वारा दिया गया तर्क यह था कि न्यूजीलैंड दौरे के बाद इन खिलाड़ियों को विश्राम दिया गया है।

भारतीय शीर्ष क्रम के खिलाड़ियों के साथ मुख्य समस्या यह है कि वह शुरुआत में बहुत ज्यादा डॉट गेंद खेल रहे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में भारतीय टीम ने 42 ओवर की बल्लेबाजी में लगभग 25 ओवर डॉट गेंद खेली। बाकी के आठ ओवर को भी जोड़ दे तो टीम ने लगभग 200 गेंदों पर एक भी रन नहीं बनाया। आधुनिक समय के क्रिकेट में जब इंग्लैंड हर तरह से सभी प्रारूपों में आक्रामक रवैया अपना रहा है तब भारतीय टीम एक कदम आगे और चार पीछे ले जा रही है। राहुल को विकेटीकीपिंग का जिम्मा सौंप कर टीम ने लचीलापन रूख अपनाने की जगह यह सुनिश्चित करने की कोशिश की कि राहुल और धवन दोनों को विश्व कप के अंतिम एकादश में कैसे फिट किया जाये।

भारत के तेजतर्रार खिलाड़ियों में शामिल सैमसन को इस श्रृंखला के लिए भी नहीं चुना गया था और अपने पिछले एकदिवसीय में 93 रन बनाने वाले इशान किशन विशेषज्ञ कीपर-बल्लेबाज होने के बावजूद बेंच पर थे।

रजत पाटीदार और राहुल त्रिपाठी टीम में चुने गये हैं लेकिन यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि टीम प्रबंधन इन युवाओं का इस्तेमाल कैसे करेगा। कोच राहुल द्रविड़ और और कप्तान रोहित शर्मा अगर कोई कड़ा कदम नहीं उठाते हैं तो टीम को फिर से संघर्ष करना पड़ सकता है।

भारत जोड़ो यात्रा का झालावाड़ में तीसरा दिन

खेल संकुल से निकली यात्रा, आज कोटा जिले में प्रवेश करेगी

झालावाड़, 6 दिसम्बर (निसं)। भारत जोड़ो यात्रा मंगलवार को दूसरे दिन झालावाड़ के खेल संकुल से शुरू हुई जो मेडिकल कॉलेज, मामा भांजा चौराहा से कोटा रोड स्थित देवरी घटा पहुंची। देवरी घटा में दोपहर के लंच बाद तीन किलोमीटर आगे कोटा जिले की रामगंजमंडी विधानसभा क्षेत्र के सुकेत से यात्रा शुरू हुई और 9 किलोमीटर से ज्यादा चलने के बाद हीरिया खेड़ी पहुंची। यहां से भी 17 किलोमीटर आगे खेल मैदान मोरु कला में रात्रि विश्राम हुआ।

झालावाड़ शहर में अल सुबह ही लोग राहुल गांधी की यात्रा को देखने के लिए सड़कों के आसपास जमा होने लग गए। जहां-जहां से यात्रा गुजरी वहीं हर चौराहे और सड़कों पर राहुल गांधी और उनकी यात्रा को देखने के लिए भीड़ जमा थी। शहर में लोगों द्वारा जगह जगह पर पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। वहीं कोटा रोड स्थित केजीएन नर्सिंग कॉलेज के सामने कॉलेज संचालक सलीम खान ने राहुल गांधी और यात्रा का स्वागत किया, इस दौरान बाड़मेर से आए कलाकारों ने "केसरिया बालम आवो पधारो म्हारे देस" लोक गीत गाकर राहुल गांधी की यात्रा का स्वागत किया। स्वागत करने वालों में सलीम खान के अलावा राजेंद्र सिंह सलूजा शाहनवाज खान, सोहेल खान, कांग्रेस नेता अरबाज खान, फराज खान शामिल थे।

- झालावाड़ में यात्रा जब दुष्यंत सिंह के कार्यालय और भाजपा कार्यालय के बाहर से गुजरी तो राहुल गांधी ने वहां एकत्रित भाजपा कार्यकर्ताओं का भी हाथ हिलाकर अभिवादन किया।

खेल संकुल से रवाना होकर यात्रा झालावाड़ में कोटा रोड पर स्थित भाजपा सांसद दुष्यंत सिंह के कार्यालय के आगे से गुजरी तो सांसद दुष्यंत सिंह के कार्यालय की छत पर भाजपा कार्यकर्ता खड़े थे। इस दौरान राहुल गांधी ने भाजपा कार्यकर्ताओं को फ्लाइंग किस दिया। जब यात्रा भाजपा कार्यालय के बाहर से यात्रा गुजरी तो राहुल गांधी ने पहले हाथ हिलाया और उसके बाद कार्यकर्ताओं की ओर फ्लाइंग किस दिया। राहुल गांधी ने अपने साथ चल रहे सचिन पायलट और राजस्व मंत्री रामलाल जाट को भी अभिवादन करने के लिए कहा, इसके बाद दोनों नेताओं भी हाथ हिलाकर अभिवादन किया।

यात्रा में राहुल गांधी के साथ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, खनिज मंत्री प्रमोद जैन भाया, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, रणदीप सुरजेवाला वाला सहित प्रदेश के कई मंत्री और विधायक भी साथ चले।

मंत्री विधायकों को राहुल गांधी की यात्रा से ज्यादा लगाव नहीं

अधिकांश मंत्री- विधायक यात्रा की अगवानी करने के बाद अगले दिन ही वापस लौट गए, भीड़ के मामले में भी बहुत ज्यादा सफल नहीं दिखे शुरुआती 2 दिन

जयपुर, 6 दिसम्बर (का.प्र.)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान में सबसे सफल यात्रा के तौर पर निकालने की बातें हो रही थी, लेकिन यात्रा के दूसरे दिन ही लगने लगा है कि यात्रा को लेकर राजस्थान के नेताओं में बहुत ज्यादा उत्साह नहीं है। राजस्थान के अधिकांश मंत्री और विधायक 2 दिन से यात्रा के दौरान नदारद दिख रहे हैं। जो मंत्री विधायक यात्रा की अगवानी के लिए आए थे,वे भी वापस लौट चुके हैं। कुछ एक मंत्री और विधायकों को छोड़ दें,तो अधिकांश मंत्री - विधायक नजर नहीं आ रहे हैं। दूसरी ओर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत यात्रा में लगातार बने हुए हैं और कुछ दूर चलने के बाद वे अपने काफिले के आगे पहुंच जाते हैं। बताया जाता है कि इस कवायद के पीछे कारण यह है कि वह नहीं चाहते कि दूसरे पक्ष के विधायक या आम आदमी राहुल गांधी तक ज्यादा पहुंच बना पाए।

दूसरी ओर सचिन पायलट अधिकांश समय राहुल गांधी के साथ पैदल चल रहे हैं, मुख्यमंत्री कभी पैदल तो कभी काफिले के साथ आगे जाकर राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हो रहे हैं।

यात्रा में पहले दिन कुछ विधायकों को तवज्जो मिली थी, तो कुछ को फटकार मिली थी। वहीं दूसरे दिन चाकसू विधायक वेद प्रकाश सोलंकी को बुलाकर राहुल गांधी ने चर्चा की। बताया जाता है कि वेद प्रकाश सोलंकी ने एससी - एसटी से जुड़े मुद्दों के साथ ही अल्पसंख्यकों से जुड़े मुद्दों पर बात की। इस दौरान राहुल गांधी और वेद प्रकाश सोलंकी करीब 6 - 7 मिनट तक लगातार बातचीत करते रहे। जिस समय सोलंकी बात कर रहे थे, उस दौरान राहुल गांधी के एक तरफ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी चल रहे थे। वेद सोलंकी को सचिन पायलट कैंप का सबसे मुखर विधायक माना जाता है। अन्य विधायकों की बात करें, तो जोधपुर संभाग से जहां दिव्या मदेरणा मध्य प्रदेश से ही यात्रा के साथ बनी हुई है, वही संभाग के दूसरे विधायक मदन प्रजापत नंगे पांव लगातार यात्रा में चल रहे हैं।

- यात्रा के दौरान झालावाड़ में भाजपा कार्यालय से युवकों ने लगाए मोदी के नारे, तो राहुल गांधी ने फ्लांइग किस देकर किया अभिवादन।
- सचिन पायलट जहां यात्रा में लगातार पैदल चल रहे हैं, वहीं, मुख्यमंत्री गहलोत कुछ पैदल, तो कुछ काफिले के साथ कार में सफर कर रहे हैं।
- दूसरे दिन राहुल गांधी ने विधायक वेद सोलंकी को बुलाकर लंबी चर्चा की।

इधर राजस्थान में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा दूसरे दिन कोटा के हिरिया खेड़ी में पूरी हुई।

शाम करीब छह बजे 22.5 किलोमीटर का सफर पूरा हुआ। यहां से आगे राहुल गांधी गाड़ियों से दरा के मोरू कला पहुंचे, जहां रात्रि विश्राम का कार्यक्रम है।

सुबह यात्रा की शुरुआत में झालावाड़ में राहुल गांधी मुख्य चौराहे से निकल कर जा रहे थे। उसके बाद भाजपा कार्यालय तथा सांसद दुष्यंत सिंह के निजी कार्यालय के सामने से निकले, उसी दौरान वहां छत पर खड़े कुछ युवकों ने मोदी - मोदी के नारे लगाने शुरू कर दिए, लेकिन राहुल गांधी इससे बिल्कुल भी विचलित नहीं हुए और जो युवा नारे लगा रहे थे, उनकी तरफ फ्लाइंग किस करते हुए उनका अभिवादन भी किया।

यात्रा के दौरान एक छोटी सी दुर्घटना हुई और यात्रा का कवरेज करने के लिए उड़ाए गए ड्रोन कैमरा मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के कंधे पर गिर गया, जिससे उन्हें हल्की चोट लगी। इसके कारण खाचरियावास को यात्रा छोड़कर वापस लौटना पड़ा। खाचरियावास को यह चोट उसी कंधे पर आई है जिसका कुछ समय पूर्व उन्होंने ऑपरेशन कराया था। इससे पहले मंगलवार सुबह यात्रा के पहले फेज के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि गुजरात चुनाव में भाजपा ने सारी हदें पार कर दीं। उन्होंने कहा कि वोटिंग के दिन पीएम मोदी ने रोड शो में भाजपा का प्रचार किया।

डॉ. पूनिया का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपराधों की आग में झुलस रहा है, आज 8 लाख 31 हजार मुकदमे इसकी बानगी है, महिलाओं के प्रति सर्वाधिक 37 प्रतिशत अपराध, 27 प्रतिशत अनुसूचित जाति और 38 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति के प्रति अपराध यह पराकाष्ठा है।प्रतिदिन प्रदेश में औसतन 17 बलात्कार और 7 हत्याएं होती है, यह राजस्थान की कांग्रेस पार्टी की सरकार पर सवाल खड़े करते हैं। उनकी बहन प्रियंका गांधी कहती हैं लड़की हूं लड़ सकती हूं, क्या वो प्रदेश की महिलाओं के लिए लड़ने के लिए आएंगी, 1 लाख 50 हजार से ज्यादा मुकदमे महिलाओं के अपराधों के प्रति दर्ज हुए हैं, बालिकाओं के साथ दुष्कर्म की 26 हजार से ज्यादा घटनाएं हुई हैं।

मेरा आज राहुल गांधी से दूसरा सवाल है, भले ही वह राजनीतिक पर्यटन के लिए यहां आए हैं, लेकिन कम से कम अपने कांग्रेस शासन की सरकार की सुध तो लेते, राजस्थान की जनता को अपराधों से मुक्ति कब दिलाएंगे, महिलाओं को, अनुसूचित जाति को, अनुसूचित जनजाति को और बच्चियों को न्याय कब दिलाएंगे।

कांग्रेस विधायकों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देकर 91 विधायकों के इस्तीफों पर निर्णय करने का आग्रह किया था। इसके बावजूद भी स्पीकर ने अब तक इन इस्तीफों को लेकर कोई निर्णय नहीं किया है। याचिका में कहा गया कि यदि कोई विधायक इस्तीफा स्वयं पेश करता है तो विधानसभा प्रक्रिया नियम 173 के तहत स्पीकर के पास इस्तीफा स्वीकार करने के अतिरिक्त और कोई विकल्प नहीं होता। सिर्फ इसके लिए जांच की जा सकती है कि इस्तीफा स्वैच्छिक और जेन्युइन है या नहीं। याचिका में यह भी कहा गया कि यह असंभव है कि इतनी बडी संख्या में विधायकों से जबरन इस्तीफों पर हस्ताक्षर करवाए गए हों या उनके फर्जी हस्ताक्षर किए गए हों।

विधायकों के इस्तीफे देने के चलते सरकार सदन में अपना विश्वास खो चुकी है। इसके बावजूद भी इस्तीफा देने वाले मंत्रिमंडल और मंत्रिपरिषद सहित अन्य सरकारी बैठकों में शामिल हो रहे हैं। याचिका में गुहार की गई है कि इस्तीफा देने वाले विधायकों के नाम सार्वजनिक किए जाएं और बतौर विधायक इनका विधानसभा में प्रवेश से रोका जाए। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि स्पीकर के समक्ष बसपा से दल बदल कर कांग्रेस में आए विधायकों का मामला लंबित है। ऐसे में उन्हें अंदेशा है कि इन विधायकों के इस्तीफों पर भी स्पीकर निर्णय नहीं करेंगे। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने स्पीकर और सचिव को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

इस्तीफों पर निर्णय नहीं करने को चुनौती देने वाली इस याचिका की ड्राफ्टिंग अधिवक्ता हेमंत नाहटा की ओर से की गई। वहीं सुनवाई के दौरान भाजपा नेता राजेन्द्र राठौड ने अपना पक्ष स्वयं रखा। एक अधिवक्ता की तरह पैरवी करने पर कई वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने उन्हें बधाई दी और नियमित वकालत करने की बात कही।

कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा विवाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दशक में, भाषाई आधार पर हुये राज्यों के पुनर्गठन के दौरान, यह नगर कर्नाटक को दे दिया गया था। "कर्नाटक रक्षण वेदिके" से सम्बद्ध प्रदर्शनकारी एकाएक हिंसा पर उतर आये क्योंकि बेलागावी विवाद अन्दर ही अन्दर खदबदा रहा था। आग में घी डालने का काम करते हुये, कर्नाटक भी महाराष्ट्र के कुछ गाँवों पर अपना दावा प्रस्तुत कर रहा है।

प्रसंगवश बता दे कि महाराष्ट्र के विपक्षी दलों ने भाजपा पर हमला बोलते हुये कहा कि भाजपा ही इस विवाद को इस स्थिति तक लाई है क्योंकि दोनों ही राज्यों में, वह सत्ता पर काबिज है। वरिष्ठ एन.सी.पी. नेता शरद पवार ने भाजपा तथा महाराष्ट्र सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुये कहा, "अगर महाराष्ट्र की बसों और ट्रकों पर हमले नहीं रूके, तो उन्हें (एन.सी.पी.) को कोई अलग रूख अपनाना पड़ेगा। पूर्ववर्ती गठबन्धन सरकार अब तक संतुलित रूख अपनाती आ रही थी।" एक ट्वीट में, महाराष्ट्र के इस दिग्गज नेता ने कहा कि अगर आगे कुछ भी होता है तो कर्नाटक के मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई जिम्मेदार ठहराये जायेंगे। अगर हमले नहीं रूके तो वे स्वयं बेलगाँव जायेंगे। पवार ने दोनों मुख्यमन्त्रियों से अपील की कि वे साथ-साथ बैठकर, इस मुद्दे का समाधान तलाशे।

मंगलवार को, महाराष्ट्र ने एक कदम पीछे हटाते हुये, अपने उन दो मन्त्रियों को रोक लिया, जो विवादित स्थल पर जाने वाले थे क्योंकि कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने यह आशंका व्यक्त की थी कि मन्त्रियों के दौरे से कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा हो सकती है। जहाँ व्यावसायिक स्तर पर ये सब कदम उठाये जा रहे हैं, वही दूसरी तरफ, सर्वोच्च न्यायालय भी इसी विषय से सम्बन्धित दायर की जा चुकी एक याचिका पर विचार कर रहा है।

वस्तुतः महाराष्ट्र के साथ चल रहे विवाद को लेकर, बेलागावी में हिंसा उस समय भड़की जब कन्नड़-झंडा लहरा रहे एक विद्यार्थी पर कुछ मराठी छात्रों ने हमला बोल दिया था।

16 दिसम्बर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बीसीआई के तीन अक्टूबर के आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी थी। बीसीआई ने तीन अक्टूबर को आदेश जारी कर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन सहित अन्य अधिवक्ता संगठनों के चुनावों को आगामी आदेश तक रोक दिया था। एकलपीठ ने बी.सी.आई. के इस आदेश की क्रियान्विति पर स्टे लगा दिया था। सुनवाई के दौरान अधिवक्ता अभिनव शर्मा ने कहा कि बीसीआई के समक्ष कोई वोटर लिस्ट ही नहीं थी। ऐसे में उनकी ओर से चुनाव पर रोक लगाने का आदेश देना गलत था। इसके बाद खंडपीठ ने दोनों अपीलों को खारिज कर दिया।

ऐलन मस्क और वाइट हाउस के बीच जंग

वाशिंगटन, 6 दिसंबर (वार्ता)। अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक निवास तथा मुख्य कार्यस्थल 'व्हाइट हाउस' की प्रेस सचिव कराइन जीन-पियरे ने कहा है कि ट्विटर अधिकारियों और बाइडेन प्रशासन के बीच उच्च स्तरीय मिलीभगत दिखाने वाले खुलासे देश के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकते हैं।जीन-पियरे ने कहा, ट्विटर अधिकारियों और बाइडेन प्रशासन के बीच के जो कुछ भी चल रहा है वह देशवासियों के लिए परेशानी का सबब बन सकता है। उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा कि ट्विटर अपने प्लेटफॉर्म पर रोष, घृणा और सामाजिक तनाव फैलानी वाली प्रतिबंधित पुरानी सामग्री को कैसे रख सकता है। दरअसल, ट्विटर कर्मचारियों के शुक्रवार को लीक हुए ईमेल से पता चला कि सोशल मीडिया अधिकारियों ने अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर यह झूठा दावा किया था कि राष्ट्रपति जो बाइडेन के पुत्र हंटर बाइडेन के लैपटॉप से निकाली गई फाइलें एक रूसी विघटन अभियान की सामग्री थी। स्पूतनिक के पत्रकार जॉन किरियाकौ ने बताया कि खोजी पत्रकार मैट तैब्बी को लीक हुए ईमेल ट्विटर के नए मालिक ऐलन मस्क से प्राप्त हुए हैं।

- वाइट हाउस की प्रेस सचिव ने कहा कि, ट्विटर और वाइट हाउस के बीच जो कुछ भी चल रहा है वह अमेरिका के लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

'तू डाल-डाल मैं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चरमरा जाएगी।

यूक्रेन पर हमले के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर व्यापक प्रतिबंध लगाए थे, तथापि इन प्रतिबंधों का ज्यादा असर नहीं हुआ क्योंकि युद्ध के बाद तेल की कीमतों में और उछाल आ गया, यानी कि रूस ने तेल के प्रति यूनिट निर्यात से अधिक धन कमाया। रूस को कुल मिलकार आर्थिक नुकसान नहीं पहुंचा।

प्रतिबंधों से रूस को घुटने टेकने पर मजबूर करने में विफल रहने से परेशान ई.यू. ने रूस के सैन्य अभियान को नियन्त्रित करने के नए तरीके लागू करने शुरू किए। उसने रूस के तेल की ब्रिकी की कीमत तय करने के बारे में सोचा, जिसे सम्बद्ध प्रतिबंधों के बिना लागू नहीं किया जा सकता था।

कीमत नियन्त्रण की प्रतिक्रिया में रूस ने अपने तेल निर्यातों को सीमित रखने के विचार को प्रसारित किया है। इससे तेल की वैश्विक कीमतें आसमान छू सकती हैं और समूची वैश्विक अर्थव्यवस्था में घबराहट पैदा हो सकती है। इससे वैश्विक वित्तीय बाजारों और उसकी लागतों पर विपरीत असर पड़ सकता है। तेल की कीमतों पर नई अनिश्चितता तब सामने आ रही है, जब वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की संभावनाओं को झेल रही है। यह स्थिति कुल मिलाकर सब कुछ अनिश्चित बनाती है।

तेल की कीमतों का कैसा भी उछाल वैश्विक मंदी के स्तर को और नीचे गिरा सकता है। खासतौर पर जब चीन गंभीर आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है तो बड़ी पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं में मंदी की चर्चा हो ही है। रूस के तेल से मिलने वाला कोई अतिरिक्त झटका आर्थिक मंदी को और गहरा सकता है।

इस स्थिति को खराब होने से कुछ हद तक तभी रोका जा सकता है जबकि पश्चिम के अग्रणी देश, विशेषकर अमेरिका अन्य बड़े तेल उत्पादक देशों को अपना उत्पादन बढ़ाने के लिए राजी करे ताकि रूस की तेल सप्लायी पर लगे प्रतिबंधों से ग्लोबल मार्केट्स से होने वाली कमी से निबटा जा सके।

ऑर्गनाइजेशन ऑफ पैट्रोलियम एक सपोर्टिंग कन्ट्रीज (ओ.पी.ई.सी. औवेक) परम्परागत रूस से तेल के बाजार में आने वाले किसी भी उछाल का लाभ लेती रही हैं। कीमत वृद्धि के कारण बाजार में और अधिक तेल बिकने के लिए आया।

हालांकि ओपैक देशों पर अपना दबदबा रखने वाला सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश सऊदी अरब के कूटनीतिक रिश्तों में आयी तलरवी के कारण सऊदी अरब ने रूस के साथ नए सम्पर्क स्थापित किए और ऐसा लगा जैसे कि वह तेल की कीमतें ऊंची रखने में रूस की कार्यवाही का समर्थन कर रहा है। अतः तेल की कीमतें स्थिर रहने की दूर-दूर तक संभावनाएं नहीं हैं क्यांकि मध्य पूर्व में अमेरिका के पूर्व सहयोगी सऊदी अरब ने ई.यू. द्वारा रूस के तेल की कीमत तय करने की प्रतिक्रिया में अपना तेल उत्पादन और सप्लायी बढ़ाने के अमेरिका के अनुरोध को मानने से इन्कार कर दिया है।

राहुल गांधी की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चल रहे हैं, उनसे क्यों बात कर रहें हैं?

स्वरा बातचीत में, वे उन मुद्दों को उठाती रहीं, जिन्होंने दूसरी और तीसरी श्रणियों को बहुत आहत किया है।

वस्तुतः, ऐसा प्रतीत हुआ है, मानो स्वरा उस व्यापक भारतीय पुनर्जागरण को स्वर दे रही हों, जिसकी गति मंद भले ही हो, जो लगातार हो रहा है।

स्वरा भास्कर, जो जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के खुले वातावरण में पली-बड़ी हैं, को उनकी फिल्म "माधोलाल कीप वॉकिंग" से प्रसिद्धि मिली। ज्ञातव्य है कि स्वरा की माँ जे.एन.यू. में शिक्षिका थीं।

लेकिन स्वरा अब भी उसी चीज को कह रही हैं: "चलते रहो"। अब माधोलाल "राहुल गांधी" में बदल गया है, और इस बात पर जोर देने के लिये, वे राहुल के साथ पैदल चलीं। और जैसा कि उन्होंने स्वयं स्वीकार किया है, उन्हें उनका "पारिश्रमिक" मिल गया है। उन्होंने कहा, "और जहाँ तक भाजपा का संबंध है, उसके अधिकांश लोग घोर झूठे हैं।"

पायलट के उत्साही ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह भी ज्ञातव्य है कि कोटा, शांति धारीवाल का निर्वाचन क्षेत्र है, जिनका अजय माकन द्वारा तैयार की गई अनुशासनहीनता की रिपोर्ट में नाम है और जिनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश की गई है।

शायद इसी को ध्यान में रखते हुए राहुल गांधी ने निर्णय लिया है कि यात्रा ना तो कोटा में रूकेगी और ना ही लंच या किसी अन्य चीज़ के लिए इसका वहां ठहराव होगा। यात्रा कोटा में बिना किसी विश्राम के जारी रहेगी, यात्रा का पड़ाव कोटा के बाहर ही होगा। कार्यक्रम में यह बदलाव आज ही हुआ है।

सूत्र कहते है कि राहुल गांधी यात्रा के दौरान या चाय के लिए रूकने के वक्त भी गहलोत से बातचीत नहीं कर रहे हैं।

समझा जाता है कि वे (राहुल) साफ तौर पर उनकी (गहलोत) उपेक्षा कर रहे हैं।

किन्तु कल राहुल गांधी उस समय अशोक गहलोत पर भड़क गये, जब पूरे यात्रा स्थल पर खाकी यूनिफॉर्म में बड़ी संख्या में पुलिस दिखाई दी। गहलोत की तरफ मुड़कर, राहुल गांधी ने कहा कि इतनी सारी पुलिस को हटाओ, वरना मैं घर लौट जाऊँगा।

इसके बाद, वर्दीधारी पुलिस तो हटा दी गई लेकिन उसके स्थान पर सामान्य वस्त्र पहने पुलिस कर्मी आ गये।

आज की यात्रा इस अर्थ में निराशाजनक रही कि यात्रा स्थल पर आम लोग बहुत ही कम संख्यचा में थे तथा उनके स्थान सरकारी मशीनरी, कांग्रेस कार्यकर्ता, यात्री एवं पुलिस कर्मी दिखाई दे रहे थे। लेकिन यह भीड़ उस राज्य के अनुरूप नहीं कही जा सकती, जहां कांग्रेस का शासन हो।

- पर यह भी सच है कि, मंगलवार को यात्रा के दौरान ज्यादा भीड़ नहीं थी। क्या यह जानबूझकर किया गया था, तथा पायलट विरोधी साजिश में व्यस्त मु.मंत्री के खेमे को भीड़ जुटाने की फुर्सत नहीं मिली। क्योंकि, जहां से यात्रा गुजर रही है, उसके अगल-बगल के दो जिलों के प्रभारियों को भीड़ लाने की जिम्मेवारी दी गई थी।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि या तो अशोक गहलोत जानबूझकर ऐसा कर रहे हैं ताकि राहुल गांधी का शो फीका रहे, या फिर उन्होंने भीड़ जुटाने के लिय कोई प्रयास ही नहीं किये हैं क्योंकि मूल योजना के अनुसार, यह सुनिश्चित किया गया था कि रोजाना की भीड़ को लाने की व्यवस्था दो पड़ोसी जिलों के नेता करेंगे।

एक अन्य वरिष्ठ नेता ने कहा कि अगर आप अपनी ऊर्जा सचिन पायलट को नीचे लाने में लगा देंगे, तो कुछ सकारात्मक करने का समय और गुंजाइश ही कहाँ रहेगी।

सोनिया गांधी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रंधावा पंजाब से हैं और उन्हें एक कठोर एवं सीधी बात करने वाले नेता के रूप में जाना जाता है। कैप्टन अमरिन्दर सिंह को पंजाब के मुख्यमंत्री पद से हटाने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही थी।सूत्र कहते हैं कि रंधावा पार्टी हाईकमान के आदमी हैं। इसके साथ ही सूत्रों का कहना है कि सचिन पायलट का पक्ष लेने के कारण गहलोत ने अजय माकन को निशाना बनाया था। अब एक निष्पक्ष बात करने के लिए रंधावा को लाया गया है। राजस्थान में कांग्रेस के नए प्रभारी महासचिव आज शाम जयपुर आ रहे हैं, और उनके राहुल गांधी की यात्रा में कल शामिल होने की उम्मीद है। जब वे राहुल गांधी के साथ चल रहे होंगे तो राजस्थान पर अनिवार्य रूप से चर्चा हो सकती है। लम्बे समय से लम्बित यह निर्णय एक खुले घाव की भांति सड़ रहा है क्योंकि नेतृत्व राजस्थान के लिए कुछ तय नहीं कर पा रहा। लेकिन यात्रा के राजस्थान से गुजर जाने के बाद उम्मीद है कि राजस्थान को कोई समाधान पसन्द आएगा।

सरकार, डिस्कॉम व विद्युत नियमन आयोग की मिलीभगत से सोलर एनर्जी प्रोड्यूसर्स को न्याय नहीं मिल रहा

हाई कोर्ट में आर.ई.सी. मकैनिज़्म के तहत बने सोलर ऊर्जा उत्पादको के अधिवक्ता ने कहा कि, इस मिलीभगत का प्रमाण है कि, तीनों (सरकार, डिस्कॉम तथा आयोग) जवाब में एक ही भाषा में एक ही तर्क प्रस्तुत करते हैं

-यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर, 6 दिसम्बर। राजस्थान हाईकोर्ट में आज रिन्युबल एनर्जी सर्टिफिकेट (आर.ई.सी.) मकैनिज़्म के तहत सौर तथा पवन ऊर्जा में निवेश करने वाले निवेशकों की ओर से दायर करीब 108 याचिकाओं पर सुनवाई हुई। जैसा कि विदित है कि इस मामले में 1 अप्रैल 2019 से याचिकाकर्ताओं द्वारा स्थापित सौर और पवन ऊर्जा के प्लांट से बिजली उत्पादित की जा रही है और राज्य सरकार के डिस्कॉम्स को भी दी जा रही है, परंतु इन्हें बिजली उत्पादन के लिये डिस्कॉम्स द्वारा कोई भुगतान नहीं किया जा रहा है। इस मामले में याचिकाकर्ताओं की ओर से कल भी अधिवक्ता संदीप तनेजा, सुकृति कासलीवाल और पुनीत सिंघवी बहस करेंगे।

इस मामले में लगभग डेढ़ महीने बाद पुनः सुनवाई शुरू की गई है क्योंकि न्यायाधीश एम.एम.श्रीवास्तव के परिवार में निधन होने के कारण वे मामले की सुनवाई नहीं कर सकते थे। आज सुनवाई के दौरान अधिवक्ता रवि चिनारिया, जो इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आई.ओ.सी.) और अन्य प्राइवेट पार्टी की ओर से पैरवी कर रहे थे, ने अपनी बहस पूर्ण की। सुनवाई के दौरान अदालत ने अधिवक्ता रवि चिनारिया से यह कहा कि सरकार के वकीलों का कहना है कि उन्हें ओपन मार्केट में बिजली सस्ते दामों में मिल रही है इसलिये वह आर.ई.सी. मकैनिज़्म के तहत बने सौर ऊर्जा के प्लांटों से बिजली नहीं खरीदना चाहती है। उन्होंने रवि चिनारिया से पूछा कि डिस्कॉम सस्ती दरों पर बिजली खरीदे और फिर सस्ते दामों पर ही उपभोक्ताओं को बिजली बेचे, यह जनहित में लिया हुआ फैसला है और अदालत सरकार के फैसले में कितना हस्तक्षेप कर सकती है? इस पर रवि चिनारिया ने अदालत को कहा कि सरकार का यह कहना कि इससे सस्ती दरों पर ही बिजली मिल रही है, इस वजह से यह लाभ उपभोक्ताओं को भी मिलेगा, यह मिथ्या है। डिस्कॉम कानूनी रुप से बाध्य है, इन बिजली उत्पादकों से बिजली खरीदने और प्रोत्साहन देने के लिए।

उन्होंने अदालत को बताया कि वर्ष 2003-04 में राज्य सरकार को थर्मल पावर प्लांट से 3.50-4 रुपये प्रति यूनिट बिजली मिलती थी, और यही बिजली राज्य सरकार 5-5.30 रुपये की दर पर रिहाइशी उपयोग के लिये उपभोक्ताओं को बेचती थी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014-15 तक राजस्थान एक "एनर्जी डेफिसिट" स्टेट था। उन्होंने आगे बताया कि राज्य सरकार का कहना है कि उसे ओपन मार्केट में वर्ष 2019 में करीब 2.85 रुपये प्रति यूनिट तक की दरें मिल रही हैं, परंतु आज की तारीख में रिहाईशी उपयोग के लिये दर 8-9 रुपये प्रति यूनिट है और व्यवसायिक उपयोग के लिये लगभग 15 रुपये प्रति यूनिट है। उन्होंने कहा कि बिजली की उपलब्धता तथा बिजली की दरें यह निर्धारित नहीं कर रही हैं कि उपभोक्ताओं को इसका कितना लाभ मिलेगा।

- अधिवक्ता रवि चिनारिया का कहना है कि, 5 मार्च 2019 को आयोग ने यह तर्क दिया कि, आर.ई.सी मकैनिज़्म के तहत निर्मित प्लांट से मिल रही बिजली की दरें 3.14 रुपये प्रति यूनिट पर सीमित करी जाती है, जिस पर डिस्कॉम ने भी अपनी रजामंदी दिखाई थी और याचिकाकर्ताओं से अण्डरटेकिंग भी ली थी। परंतु लगभग चार साल बाद भी डिस्कॉम ने बिजली खरीदने के लिए पी.पी.ए. हस्ताक्षरित नहीं किया है और याचिकाकर्ताओं को बिजली उप्तादन के लिए भुगतान भी नहीं किया गया है।

डिस्कॉम में अव्यवस्था और भ्रष्टाचार ही महंगी दरों का कारण हैं। उन्होंने कहा कि पिछले लगभग चार वर्ष से डिस्कॉम्स ने इस मामले में याचिकाकर्ताओं को एक रुपये का भुगतान भी नहीं किया है और उन्हें आज भी बिजली मिल रही है जिसे वे अन्य प्रदेशों की सरकार को बेच रही हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में डिस्कॉम्स की मॉनोपॉली बनाने के लिये राज्य सरकार ने उद्योगपतियों के लिये "ओपन एक्सेस" की सुविधा को विफल करने के लिये कई नये नियम कायदे लागू किये हैं। पाठकों को बता दें कि उद्योगपति "ओपन एक्सेस" यानी सौर ऊर्जा का प्लांट बनाकर स्वयं के लिये बिजली का उत्पादन कर सकते हैं, परंतु राज्य सरकार ने इस नीति को विफल करने के लिये "ओपन एक्सेस" प्लांटों पर भारी "वीलिंग चार्ज" (यानी सरकार के ग्रिड का इस्तेमाल करने के लिये भारी फिक्स चार्ज) लगा दिये हैं। रवि चिनारिया ने कहा, फिक्स चार्ज की दरें बढ़ा दी हैं, जिससे प्रदेश में कोई भी केप्टिव पावर प्लांट लगाना नहीं चाहता और दिल्ली में स्थित पावर एक्सचेंज से बिजली भी नहीं खरीदना चाहता।

उन्होंने कहा कि अदालत के समक्ष इस मामले में कई तथ्य ऐसे हैं जिससे साबित होता है कि राज्य सरकार और उसकी डिस्कॉम और विद्युत विनियामक आयोग मिले हुए थे और इनकी मिलीभगत से ही 2019 से याचिकाकर्ताओं को उनके द्वारा उत्पादित बिजली का भुगतान नहीं किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि अगस्त 2018 में सभी डिस्कॉम्स ने आयोग को पत्र लिखकर कहा था कि "पूल रेट" मकैनिज़्म के तहत तय की गई दरों पर आर.ई.सी. मकैनिज़्म के तहत बने प्लांटों से बिजली नहीं खरीदेंगे। डिस्कॉम्स का कहना था कि "पूल रेट" (जो पिछले वर्ष डिस्कॉम्स द्वारा सभी स्रोतों से खरीदी गई बिजली का औसत है) पर बिजली खरीदना उन्हें महंगा पड़ रहा है। रवि चिनारिया ने अदालत को आगे बताया कि 5 मार्च 2019 को नियामक आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए तय किया था कि वह आर.ई.सी. मकैनिज़्म के तहत निर्मित पावर प्लांटों के लिये बिजली की दर को 3.14 रुपये प्रति यूनिट पर सीमित कर रहे हैं और जो निवेशक आर.ई.सी. मकैनिज़्म से बाहर जाना चाहते हैं, उन निवेशकों के लिये दर 3.17 रुपये प्रति यूनिट पर सीमित रखी जाती है।

रवि चिनारिया ने अदालत को कहा कि उनके मुवक्किल ने आयोग के फैसले को मानते हुए सभी डिस्कॉम्स से "परचेज पावर एग्रीमेंट" (पी.पी.ए.) हस्ताक्षरित करने के लिये पत्र लिखा था और 29 मार्च 2019 को सभी डिस्कॉम्स को अंडर टेकिंग भी दे दी थी, परंतु जब नवम्बर 2019 तक डिस्कॉम्स ने याचिकाकर्ताओं के साथ पी.पी.ए. हस्ताक्षरित नहीं किये तब उन्हें अदालत का दरवाजा खटखटाना ही पड़ा।

उन्होंने कहा कि उनके मुवक्किल ने आयोग के समक्ष भी याचिका पेश की थी परंतु तब डिस्कॉम की तरफ से यह तथ्य छुपाया गया था कि वह उनके मुवक्किलों के साथ पी.पी.ए.हस्ताक्षरित करना चाहते थे। उन्होंने अदालत को यह भी बताया कि आयोग ने दरें सीमित करने से पहले इससे संबंधित प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया। उन्होंने अदालत को इस तथ्य से भी अवगत कराया कि डिस्कॉम्स और सरकार की तरफ से एक ही जवाब पेश किया गया है, परंतु हैरानी की बात है कि आयोग द्वारा प्रस्तुत जवाब सरकार व डिस्कॉम के जवाब से हूबहू मेल खाता है, जबकि आयोग एक स्वतंत्र संस्था है जो बिजली की दरें तय करता है और डिस्कॉम को बिजली खरीदने पर बाध्य भी कर सकता है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908